पोषण से भरपूर है मिलेट आधारित खाद्य उत्पाद : प्रो. टंकेश्वर कुमार

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के अंतर्गत विभिन्न आयोजन जारी है। आयोजनों की इसी श्रृंखला के अंतर्गत गुरुवार विश्वविद्यालय परिसर में स्वयं सहायता समूह के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में मिलेट (मोटा अनाज) उत्पादों की बिक्री हेतु विशेष स्टॉल लगाया गया। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत आने वाले स्थानीय भोजावास गाँव के जय बाबा जिंदा महिला स्वयं सहायता समूह के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों सहित सभी सहभागियों को मिलेट आधारित विभिन्न उत्पाद क्रय हेतु उपलब्ध कराए गए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन का शुभारंभ करते हुए कहा कि अगर हम खाद्य उत्पादों में पोषकता की बात करें तो मिलेट से बने उत्पाद सर्वोत्तम की श्रेणी में आते हैं। इसलिए इन उत्पादों को अपने दैनिक उपयोग में शामिल करना चाहिए। कुलपति ने इस मौके पर स्वयं सहायता समूह के द्वारा जारी प्रयासों को सहयोग प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय में विभिन्न स्तर पर इन उत्पादों की बिक्री हेतु सहयोग का भी भरोसा दिलाया और आयोजन में सम्मिलित सहयोगी पोषण जीवविज्ञान विभाग को इस दिशा में विशेष प्रयास हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर इस प्रयास से अवश्य ही इस क्षेत्र में कार्य कर रहे युवाओं के आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों को बल मिलेगा। विश्वविद्यालय में आयोजित इस शिविर में स्वयं सहायता समूह की ओर से उपस्थित श्रीमती ऊषा व शकुंतला के द्वारा विभिन्न मिलेट आधारित उत्पाद जैसे बाजरा, जौ के बने लड्डू नमकीन व बिस्कुट आदि उपलब्ध कराए गए।

समानता के साथ जीने का अवसर प्रदान करता है संविधान : प्रो. टंकेश्वर कुमार

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संविधान का महत्त्व बताते हुए इसकी उद्देशिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में संविधान की उद्देशिका को इसकी आत्मा बताया और विद्यार्थियों सहित सभी सहभागियों को संविधान में प्रदान किए गए अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने इस अवसर पर विशेष रूप से कहा कि भारत का संविधान नागरिकों को समानता के साथ जीवन जीने का अवसर प्रदान करता है और यह समाज में समरसता स्थापित करने व देश के विकास हेतु महत्त्वपूर्ण है। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. रबिंद्र कुमार व गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद के डॉ. चंद्रैया गोपानी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन की शुरूआत संविधान की उद्देशिका का उल्लेख करते हुए की। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 1949 का दिन समूचे राष्ट्र के लिए महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की पुरातन सभ्यता व संस्कृति और उसमें समाहित विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान एक ऐसा माध्यम है जो इन विविधताओं के बीच समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधकर रखे हुए है। कुलपति ने अपने संबोधन में उद्देशिका का उल्लेख करते हुए इसके प्रचार-प्रसार हेतु विश्वविवद्यालय स्तर पर जारी प्रयासों से भी अवगत कराया।

पोषण से भरपूर हैं मोटे अनाज से बने उत्पाद

हकेंवि में स्वयं सहायता समूह ने लगाए मोटे अनाज से बने उत्पाद के स्टॉल

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के तहत वीरवार को स्वयं सहायता समूह के सहयोग से विवि परिसर में मिलेट (मोटा अनाज) उत्पादों की बिक्री के लिए विशेष स्टॉल लगाई गई।

हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत आने वाले स्थानीय भोजावास गांव के जय बाबा जिंदा महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों सहित सभी सहभागियों को मिलेट आधारित विभिन्न उत्पाद क्रय के लिए उपलब्ध कराए गए।

विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुभारंभ करते हुए कहा कि अगर हम खाद्य उत्पादों में पोषकता की बात करें तो मोटे अनाज से बने उत्पाद सर्वोत्तम की श्रेणी में आते हैं, इसलिए इन उत्पादों को अपने दैनिक उपयोग में शामिल करना चाहिए। कुलपति ने स्वयं सहायता समूह के प्रयासों को सहयोग प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय में इन उत्पादों की बिक्री के लिए सहयोग का भी भरोसा दिलाया और आयोजन में सम्मिलित सहयोगी पोषण जीव विज्ञान विभाग को इस दिशा में विशेष प्रयास के लिए निर्देशित किया।

मोटे अनाज पर आधारित खाद्य उत्पादों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : विवि

बाजरा, जौ के बने लड्डू रहे आकर्षण का केंद्र

प्रदर्शनी में स्वयं सहायता समूह की ओर से उपस्थित ऊषा व शकुंतला द्वारा विभिन्न मिलेट प्रकार के मोटे अनाज से बने उत्पाद जैसे बाजरा, जौ के बने लड्डू, नमकीन व बिस्कुट आदि उपलब्ध कराए गए। इस अवसर पर पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश ने कहा कि विभाग की ओर से यह प्रयास प्रमुख रूप से युवाओं को पोषण आधारित भारतीय खाद्य पदार्थों के प्रति जागरूक करना है। इस प्रदर्शनी में विभाग के डॉ. उमेश कुमार, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. तेजपाल ढेवा, डॉ. अनिता का अहम योगदान रहा।

समानता के साथ जीने का अवसर प्रदान करता है संविधान : कुलपति

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में वीरवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संविधान का महत्त्व बताते हुए इसकी उद्देशिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि भारत का संविधान नागरिकों को समानता के साथ जीवन जीने का अवसर प्रदान करता है और यह समाज में समरसता स्थापित करने व देश के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. रबिंद्र कुमार व गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद के डॉ. चंद्रैया गोपानी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन की शुरुआत संविधान की उद्देशिका का उल्लेख करते हुए की। कुलपति ने अपने संबोधन में उद्देशिका का उल्लेख करते हुए इसके प्रचार-प्रसार के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर जारी प्रयासों से भी अवगत कराया। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार ने स्वागत भाषण व विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. रबिंद्र कुमार ने भारतीय संविधान की मूल भावना से अवगत कराया। संविधान ही लोकतंत्र का आधार है। कार्यक्रम में सवाल-जवाब सत्र का समन्वयन विधि विभाग के सहायक आचार्य राकेश मीणा ने किया। इस अवसर पर प्रो. सुशीला शौर्या, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. मुलका मारुति, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. जितेंद्र, डॉ. शाहजहां और डॉ. सन्नी तंवर आदि उपस्थित रहे।

समानता के साथ जीने का अधिकार देता है संविधान

महेंद्रगढ़ | हकेवि में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संविधान का महत्त्व बताते हुए इसकी उद्देशिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में संविधान की उद्देशिका को इसकी आत्मा बताया और विद्यार्थियों सहित सभी सहभागियों को संविधान में प्रदान किए गए अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. रबिंद्र कुमार व गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद के डॉ. चंद्रैया गोपानी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. रबिंद्र कुमार ने संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए प्रतिभागियों को भारतीय संविधान की मूल भावना से अवगत कराया। कार्यक्रम में सवाल-जवाब सत्र का समन्वयन विधि विभाग के सहायक आचार्य राकेश मीणा ने किया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ वक्ताओं का परिचय समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. टी. लोंग्कोई व पोषण जीवविज्ञान विभाग के सह आचार्य डॉ. उमेश कुमार ने करवाया। कार्यक्रम के अंत में शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कुमार पी. ने धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि मंच का संचालन कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

समानता के साथ जीने का अवसर देता है संविधान: टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संविधान का महत्त्व बताते हुए इसकी उद्देशिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में संविधान की उद्देशिका को इसकी आत्मा बताया और विद्यार्थियों सहित सभी सहभागियों को संविधान में प्रदान किए गए अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने इस अवसर पर विशेष रूप से कहा कि भारत का संविधान नागरिकों को समानता के साथ जीवन जीने का अवसर प्रदान करता है और यह समाज में समरसता स्थापित करने व देश के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. रबिंद्र कुमार व गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद के डा. चंद्रैया गोपानी उपस्थित रहे।

प्रो. रबिंद्र कुमार का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन की शुरुआत संविधान की उद्देशिका का उल्लेख करते हुए की। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 1949 का दिन समूचे राष्ट्र के लिए महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि संविधान एक ऐसा माध्यम है जो इन विविधताओं के बीच समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधकर रखे हुए है। कुलपति ने अपने संबोधन में उद्देशिका का उल्लेख करते हुए इसके प्रचार-प्रसार के लिए विश्वविवद्यालय स्तर पर जारी प्रयासों से भी अवगत कराया। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार ने स्वागत भाषण व विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. रबिंद्र कुमार ने प्रतिभागियों को भारतीय संविधान की मूल भावना से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने कहा कि यह सभी भारतवासियों के अधिकारों की रक्षा करता है।

मिलेट की बिक्री को लेकर लगाया स्टाल

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के अंतर्गत विभिन्न आयोजन जारी है। आयोजनों की इसी श्रृंखला के अंतर्गत बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय परिसर में स्वयं सहायता समूह के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में मिलेट (मोटा अनाज) उत्पादों की बिक्री के लिए विशेष स्टाल लगाया गया। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत आने वाले स्थानीय भोजावास गांव के जय बाबा जिंदा महिला स्वयं सहायता समूह के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों सहित सभी सहभागियों को मिलेट आधारित विभिन्न उत्पाद क्रय के लिए उपलब्ध कराए गए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन का शुभारंभ करते हुए कहा कि अगर हम खाद्य उत्पादों में पोषकता की बात करें तो मिलेट से बने उत्पाद सर्वोत्तम की श्रेणी में आते हैं। इसलिए इन उत्पादों को अपने दैनिक उपयोग में शामिल करना चाहिए।

कुलपति ने इस मौके पर स्वयं सहायता समूह के द्वारा जारी प्रयासों को सहयोग प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय में विभिन्न स्तर पर इन उत्पादों की बिक्री के लिए सहयोग का भी भरोसा दिलाया और आयोजन में सम्मिलित सहयोगी पोषण जीवविज्ञान विभाग को इस दिशा में विशेष प्रयास के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर इस प्रयास से अवश्य ही इस क्षेत्र में कार्य कर रहे युवाओं के आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों को बल मिलेगा। विश्वविद्यालय में आयोजित इस शिविर में स्वयं सहायता समूह की ओर से उपस्थित ऊषा व शकुंतला के द्वारा विभिन्न मिलेट आधारित उत्पाद जैसे बाजरा, जौ के बने लड्डू नमकीन व बिस्कुट आदि उपलब्ध कराए गए।

इस अवसर पर पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश ने कहा कि विभाग की ओर से यह प्रयास प्रमुख रूप से युवाओं को पोषण आधारित भारतीय खाद्य पदार्थों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के अंतर्गत यह आयोजन महत्त्वपूर्ण है और इस प्रयास में विभाग के डा. उमेश कुमार, डा. अश्वनी कुमार, डा. तेजपाल ढेवा, डा. अनिता का योगदान प्रमुख रहा।

पोषण से भरपूर है मिलेट आधारित खाद्य उत्पाद : प्रो. टंकेश्वर कुमार

- **हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के अवसर पर विशेष आयोजन।**

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मिलेट पर आधारित खाद्य पदार्थों की स्टालों का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो टांकेश्वर कुमार।

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के अंतर्गत विभिन्न आयोजन जारी है। आयोजनों की इसी श्रृंखला के अंतर्गत गुरुवार विश्वविद्यालय परिसर में स्वयं सहायता समूह के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में मिलेट (मोटा अनाज) उत्पादों की बिक्री हेतु विशेष स्टॉल लगाए गए। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत आने वाले स्थानीय भोजावास गाँव के जय बाबा जिंदा महिला स्वयं सहायता समूह के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों सहित सभी सहभागियों को मिलेट आधारित विभिन्न उत्पाद क्रय हेतु उपलब्ध कराए गए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन का शुभारंभ करते हुए कहा कि अगर हम खाद्य उत्पादों में पोषकता की बात करें तो मिलेट से बने उत्पाद सर्वोत्तम की श्रेणी में आते हैं। इसलिए इन उत्पादों को अपने दैनिक उपयोग में शामिल करना चाहिए। कुलपति ने इस मौके पर स्वयं सहायता समूह के द्वारा जारी प्रयासों को सहयोग प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय में विभिन्न स्तर पर इन उत्पादों की बिक्री हेतु सहयोग का भी भरोसा दिलाया और आयोजन में सम्मिलित सहयोगी पोषण जीवविज्ञान विभाग को इस दिशा में विशेष प्रयास हेतु निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर इस प्रयास से अवश्य ही इस क्षेत्र में कार्य कर रहे युवाओं के आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों को बल मिलेगा। विश्वविद्यालय में आयोजित इस शिविर में स्वयं सहायता समूह की ओर से उपस्थित ऊषा व शकुंतला के द्वारा विभिन्न मिलेट आधारित उत्पाद जैसे बाजरा, जौ के बने लड्डू नमकीन व बिस्कुट आदि उपलब्ध कराए गए। इस अवसर पर पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश ने कहा कि विभाग की ओर से यह प्रयास प्रमुख रूप से युवाओं को पोषण आधारित भारतीय खाद्य पदार्थों के प्रति जागरूक करना है।

उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के अंतर्गत यह आयोजन महत्त्वपूर्ण है और इस प्रयास में विभाग के डॉ. उमेश कुमार, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. तेजपाल ढेवा, डॉ. अनिता का योगदान प्रमुख रहा।

CUH organized Expert Lecture on the occasion of Constitution Day

Arti Rana
info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH: A special program was organized on Thursday to commemorate the Constitution Day at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. On this occasion, the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar explained the importance of the Constitution and threw light on its Preamble. In his address, he described the Preamble of the Constitution as its soul and inspired all the participants including students to be aware of the rights as well as duties provided in the Constitution. On this occasion, the Vice Chancellor specially said that the Constitution of India provides an opportunity to the citizens to live life with equality and this is important for establishing harmony in the society and development of the country. On this occasion, Prof. Rabindra Kumar of Indira Gandhi National Open University, New Delhi and Dr. Chandraiah Gopani of Govind Ballabh Pant Institute of Social Sciences, Allahabad were present as expert speakers. This program organized by the Scheduled Caste/Scheduled Tribe Cell of the University. the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar started his address by mentioning the Preamble of the Constitution. Before this, the coordinator of Scheduled Caste/Scheduled Tribe cell and program of the University, Prof. Antresh Kumar presented the welcome address and also introduced the Vice-Chancellor of the University.

पोषण से भरपूर है मिलेट आधारित खाद्य उत्पाद : कुलपति

महेंद्रगढ़, 30 नवम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के अंतर्गत विभिन्न आयोजन जारी है। आयोजनों की इसी श्रृंखला के अंतर्गत

■ हकेवि में अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के अवसर पर विशेष आयोजन

गुरुवार विश्वविद्यालय परिसर में स्वयं सहायता समूह के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में मिलेट (मोटा अनाज) उत्पादों की बिक्री हेतु विशेष स्टॉल लगाया गया। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत आने वाले स्थानीय भोजावास गाँव के जय बाबा जिंदा महिला स्वयं सहायता समूह के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों सहित सभी सहभागियों को मिलेट आधारित विभिन्न उत्पाद क्रय हेतु उपलब्ध कराए गए।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन का

प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति टंकेश्वर कुमार।

शुभारंभ करते हुए कहा कि अगर हम खाद्य उत्पादों में पोषकता की बात करें तो मिलेट से बने उत्पाद सर्वोत्तम की श्रेणी में आते हैं।

इसलिए इन उत्पादों को अपने दैनिक उपयोग में शामिल करना चाहिए।

कुलपति ने इस मौके पर स्वयं सहायता समूह के द्वारा जारी प्रयासों को सहयोग प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय में विभिन्न स्तर पर इन उत्पादों की बिक्री हेतु सहयोग का भी भरोसा दिलाया और आयोजन में सम्मिलित सहयोगी पोषण जीवविज्ञान विभाग को इस दिशा में विशेष प्रयास हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर इस प्रयास से अवश्य ही इस क्षेत्र में कार्य कर रहे युवाओं के आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों को बल मिलेगा। विश्वविद्यालय में आयोजित इस शिविर में स्वयं सहायता समूह की ओर से उपस्थित ऊषा व शकुंतला के द्वारा विभिन्न मिलेट आधारित उत्पाद जैसे बाजरा, जौ के बने लड्डू नमकीन व बिस्कुट आदि उपलब्ध कराए गए। इस अवसर पर पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश ने कहा कि विभाग की ओर से यह प्रयास प्रमुख रूप से युवाओं को पोषण आधारित भारतीय खाद्य पदार्थों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के अंतर्गत यह आयोजन महत्त्वपूर्ण है और इस प्रयास में विभाग के डा. उमेश कुमार, डॉ. अश्वनी कुमार, डा. तेजपाल ढेवा, डा. अनिता का योगदान प्रमुख रहा।

'समानता के साथ जीने का अवसर देता है संविधान'

महेंद्रगढ़, 30 नवम्बर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संविधान का महत्त्व बताते हुए इसकी उद्देशिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में संविधान की उद्देशिका को इसकी आत्मा बताया और विद्यार्थियों सहित सभी सहभागियों को संविधान में प्रदान किए गए अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति ने इस अवसर पर विशेष रूप से कहा कि भारत का संविधान नागरिकों को समानता के साथ जीवन जीने का अवसर प्रदान करता है और यह समाज में समरसता स्थापित करने व देश के विकास हेतु महत्त्वपूर्ण है। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. रबिंद्र कुमार व गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद के डॉ. चंद्रैया गोपानी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कुलपति ने अपने संबोधन की शुरूआत संविधान की उद्देशिका का उल्लेख करते हुए की। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 1949 का दिन समूचे राष्ट्र के लिए महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की पुरातन सभ्यता व संस्कृति और उसमें समाहित विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान एक ऐसा माध्यम है जो इन विविधताओं के बीच समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधकर रखे हुए है। कुलपति ने उद्देशिका का उल्लेख करते हुए इसके प्रचार-प्रसार हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर जारी प्रयासों से भी अवगत कराया। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार ने स्वागत भाषण व विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया।

पोषण से भरपूर है मिलेट आधारित खाद्य उत्पाद

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के अंतर्गत विभिन्न आयोजन जारी है। आयोजनों की इसी श्रृंखला के अंतर्गत गुरुवार विश्वविद्यालय परिसर में स्वयं सहायता समूह के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में मिलेट (मोटा अनाज) उत्पादों की बिक्री हेतु विशेष स्टॉल लगाया गया। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत आने वाले स्थानीय भोजावास गांव के जय बाबा जिंदा महिला स्वयं सहायता समूह के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों सहित सभी सहभागियों को मिलेट आधारित विभिन्न उत्पाद क्रय हेतु उपलब्ध कराए गए।

शिक्षा | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शोधार्थियों व विद्यार्थियों के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

आपसी सहयोग से ही गुणवत्तापूर्ण शोध व अनुसंधान संभव : प्रो. बिंदु

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता व जनसंचार विभाग में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान की निदेशिका प्रो. बिंदु शर्मा ने कहा कि आपसी सहयोग के बिना वर्तमान दौर में शोध व अनुसंधान संभव नहीं है। शोधार्थियों के लिए यह जरूरी है कि वे समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, राजनीति शास्त्र, कंप्यूटर विज्ञान सहित विभिन्न विषयों के विद्वानों के साथ मिलकर मीडिया से संबंधित गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य करें।

प्रो. बिंदु शर्मा ने शोध कार्य के अंतर्गत शोधार्थी व शोध निर्देशक दोनों के लिए संबंधित विषय से जुड़े साहित्य

व्याख्यान में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी विशेषज्ञ व शिक्षकों के साथ। स्रोत : विवि

अवलोकन को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने शोधार्थी एवं शोध निर्देशक के बीच संबंधो के बारे में बातचीत करते हुए कहा कि अच्छे शोध के लिए शोध निर्देशक एवं शोधार्थी के बीच अच्छे संबंध एवं सहयोगपूर्ण होने चाहिए। उन्होंने कहा देश व दुनिया में जितना तेज गति से मीडिया बदल रहा है उसी गति से मीडिया शोध के क्षेत्रों में नए नए बदलाव हो रहे हैं।

मीडिया के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को इन बदलावों को गंभीरता से लेना चाहिए व विषय व समाज की जरूरत के अनुसार शोध विषयों का चयन करना चाहिए। इस मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में विभाग शिक्षण एवं प्रशिक्षण के साथ साथ मीडिया शोध के क्षेत्र में अपना विशेष योगदान दे, इसलिए गुणात्मक शोध को बढ़ावा देने के लिए नित नए प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग के सहायक आचार्य डॉ. पंकज कुमार ने कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ. सुरेंद्र, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, आलेख नायक, डॉ. भारती बत्रा सहित सभी शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दस दिवसीय संकाय संवर्धन कार्यक्रम का समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के मानवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) के द्वारा आयोजित दस दिवसीय संकाय संवर्धन कार्यक्रम का समापन हो गया। अनुसंधान एवं विकास विषय पर केंद्रित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संबोधित किया। साथ ही आयोजन में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न 17 विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षण संस्थानों के 53 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में 16 सत्रों आयोजित किए गए, जिन्हें विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, जामिया मिलिया इस्लामिया के प्रो. कौशल किशोर, हकेंवि की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, शोध अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. संतोष सीएच, प्रो. पवन कुमार मौर्य, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रो. गोपाल के. ठाकुर आदि ने विचार रखे। संवाद

'आपसी सहयोग से ही गुणवत्तापूर्ण शोध एवं अनुसंधान संभव'

- शोधार्थियों के स्तर पर गंभीरता के साथ कार्य करने की जरूरत
- कहा, मीडिया शोध के क्षेत्र में अपना विशेष योगदान दें

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान की निदेशिका प्रो. बिंदु शर्मा ने कहा कि आपसी सहयोग के बिना वर्तमान दौर में शोध व अनुसंधान संभव नहीं है। शोधार्थियों के लिए यह जरूरी है कि वे समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, राजनीतिशास्त्र, कम्प्यूटर विज्ञान सहित विभिन्न विषयों के विद्वानों के साथ मिलकर मीडिया से संबंधित गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य करें।

शर्मा ने शोध कार्य के अंतर्गत शोधार्थी व शोध निर्देशक दोनों के लिए संबंधित विषय से जुड़े साहित्य अवलोकन को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आज मीडिया शोध के क्षेत्र में शोधार्थियों के स्तर पर गंभीरता के साथ कार्य करने की जरूरत है।

जिस तरह से प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है अगर शोधार्थी इसके लिए खुद को तैयार नहीं करेंगे तो मीडिया शोध एवं शिक्षण के क्षेत्र में पिछड़ जाएंगे। अपने उद्बोधन में उन्होंने शोधार्थी एवं शोध निर्देशक के बीच संबंधों के बारे में बातचीत करते हुए कहा कि अच्छे शोध के लिए शोध निर्देशक एवं शोधार्थी के बीच अच्छे एवं सहयोगपूर्ण संबंध होने चाहिए।

विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी विशेषज्ञ व शिक्षकों के साथ● जागरण

उन्होंने कहा कि देश व दुनिया में जितना तेज गति से मीडिया बदल रहा है, उसी गति से मीडिया शोध के क्षेत्रों में नए नए बदलाव हो रहे हैं। मीडिया के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को इन बदलावों को गंभीरता से लेना चाहिए व विषय व समाज की जरूरत के अनुसार शोध विषयों का चयन करना चाहिए।

इस मौके पर विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में विभाग शिक्षण एवं प्रशिक्षण के साथ-साथ मीडिया शोध के क्षेत्र में अपना विशेष योगदान दें इसलिए गुणात्मक शोध को बढ़ावा देने के लिए नित नए प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग में पीएचडी पाठयक्रम शुरू करने के साथ साथ समकालीन विषयों पर शोधार्थी शोधकार्य कर रहे हैं। विभाग के सहायक आचार्य डा. पंकज कुमार ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डा. सुरेंद्र, डा. नीरज कर्ण सिंह, आलेख नायक डा. भारती बत्रा सहित सभी शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उच्च शिक्षण संस्थानों के 53 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के मानवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) के द्वारा आयोजित दस दिवसीय संकाय संवर्धन कार्यक्रम का समापन हो गया। अनुसंधन एवं विकास विषय पर केंद्रित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संबोधित किया। साथ ही आयोजन में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न 17 विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षण संस्थानों के 53 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इतने दिनों तक चले इस कार्यक्रम में 16 सत्र आयोजित किए गए। जिन्हें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, जामिया मिलिया इस्लामिया के प्रो. कौशल किशोर, हकेंवि की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, शोध अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. संतोष सीएच, प्रो. पवन कुमार मौर्य, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रो. गोपाल के ठाकुर, आईसीएआर के प्रो. दिनेश कुमार, आईआईटी धनबाद के प्रो. श्रीनिवास राव, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. विशाल सूद, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के प्रो. अमित कौत्स ने संबोधित किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में स्वागत भाषण प्रो. सुरेंद्र सिंह ने दिया।

इसके पश्चात विस्तृत रिपोर्ट डा. अमित कुमार ने प्रस्तुत की। इसके पश्चात प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए। समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुमार, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने इस सफल आयोजन के लिए एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार, कार्यक्रम समन्वयक डा. पवन कुमार व डा. अमित कुमार सहित उनके सहयोगियों की सराहना की।

हकेवि में दस दिवसीय संकाय संवर्धन कार्यक्रम का हुआ समापन

महेंद्रगढ़, 1 दिसम्बर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय , महेंद्रगढ़ के मानवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के द्वारा आयोजित दस दिवसीय संकाय संवर्धन कार्यक्रम का समापन हो गया। अनुसंधन एवं विकास विषय पर केंद्रित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संबोधित किया। साथ ही आयोजन में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न 17 विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षण संस्थानों के 53 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दिनों तक चले इस कार्यक्रम में 16 सत्रों आयोजित किए गए। जिन्हें कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, जामिया मिलिया इस्लामिया के प्रो. कौशल किशोर, हकेवि की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, शोध अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. संतोष सीएच, प्रो. पवन कुमार मौर्य, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रो. गोपाल के. ठाकुर, आईसीएआर के प्रो. दिनेश कुमार, आईआईटी धनबाद के प्रो. श्रीनिवास राव, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. विशाल सूद, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के प्रो. अमित कौत्स ने संबोधित किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में स्वागत भाषण विश्वविद्यालय के प्रो. सुरेंद्र सिंह ने दिया। इसके पश्चात विस्तृत रिपोर्ट डॉ. अमित कुमार ने प्रस्तुत की। इसके पश्चात प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए।

नवोदय टाइम्स Sat, 02 December 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/74021

हर्ष, हिमांशी सूर्यांश व तेजस्वी बने विजेता

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता कराई गई। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि समाज में एड्स के प्रति जागरूकता फैलाना इसको रोकने में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में एमफार्म के हर्ष गोस्वामी ने प्रथम, इंटीग्रेटेड बीए बीएड की हिमांशी ने द्वितीय व सूर्यांश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि रसायन विज्ञान विभाग के तेजस्वी व इंटीग्रेटेड बीए.बीएड की रंजना को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। संवाद

संचार का विकास सर्वोपरि : प्रो. टंकेश्वर

देश में बिजली चलित वाहनों के भविष्य पर प्रतिभागियों ने किया मंथन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में समूह चर्चा में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी एवं विशेषज्ञ। स्रोत : विवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से शनिवार को विद्यार्थियों के लिए समूह चर्चा का आयोजन किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के व्यावसायिक विकास को आकार देने में ऐसी समूह चर्चाओं के आयोजन को महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने आज के समय में विद्यार्थियों के कौशल विकास हेतु इस तरह के आयोजन उन्हें विचारशील व संवादशील बनाने में मददगार साबित होते हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का मत है कि संचार और विश्लेषणात्मक कौशल का विकास हमारे विद्यार्थियों की सफलता के लिए सर्वोपरि है।

समूह चर्चा उन्हें इन्हीं कौशल को निखारने और अपने दृष्टिकोण को व्यक्त करने में आत्मविश्वास हासिल करने के लिए एक मंच प्रदान करती है।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग में सहायक आचार्य डॉ. स्नेहसता विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहीं। समूह चर्चा के पहले चरण में विशेषज्ञ ने सेलिब्रिटी वरशिप तथा दूसरे चरण में भारत में इलेक्ट्रिकल वाहनों के भविष्य पर प्रकाश डाला।

दोनों चर्चाओं के माध्यम से प्रतिभागी विद्यार्थियों को विविध राय व्यक्त करने, बौद्धिक आदान-प्रदान और आलोचनात्मक सोच की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान किया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने वर्तमान सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में सत्र के विषयों की व्यावहारिक प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

विश्व एड्स दिवस पर हकेवि में पोस्टर मेकिंग स्पर्धा में हर्ष प्रथम

महेंद्रगढ | हकेवि, महेंद्रगढ़ में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता करवाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि समाज में एड्स के प्रति जागरूकता फैलाना इसको रोकने में महत्त्वपूर्ण कदम है। विश्वविद्यालय में सभी प्रतिभागियों ने एड्स रोकने में मदद करने हेतु शपथ ली।

विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत यादव ने प्रतिभागियों को एड्स के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि एड्स के संक्रमण को रोकने के लिए हम सभी को सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार व यूथ रेडक्रॉस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल भी उपस्थित रहे। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में एम. फार्मा. के हर्ष गोस्वामी ने प्रथम, इंटीग्रेटेड बीए-बीएड. की हिमांशी ने द्वितीय तथा सूर्यांश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रसायन विज्ञान विभाग के तेजस्वी व इंटीग्रेटेड बीए-बीएड. की रंजना को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

विश्व एड्स दिवस पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में लिया भाग

प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थी शिक्षकों के साथ ● जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि समाज में एड्स के प्रति जागरूकता फैलाना व इसको रोकने में महत्त्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने एड्स रोकने में मदद करने के लिए शपथ ली। विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डा. रजत यादव ने प्रतिभागियों को एड्स के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि एड्स के संक्रमण को रोकन के लिए हम सभी को सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के समन्वयक डा. प्रदीप कुमार व यूथ रेड क्रास इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल भी उपस्थित रहे। चहल ने अपने संबोधन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विश्व एड्स दिवस की थीम समुदायों का नेतृत्व करने पर रखी गई है।

जिसका तात्पर्य है कि हम सब एक साथ मिलकर इस घातक बीमारी को रोक सकते हैं। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में एमफार्म के हर्ष गोस्वामी ने प्रथम, इंटीग्रेटेड बीए बीएड की हिमांशी ने द्वितीय तथा सूर्यांश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में रसायन विज्ञान विभाग के तेजस्वी व इंटीग्रेटेड बीए बीएड की रंजना को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में रोवर एवं रेंजर, यूथ रेड क्रास तथा एनएसएस स्वयंसेवकों सहित विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

हकेंवि में समूह चर्चा का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़। गांव पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों के लिए समूह चर्चा का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के व्यावसायिक विकास को आकार देने में ऐसी समूह चर्चाओं के आयोजन को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने आज के समय में विद्यार्थियों के कौशल विकास हेतु इस तरह के आयोजन उन्हें विचारशील व संवादशील बनाने में मददगार साबित होते हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का मत है कि संचार और विश्लेषणात्मक कौशल का विकास हमारे विद्यार्थियों की सफलता के लिए सवार्ेपरि है। समूह चर्चा उन्हें इन्हीं कौशलों को निखारने और अपने दृष्टिकोण को व्यक्त करने में आत्मविश्वास हासिल करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग में सहायक आचार्य डॉ. स्नेहसता विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रही। समूह चर्चा के पहले चरण में विशेषज्ञ ने सेलिब्रिटी वरशिप तथा दूसरे चरण में भारत में इलेक्ट्रिकल वाहनों के भविष्य पर प्रकाश डाला। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने वर्तमान सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में सत्र के विषयों की व्यावहारिक प्रासंगिकता को रेखांकित किया। उन्होंने समूह चर्चा के आयोजन में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उप निदेशक डॉ. सूरज आर्य के प्रयासों की सराहना की।

हकेवि में मनाया गया विश्व एड्स दिवस

महेंद्रगढ़, महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि समाज में एड्स के प्रति जागरूकता फैलाना इसको रोकने में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने एड्स रोकने में मदद करने हेतु शपथ ली।

विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत यादव ने प्रतिभागियों को एड्स के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि एड्स के संक्रमण को रोकने के लिए हम सभी को सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

अनुशासित होकर करें यूपीएससी तैयारी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की ओर से सोमवार को विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रशासनिक सेवाओं में समाजशास्त्र विषय की भूमिका विषयक व्याख्यान में एमडीयू रोहतक में समाजशास्त्र विभाग के प्रो. खजान सिंह सांगवान ने कहा कि वर्तमान में समाजशास्त्र विषय भारत में एक उभरता विषय है, जो केवल सिविल सेवा परीक्षाओं में ही नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण, श्रम कल्याण, बाल और महिला विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण और पंचायती विकास आदि विभागों में शामिल है।

सिविल सेवा परीक्षा के संदर्भ में प्रो. सांगवान ने कहा कि समाजशास्त्र सिर्फ एक वैकल्पिक विषय के तौर पर ही प्रसिद्ध नहीं हो रहा है अपितु सामान्य अध्ययन एवं नैतिकता संबंधी परीक्षाओं की विषय वस्तु में भी समाजशास्त्र विषय अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो रहा है। प्रो. संगवान ने इन परीक्षाओं में उत्तर लेखन कौशल के महत्त्व पर चर्चा की। कहा कि अभ्यर्थी को यह समझना चाहिए कि यूपीएससी एक अभ्यर्थी के अंदर कौन सी क्षमताओं को खोजती है। उन्होंने प्रतिभागियों को अनुशासन में बने रहकर यूपीएससी तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान के बाद सवाल-जवाब सत्र के दौरान विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों के सवालों का जवाब दिया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युधवीर जैलदार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ. टी लोंग्कोई, डॉ. रीमा गिल, प्रज्ञा, कश्मीरा, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

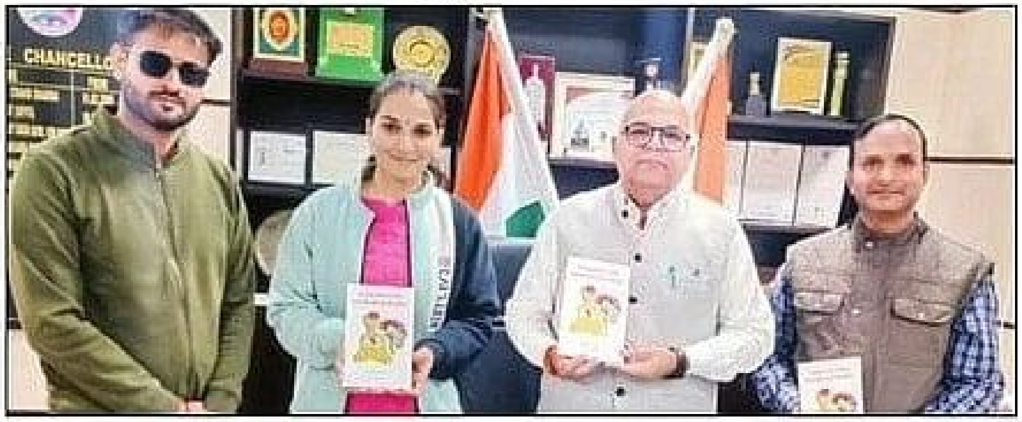

अनुज कुमारी की पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : विवि

योग को वैज्ञानिक तरीके से पुनर्स्थापित करने की जरूरत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) में योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल के निर्देशन में अनुसंधान कर रहीं योग विभाग की शोधार्थी अनुज कुमारी ने वैज्ञानिक अनुसंधानों पर आधारित पुस्तक रेस्पिरेशन विथ कुंभक एंड बंध प्रकाशित की है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुज कुमारी की पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने यौगिक अभ्यास की गहराई को जानने के लिए योग को वैज्ञानिक तरीके से पुनर्स्थापित और प्रमाणित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने विभाग की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की और ऐसे ही लगातार उन्नति करने की प्रेरणा और शुभकामना दी। सहायक आचार्य डॉ. नवीन ने भी विद्यार्थियों को नित नए आयाम तक पहुंचाने की प्रेरणा दी। यह पुस्तक शास्त्रीय ग्रंथों में वर्णित कुंभक और बंध के साथ श्वसन के विज्ञान का संपूर्ण विवरण प्रदान करती है। न केवल मानव श्वसन प्रणाली बल्कि अन्य सभी अंगों के शरीर विज्ञान का वैज्ञानिक ढांचा, जो बंध और कुंभक के यौगिक शरीर विज्ञान को समझने के लिए प्रासंगिक है। पुस्तक में मस्तिष्क, शरीर के अन्य हिस्सों को कैसे दुरुस्त करने तथा उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने को भी विस्तार से समझाया गया है। योग विभाग शिक्षण और प्रशिक्षण से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजना करवाता रहता है। संवाद

हकेंवि में पराली से बायो एथेनॉल बनाना सीखेंगे विद्यार्थी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को पराली प्रबंधन पर शोध के लिए मिला 1.41 करोड़ का अनुदान

मनोज राजपूत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पर्यावरण अध्ययन विभाग में अब विद्यार्थी पराली से बायो एथेनॉल बनाना सीख सकेंगे। हकेंवि को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग केंद्र की ओर से 1.41 करोड़ का अनुदान जारी किया गया है।

विश्वविद्यालयों और उच्च शैक्षणिक संस्थानों में विज्ञान एवं तकनीक के बुनियादी ढांचे के सुधार के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय केंद्र सरकार (डीएसटी-एफआईएसटी) के तहत अनुदान मिला है। इसके माध्यम से अनुसंधान परियोजना के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी अवसंरचना (डीएसटी-एफआईएसटी) में सुधार पर शोध किया जाएगा। 2024 से यह शोध कार्य शुरू हो जाएगा।

टीम के साथ शौध करती डॉ. मोना शर्मा। संवाद

पांच वर्ष चलेगा शोध, 50 से अधिक शोधार्थी

शोध के लिए हकेंवि की तीन लैब में इस राशि से अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद की जाएगी। इसके माध्यम से पराली प्रबंधन पर अनुसंधान को मदद मिलेगी। पर्यावरण अध्ययन विभाग के सात शिक्षक व करीब 50 विद्यार्थी व शोधार्थी आगामी पांच सालों तक शोध करेंगे। पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने बताया कि इस अनुदान से अत्याधुनिक लैब स्थापित करेंगे। जीसीएमएस, एचपीएलसी, एलिमेंटल एनालाइजर, कैमरे के साथ माइक्रोस्कोप, माइक्रोवेव डाइजेस्टर और जल शोधन प्रणाली अनुसंधान औद्योगिक पर्यावरण के क्षेत्र में अनुसंधान कर रहे छात्र और संकाय सदस्य अनुप्रयोगों और उन्हें अपनी उन्नत अनुसंधान सुविधाओं के लिए वैज्ञानिक संस्थानों की ओर देखना पड़ता था। विभाग की ओर से इसके लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया था और स्क्रीनिंग के बाद पहले एक प्रेजेंटेशन दिया था। इस स्वीकृत बजट को प्राप्त करने के लिए गीतम विश्वविद्यालय विशाखापत्तनम में विशेषज्ञ समिति के समक्ष हकेंवि ने प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। यह मौद्रिक सहायता पहले से ही प्रगतिशील को बढ़ावा देने वाली है विभाग और विश्वविद्यालय में अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र के संकाय सदस्य और अनुसंधान कर सकेंगे।

ऐसे किया जाएगा शोध

विभाग अध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने बताया कि पराली व अन्य कचरा को एंजाइम्स के माध्यम से बॉयो एथेनॉल में इन उपकरणों की सहायता से परिवर्तित किया जाएगा। इस प्रक्रिया के दौरान निम्न मात्रा में बॉयोचार नामक अपशिष्ट पदार्थ प्राप्त होगा, जिसे हम खेतों में खाद के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यह प्रक्रिया जहां पराली प्रबंधन को मजबूती देगी साथ ही किसानों के लिए भी अति फायदेमंद साबित होगी। साथ ही ईंधन (फ्यूल) में वर्ष 2025 तक एथेनॉल के मिश्रण की योजना है। इससे इसकी गुणवत्ता में सुधार, प्रदूषण का स्तर कम करने सहित मानव स्वास्थ्य के लिए अनेक लाभकारी परिणाम मिलेंगे। वहीं साथ ही इसके माध्यम से किसानों को पराली से आर्थिक लाभ भी होगा।

समाजशास्त्र की बढ़ती प्रमुखता को पहचानने के लिए किया प्रेरित

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ के समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रशासनिक सेवाओं में समाजशास्त्र विषय की भूमिका पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में समाजशास्त्र विभाग के प्रो. खजान सिंह सांगवान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

प्रो. खजान सिंह सांगवान ने अपने व्याख्यान में सिविल सेवा परीक्षाओं में समाजशास्त्र विषय के बढ़ते महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान में समाजशास्त्र विषय भारत में एक उभरता विषय है, जो केवल सिविल सेवा परीक्षाओं में ही नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण, श्रम कल्याण, बाल और महिला विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण और पंचायती विकास आदि कई सरकारी विभागों में शामिल है। सिविल सेवा परीक्षाओं के संदर्भ के महत्त्व पर चर्चा की और कहा कि अभ्यर्थी को यह समझना चाहिए कि यूपीएससी एक अभ्यर्थी के अंदर कौन सी क्षमताओं को खोजती है। उन्होंने प्रतिभागियों को अनुशासन में बने रहकर यूपीएससी तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान के बाद सवाल-जवाब सत्र के दौरान विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों के सवालों का जवाब दिया। इस कार्यक्रम ने ज्ञान के समृद्ध आदान-प्रदान के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया, जिसने सभी उपस्थित लोगों को देश के प्रशासनिक परिदृश्य को आकार देने में समाजशास्त्र की बढ़ती प्रमुखता को पहचानने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, इसने एक समृद्ध शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने, अंत:विषय शिक्षा को प्रोत्साहित करने और सामाजिक महत्व के विषयों पर व्यावहारिक चर्चा की सुविधा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

पाठक की खुशी लेखक की कामयाबी: प्रो. काहलों

चंडीगढ़ में डॉ. चेतना वैष्णवी की चार पुस्तकों का विमोचन

चेतना संवाददाता। चंडीगढ़। अमरनाथ।

पंजाब विश्वविद्यालय, चडीगढ़ में डीन स्टूडेंटस् वेलफेयर प्रो. सिमरत काहलों का मानना है कि किताब पढ़ने के बाद पढ़ने वाले को खुशनुमा अहसास हो तो यह रचनाकार की कामयाबी है। यदि किताब हमारे दिल को छूती है तो पाठक इसे कई दफा पढ़ना चाहता है।

सेक्टर 27 स्थित चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित पुस्तक विमोचन समारोह में डॉ. चेतना वैष्णवी की चार पुस्तकों के पाठकार्पण की अध्यक्षता करते हुए यह बात प्रो. सिमरत काहलों ने कही।

इस अवसर पर माखनलाल पत्रकारिता यूनीवर्सिट, भोपाल के पूर्व कुलपति .बी.के. कुठियाला ने लेखिका की रचनाओं में जीवन के गहरे अनुभवों व विषय की सामयिकता का उल्लेख किया।

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेंट्रल यूनीवर्सिटी हरियाणा के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. चेतना वैष्णवी की पुस्तकों के बारे में व्यापक चर्चा करते हुए कहा कि संक्रमणकालीन समय में हास्यबोध, सरल, सहज रचनाओं की प्रभावशीलता बढ़ जाती है। उन्होंने डॉ वैष्णवी के सृजनकर्म के विभिन्न पहलुओं का विशद् विवेचन किया और उनके लेखन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की चर्चा की। इस मौके पर डॉ. वैष्णवी की चार पुस्तकों लॉफ अवे युअर ब्ल्यूस, 'क्लाइडोस्कोप', 'द ऑकल्ट थंडरस्ट्रोम एंड अदर स्टोरीस' और 'वट ए जोक' का विमोचन किया गया।

वहीं दूसरी ओर पुस्तक विमोचन समारोह में पूर्व एडीजीपी हरियाणा व साहित्यकार राजबीर देसवाल ने डॉ. वैष्णवी के सृजन से जुड़े मानवीय सरोकारों पर चर्चा करते हुए समारोह में पुस्तकों के कथानक व लेखन शैली की

चर्चा की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हास्य का पुट लिये रचनाएं तपिश में बारिश की बूंदों की फुहार की तरह हैं।

डॉ. चेतना ने कार्यक्रम में रचनात्मक सहयोगियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। आयोजन के संयोजक विजय वैष्णवी ने बताया कि इससे पूर्व लेखिका की बारह पुस्तकें साहित्य की विभिन्न विधाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।अंत में चंडीगढ़ जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरनाथ बासिष्ठ ने मुख्य मेहमानों को स्मृति चिन्ह भेंट किए।

योग को वैज्ञानिक तरीके से पुनर्स्थापित और प्रमाणित करने की आवश्यकता: प्रो. टंकेश्वर

चेतना संवाददाता।

महेन्द्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल के निर्देशन में अनुसंधान कर रहीं योग विभाग की शोधार्थी अनुज कुमारी ने वैज्ञानिक अनुसंधानों पर आधारित पुस्तक 'रेस्पिरेशन विथ कुम्भक एंड बन्ध' प्रकाशित की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुज कुमारी की पुस्तक का विमोचन कर उन्हें इस प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने योगिक अभ्यास की गहराई को जानने के लिए योग को वैज्ञानिक तरीके से पुनर्स्थापित और प्रमाणित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने विभाग की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की और ऐसे ही लगातार उन्नति करने की प्रेरणा और शुभकामना दी। इस अवसर पर योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ नवीन भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी विद्यार्थियों को नित नए आयाम तक पहुंचाने की प्रेरणा दी।यह पुस्तक शास्त्रीय ग्रंथों में वर्णित कुंभक और बंध के साथ श्वसन के विज्ञान का संपूर्ण विवरण प्रदान करती है। न केवल मानव श्वसन प्रणाली बल्कि अन्य सभी अंगों के शरीर विज्ञान का वैज्ञानिक ढांचा, जो बंध और कुंभक के योगिक शरीर विज्ञान को समझने के लिए प्रासंगिक है। पुस्तक में मस्तिष्क, शरीर के अन्य हिस्सों को कैसे दुरुस्त करने तथा उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने को भी विस्तार से समझाया गया है। यहां बता दें कि हकेवि का योग विभाग शिक्षण और प्रशिक्षण से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजना करवाता रहता है। योग विभाग के शोधार्थियों ने अपने विषयों में कई पेटेंट प्राप्त किए हैं और अनेक अनुसंधान पत्र भी प्रकाशित किये हैं। इसके साथ-साथ शोधार्थियों ने पुस्तकों के लेखन में भी आगे आ रहे हैं।

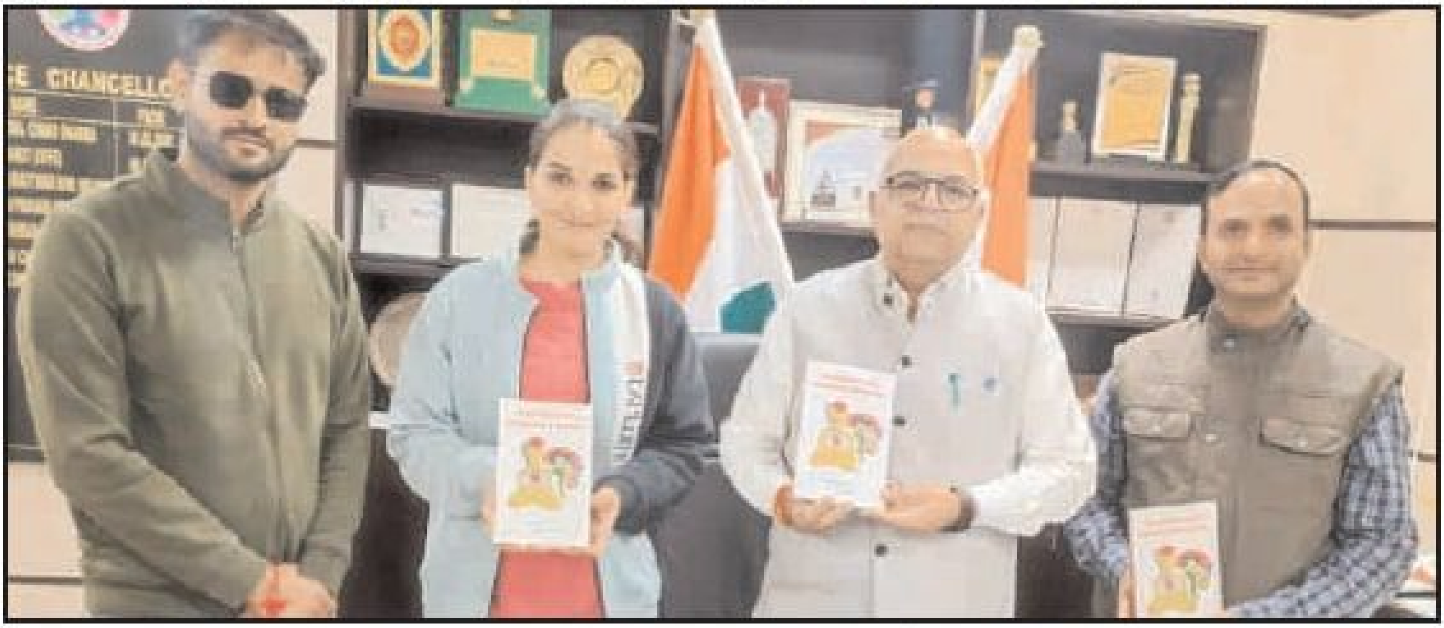

प्रशासनिक सेवा में समाजशास्त्र की भूमिका अहम

- हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) में हुआ विशेषज्ञ व्याख्यान
- विशेषज्ञ वक्ता के तौर प्रो. खजान सिंह सांगवान ने किया उद्बोधन

हकेवि में व्याख्यान देते प्रो . सांगवान • जागरण

जागरण सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) के समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रशासनिक सेवाओं में समाजशास्त्र विषय की भूमिका पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में समाजशास्त्र विभाग के प्रो. खजान सिंह सांगवान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

प्रो. सांगवान ने अपने व्याख्यान में सिविल सेवा परीक्षाओं में समाजशास्त्र विषय के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान में समाजशास्त्र विषय भारत में एक उभरता विषय है, जो केवल सिविल सेवा परीक्षाओं में ही नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण, श्रम कल्याण, बाल और महिला विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण और पंचायती विकास आदि कई सरकारी विभागों में शामिल है। सिविल सेवा परीक्षाओं के संदर्भ में प्रो. सांगवान ने कहा कि समाजशास्त्र सिर्फ एक वैकल्पिक विषय के तौर पर ही प्रसिद्ध नहीं हो रहा है, अपितु सामान्य अध्ययन एवं नैतिकता संबंधी परीक्षाओं की विषय वस्तु में भी समाजशास्त्र विषय अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो रहा है। प्रो. संगवान ने इन परीक्षाओं में उत्तर लेखन कौशल के महत्त्व पर चर्चा की और कहा कि अभ्यर्थी को यह समझना चाहिए कि यूपीएससी एक अभ्यर्थी के अंदर कौन सी क्षमताओं को खोजती है।

उन्होंने प्रतिभागियों को अनुशासन में बने रहकर यूपीएससी की तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान के बाद सवाल-जवाब सत्र के दौरान विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों के सवालों का जवाब दिया। इस कार्यक्रम ने ज्ञान के समृद्ध आदान-प्रदान के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया, जिसने सभी उपस्थित लोगों को देश के प्रशासनिक परिदृश्य को आकार देने में समाजशास्त्र की बढ़ती प्रमुखता को पहचानने के लिए प्रेरित किया। साथ ही इसने एक समृद्ध शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने, अंतः विषय शिक्षा को प्रोत्साहित करने और सामाजिक महत्व के विषयों पर व्यावहारिक चर्चा की सुविधा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। अंत में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डा. युद्धवीर जैलदार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डा. टी लोंग्कोई, डा. रीमा गिल, प्रज्ञा व कश्मीरा सहित विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी उपस्थित थे।

योग को पुनर्स्थापित करने की जरूरत

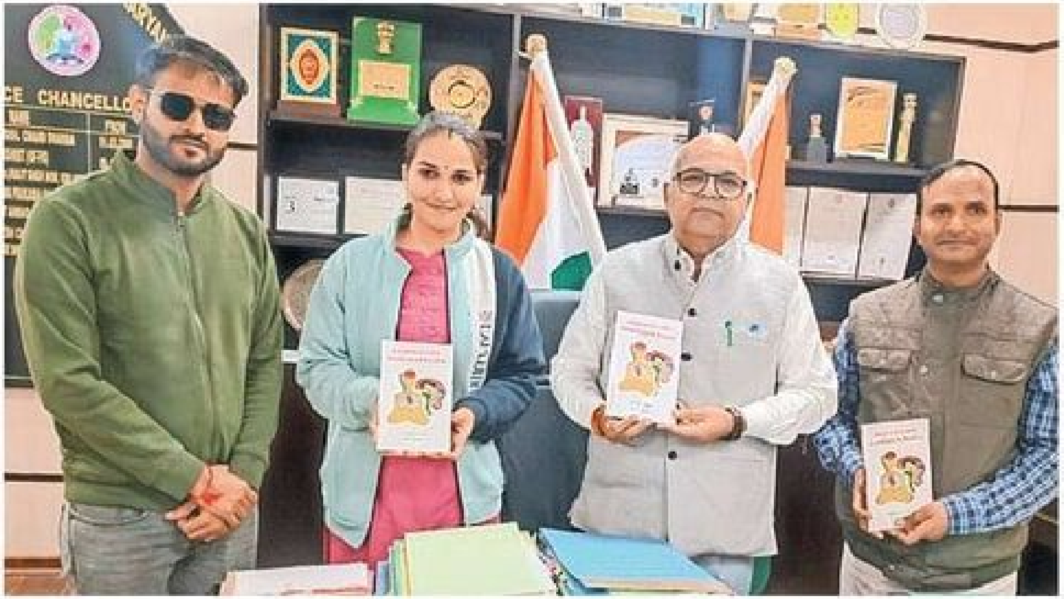

अनुज कुमारी की पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) में योग विभाग के सहायक आचार्य डा. अजय पाल के निर्देशन में अनुसंधान कर रहीं योग विभाग की शोधार्थी अनुज कुमारी ने वैज्ञानिक अनुसंधानों पर आधारित पुस्तक 'रेस्पिरेशन विद कुंभक एंड बन्ध' प्रकाशित की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुज कुमारी की पुस्तक का विमोचन कर उन्हें इस प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने योगिक अभ्यास की गहराई को जानने के लिए योग को वैज्ञानिक तरीके से पुनर्स्थापित और प्रमाणित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने विभाग की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की और ऐसे ही लगातार उन्नति करने की प्रेरणा और शुभकामना दी। इस अवसर पर योग विभाग के सहायक आचार्य डा. नवीन भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी विद्यार्थियों को नित नए आयाम तक पहुंचाने की प्रेरणा दी। यह पुस्तक शास्त्रीय ग्रंथों में वर्णित कुंभक और बंध के साथ श्वसन के विज्ञान का संपूर्ण विवरण प्रदान करती है। न केवल मानव श्वसन प्रणाली बल्कि अन्य सभी अंगों के शरीर विज्ञान का वैज्ञानिक ढांचा, जो बंध और कुंभक के योगिक शरीर विज्ञान को समझने के लिए प्रासंगिक है। पुस्तक में मस्तिष्क, शरीर के अन्य हिस्सों को कैसे दुरुस्त करने तथा उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने को भी विस्तार से समझाया गया है। यहां बता दें कि हकेवि का योग विभाग शिक्षण और प्रशिक्षण से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजना करवाता रहता है। योग विभाग के शोधार्थियों ने अपने विषयों में कई पेटेंट प्राप्त किए हैं और अनेक अनुसंधान पत्र भी प्रकाशित किए हैं। इसके साथ-साथ शोधार्थियों ने पुस्तकों के लेखन में भी आगे आ रहे हैं।

योग को वैज्ञानिक तरीके से पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता -प्रो. टंकेश्वर कुमार

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल के निर्देशन में अनुसंधान कर रहीं योग विभाग की शोधार्थी अनुज कुमारी ने वैज्ञानिक अनुसंधानों पर आधारित पुस्तक 'रेस्पिरेशन विथ कुम्भक एंड बन्ध' प्रकाशित की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुज कुमारी की पुस्तक का विमोचन कर उन्हें इस प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने योगिक अभ्यास की गहराई को जानने के लिए योग को वैज्ञानिक तरीके से पुनर्स्थापित और प्रमाणित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने विभाग की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की और ऐसे ही लगातार उन्नति करने की प्रेरणा और शुभकामना दी। इस अवसर पर योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ नवीन भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी विद्यार्थियों को नित नए आयाम तक पहुंचाने की प्रेरणा दी। यह पुस्तक शास्त्रीय ग्रंथों में वर्णित कुंभक और बंध के साथ श्वसन के विज्ञान का संपूर्ण विवरण प्रदान करती है। न केवल मानव श्वसन प्रणाली बल्कि अन्य सभी अंगों के शरीर विज्ञान का वैज्ञानिक ढांचा, जो बंध और कुंभक के योगिक शरीर विज्ञान को समझने के लिए प्रासंगिक है। पुस्तक में मस्तिष्क, शरीर के अन्य हिस्सों को कैसे दुरुस्त करने तथा उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने को भी विस्तार से समझाया गया है। यहां बता दें कि हकेवि का योग विभाग शिक्षण और प्रशिक्षण से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजना करवाता रहता है। योग विभाग के शोधार्थियों ने अपने विषयों में कई पेटेंट प्राप्त किए हैं और अनेक अनुसंधान पत्र भी प्रकाशित किये हैं। इसके साथ-साथ शोधार्थियों ने पुस्तकों के लेखन में भी आगे आ रहे हैं।

'योग को वैज्ञानिक तरीके से पुनर्स्थापित करने की ज़रूरत'

हकेवि, महेंद्रगढ़ मे योग विभाग की शोधार्थी अनुज कुमारी की पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। -निस

नारनौल (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय , महेंद्रगढ़ में योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल के निर्देशन में अनुसंधान कर रहीं योग विभाग की शोधार्थी अनुज कुमारी ने वैज्ञानिक अनुसंधानों पर आधारित पुस्तक 'रेस्पिरेशन विथ कुम्भक एंड बन्ध' प्रकाशित की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुज कुमारी की पुस्तक का विमोचन कर उन्हें इस प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यौगिक अभ्यास की गहराई को जानने के लिए योग को वैज्ञानिक तरीके से पुनर्स्थापित और प्रमाणित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान, योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे।

दैनिक ट्रिब्यून
Tue, 05 December 2023
https://epaper.dainiktribu

महेंद्रगढ़। हकेंवि में व्याख्यान देते प्रो. खजान सिंह सांगवान। फोटो : हरिभूमि

हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

■ सेवा परीक्षाओं में समाज शास्त्र के महत्व पर डाला प्रकाश

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रशासनिक सेवाओं में समाजशास्त्र विषय की भूमिका पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में समाजशास्त्र विभाग के प्रो. खजान सिंह सांगवान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. खजान सिंह सांगवान ने अपने व्याख्यान में सिविल सेवा परीक्षाओं में समाजशास्त्र विषय के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान में समाजशास्त्र विषय भारत में एक उभरता विषय है, जो केवल सिविल सेवा परीक्षाओं में ही नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण, श्रम कल्याण, बाल और महिला विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण और पंचायती विकास आदि कई सरकारी विभागों में शामिल है। सिविल सेवा परीक्षाओं के संदर्भ में प्रो. सांगवान ने कहा कि समाजशास्त्र सिर्फ एक वैकल्पिक विषय के तौर पर ही प्रसिद्ध नहीं हो रहा है अपितु सामान्य अध्ययन एवं नैतिकता संबंधी परीक्षाओं की विषय वस्तु में भी समाजशास्त्र विषय अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो रहा है। प्रो. सांगवान ने इन परीक्षाओं में उत्तर लेखन कौशल के महत्व पर चर्चा की और कहा कि अभ्यर्थी को यह समझना चाहिए कि यूपीएससी एक अभ्यर्थी के अंदर कौन सी क्षमताओं को खोजती है। उन्होंने प्रतिभागियों को अनुशासन में बने रहकर यूपीएससी तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान के बाद सवाल-जवाब सत्र के दौरान विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों के सवालों का जवाब दिया। ज्ञान के समृद्ध आदान-प्रदान के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया, जिसने सभी उपस्थित लोगों को देश के प्रशासनिक परिदृश्य को आकार देने में समाजशास्त्र की बढ़ती प्रमुखता को पहचानने को प्रेरित किया।

हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हकेवि में व्याख्यान देते प्रो. खजान सिंह सांगवान।

महेंद्रगढ़, 4 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रशासनिक सेवाओं में समाजशास्त्र विषय की भूमिका पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में समाजशास्त्र विभाग के प्रो. खजान सिंह सांगवान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

प्रो. खजान सिंह सांगवान ने अपने व्याख्यान में सिविल सेवा परीक्षाओं में समाजशास्त्र विषय के बढ़ते महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान मे समाजशास्त्र विषय भारत में एक उभरता विषय है, जो केवल सिविल सेवा परीक्षाओं में ही नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण, श्रम कल्याण, बाल और महिला विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण और पंचायती विकास आदि कई सरकारी विभागों में शामिल है। सिविल सेवा परीक्षाओं के संदर्भ में प्रो. सांगवान ने कहा कि समाजशास्त्र सिर्फ एक वैकल्पिक विषय के तौर पर ही प्रसिद्ध नहीं हो रहा है अपितु सामान्य अध्ययन एवं नैतिकता संबंधी परीक्षाओं की विषय वस्तु में भी समाजशास्त्र विषय अत्यंत महत्त्वपूर्ण सिद्ध हो रहा है। प्रो. संगवान ने इन परीक्षाओं में उत्तर लेखन कौशल के महत्त्व पर चर्चा की और कहा कि अभ्यर्थी को यह समझना चाहिए कि यूपीएससी एक अभ्यर्थी के अंदर कौन सी क्षमताओं को खोजती है। उन्होंने प्रतिभागियों को अनुशासन में बने रहकर यूपीएससी तैयारी करने के लिए प्रेरित किया।

व्याख्यान के बाद सवाल-जवाब सत्र के दौरान विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों के सवालों का जवाब दिया।

‘योग को वैज्ञानिक तरीके से प्रमाणित करने की जरूरत’

महेंद्रगढ़, 4 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल के निर्देशन में अनुसंधान कर रहीं योग विभाग की शोधार्थी अनुज कुमारी ने वैज्ञानिक अनुसंधानों पर आधारित पुस्तक 'रेस्पिरेशन विथ कुम्भक एंड बन्ध' प्रकाशित की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अनुज कुमारी की पुस्तक का विमोचन कर उन्हें इस प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने योगिक अभ्यास की गहराई को जानने के लिए योग को वैज्ञानिक तरीके से पुनर्स्थापित और प्रमाणित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने विभाग की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की और ऐसे ही लगातार उन्नति करने की प्रेरणा और शुभकामना दी। इस अवसर पर योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ नवीन भी उपस्थित रहे और उन्होंने भी विद्यार्थियों को नित नए आयाम तक पहुंचाने की प्रेरणा दी।यह पुस्तक शास्त्रीय ग्रंथों में वर्णित कुंभक और बंध के साथ श्वसन के विज्ञान का संपूर्ण विवरण प्रदान करती है।

अनुज कुमारी की पुस्तक का विमोचन करते कुलपति ।

न केवल मानव श्वसन प्रणाली बल्कि अन्य सभी अंगों के शरीर विज्ञान का वैज्ञानिक ढांचा, जो बंध और कुंभक के योगिक शरीर विज्ञान को समझने के लिए प्रासंगिक है। पुस्तक में मस्तिष्क, शरीर के अन्य हिस्सों को कैसे दुरुस्त करने तथा उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने को भी विस्तार से समझाया गया है। यहां बता दें कि हकेवि का योग विभाग शिक्षण और प्रशिक्षण से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजना करवाता रहता है। योग विभाग के शोधार्थियों ने अपने विषयों में कई पेटेंट प्राप्त किए हैं और अनेक अनुसंधान पत्र भी प्रकाशित किये हैं। इसके साथ-साथ शोधार्थियों ने पुस्तकों के लेखन में भी आगे आ रहे हैं।

नवोदय टाइम्स Tue, 05 December 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/74041167

हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़, महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रशासनिक सेवाओं में समाजशास्त्र विषय की भूमिका पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में समाजशास्त्र विभाग के प्रो. खजान सिंह सांगवान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. खजान सिंह सांगवान ने अपने व्याख्यान में सिविल सेवा परीक्षाओं में समाजशास्त्र विषय के ब?ते महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान मे समाजशास्त्र विषय भारत में एक उभरता विषय है, जो केवल सिविल सेवा परीक्षाओं में ही नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण, श्रम कल्याण, बाल और महिला विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण और पंचायती विकास आदि कई सरकारी विभागों में शामिल हैं। सिविल सेवा परीक्षाओं के संदर्भ में

हकेवि में व्याख्यान देते प्रो. खजान सिंह सांगवान। (छाया: पंजाब केसरी)

प्रो. सांगवान ने कहा कि समाजशास्त्र सिर्फ एक वैकल्पिक विषय के तौर पर ही प्रसिद्ध नहीं हो रहा है अपितु सामान्य अध्ययन एवं नैतिकता संबंधी परीक्षाओं की विषय वस्तु में भी समाजशास्त्र विषय अत्यंत महत्त्वपूर्ण सिद्ध हो रहा है। प्रो. संगवान ने इन परीक्षाओं में उत्तर लेखन कौशल के महत्व पर चर्चा की और कहा कि अभ्यर्थी को यह समझना चाहिए कि यूपीएससी एक अभ्यर्थी के अंदर कौन सी क्षमताओं को खोजती है। उन्होंने प्रतिभागियों को अनुशासन में बने रहकर यूपीएससी तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान के बाद सवाल-जवाब सत्र के दौरान विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों के सवालों का जवाब दिया। कार्यक्रम ने ज्ञान के समृद्ध आदान-प्रदान के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया, जिसने सभी उपस्थित लोगों को देश के प्रशासनिक परिदृश्य को आकार देने में समाजशास्त्र की बढ़ती प्रमुखता को पहचानने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों ने सीखीं मॉक इंटरव्यू की बारीकियां

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए मॉक इंटरव्यू एवं एप्टीट्यूड टेस्ट का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के रोजगार कौशल को बढ़ाना और आगामी कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के लिए प्रशिक्षित करना था। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी बाजार के लिए तैयार करने में ऐसी पहल के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाती हैं और सफल प्लेसमेंट के लिए आवश्यक कौशल को परिष्कृत करती हैं। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम की विशेषज्ञ अंग्रेजी एवं विदेशी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. स्नेहसता ने विद्यार्थियों को मूल्यवान दृष्टिकोण और मार्गदर्शन प्रदान करते हुए मॉक इंटरव्यू गतिविधि में विद्यार्थियों को विभिन्न बारीकियों से अवगत कराया। संवाद

करोड़पति बने मयंक को डीसी ने किया सम्मानित

डीसी ने पूछा आपको कद क्यों छोटा लगता है, तो मयंक बोला अब हो गया कद ऊंचा, मुख्यमंत्री ने भी फोन करके दी थी बधाई

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। अमिताभ बच्चन के रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति-15 में करोड़पति बनकर इतिहास रचने वाले जिला महेंद्रगढ़ के गांव पाली के छात्र मयंक का डीसी मोनिका गुप्ता ने टैब और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया। वहीं उसके माता-पिता को शाल व लोई ओढ़ाकर सम्मानित किया।

जिले के गांव पाली के छात्र मयंक आठवीं कक्षा के छात्र हैं। मयंक के प्रदर्शन से शो के होस्ट अमिताभ बच्चन काफी खुश और प्रभावित हुए। प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी उनके पिता से मोबाइल पर बात की व उन्हें मुबारकबाद दी थी।

मयंक के पिता प्रदीप कुमार दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल हैं जबकि उनकी माता गृहिणी है। उन्होंने आह्वान किया कि वे लगातार इसी प्रकार कड़ी मेहनत करते रहें। वे आगे चलकर विश्व के सबसे बुद्धिमान व्यक्ति अल्बर्ट आइंस्टीन की तरह नाम कमाएं। डीसी ने जिले के सभी बच्चों को संदेश देते हुए कहा कि वे भी मेहनत करें। मेहनत से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

मयंक को सम्मानित करतीं डीसी मोनिका गुप्ता। संवाद

संवाद व सम्मान समारोह में केबीसी जूनियर विजेता मयंक के साथ हकेंवि का स्टाफ। स्रोत : विवि

डीसी बोलीं, सवाल पूछने की जिज्ञासा को जारी रखें

डीसी मोनिका गुप्ता (आईएएस) ने मयंक से मजाकिया लहजे में जब पूछा कि आपको अपना कद छोटा क्यों लगता है। इस पर मयंक ने कहा कि नहीं मेडम अब मेरा कद ऊंचा हो गया। उपायुक्त ने बताया कि उन्होंने मयंक का पूरा एपिसोड देखा था। इस दौरान उन्होंने बचपन से जुड़े संस्मरण भी सुने थे जो बहुत अच्छे लगे। उपायुक्त ने कहा कि वे सवाल पूछने की अपनी जिज्ञासा को जारी रखें।

हकेंवि ने की पुस्तकालय की आजीवन सदस्यता देने की घोषणा

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय व निदेशक सोशल आउटरीच कार्यक्रम की ओर से मंगलवार को कौन बनेगा करोड़पति जूनियर के विजेता मयंक के लिए संवाद एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अपने दादा साधु राम व पिता प्रदीप कुमार के साथ विश्वविद्यालय परिसर पहुंचे मयंक ने विश्वविद्यालय की ओर से मिले इस सत्कार के लिए आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय कुलपति ने मयंक की प्रतिभा की सराहना करने के साथ-साथ उसे भविष्य में अध्ययन हेतु विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय की आजीवन सदस्यता भी प्रदान करने की घोषणा की। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व सामाजिक कार्यकर्ता संदीप कौशिक भी उपस्थित रहे। कुलपति, समकुलपति ब स्थानीय जांट गांव से आए प्रतिनिधियों ने मयंक व उनके परिवारजनों का अभिनंदन किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मयंक की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि परिश्रम से किसी भी चुनौती को पूर्ण किया जा सकता है और महज तेरह वर्ष की छोटी सी उम्र में मयंक का यह प्रदर्शन इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी मयंक व उसके परिवारजनों की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता उनके ही अथक प्रयासों की देन है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मयंक से सीधे संवाद करते हुए उनकी रुचि, अध्ययन, खेलकूद आदि विषयों पर चर्चा की। संवाद

मॉक इंटरव्यू की समझी बारीकियां

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए मॉक इंटरव्यू एंव एप्टीट्यूड टेस्ट का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के रोजगार कौशल को बढ़ाना और आगामी कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के लिए प्रशिक्षित करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी बाजार के लिए तैयार करने में ऐसी पहल के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाती हैं और सफल प्लेसमेंट के लिए आवश्यक कौशल को परिष्कृत करती हैं। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कार्यक्रम की विशेषज्ञ अंग्रेजी एवं विदेशी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. स्नेहलता ने विद्यार्थियों को मूल्यवान दृष्टिकोण और मार्गदर्शन प्रदान करते हुए मॉक इंटरव्यू गतिविधि में विद्यार्थियों को विभिन्न बारीकियों से अवगत कराया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने इन गतिविधियों के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्लेसमेंट समन्वयक तरूण सिंह ने कार्यक्रम को क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

केबीसी जूनियर विजेता आरपीएस स्कूल के छात्र मयंक को हकेवि ने किया सम्मानित

-कुलपति ने मयंक को केंद्रीय पुस्तकालय की आजीवन सदस्यता प्रदान करने की घोषणा की

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय व निदेशक सोशल आउटरीच कार्यक्रम की ओर से मंगलवार को कौन बनेगा करोड़पति जूनियर के विजेता एवं आरपीएस स्कूल में कक्षा 8 वीं के छात्र मयंक के लिए संवाद एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अपने दादा साधु राम व पिता प्रदीप कुमार के साथ विश्वविद्यालय परिसर पहुँचे मयंक ने विश्वविद्यालय की ओर से मिल इस सत्कार के लिए आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस मौके पर मयंक की प्रतिभा की सराहना करने के साथ-साथ उसे भविष्य में अध्ययन हेतु विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय की आजीवन सदस्यता भी प्रदान करने की घोषणा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व सामाजिक कार्यकर्ता संदीप कौशिक भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित लघु सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति, समकुलपति व स्थानीय जांट गाँव से आए प्रतिनिधियों ने मास्टर मयंक व उनके परिवारजनों का अभिनंदन किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर मयंक की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि परिश्रम से किसी भी चुनौती को पूर्ण किया जा सकता है और महज तेरह वर्ष की छोटी सी उम्र में मयंक का यह प्रदर्शन इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है। कुलपति ने कहा कि मयंक ने इस क्षेत्र का नाम देश दुनिया में प्रसिद्ध कर दिया है और यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि हमारे बीच के एक विद्यार्थी ने केबीसी जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा से सभी का चकित किया है।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी मयंक व उसके परिवारजनों की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता उनके ही अथक प्रयासों की देन है। प्रो. यादव ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय स्तर पर इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय सहयोगियों व स्थानीय गाँव के निवासियों की सराहना की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मयंक से सीधे संवाद करते हुए उनकी रुचि, अध्ययन, खेलकूद आदि विषयों पर चर्चा की। जिसमें मयंक ने बताया कि वह किस तरह से अपनी पढ़ाई व खेलकूद के बीच समन्वय स्थापित करता है। आयोजन के अंत में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सोशल आउटरीच कार्यक्रम के निदेशक डॉ. अजयपाल ने किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. रणबीर सिंह सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

हकेंवि विद्यार्थियों ने सीखी मॉक इंटरव्यू की बारीकियां

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए मॉक इंटरव्यू एंव एप्टीट्यूड टेस्ट का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के रोजगार कौशल को बढ़ाना और आगामी कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के लिए प्रशिक्षित करना था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी बाजार के लिए तैयार करने में ऐसी पहल के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाती हैं और सफल प्लेसमेंट के लिए आवश्यक कौशल को परिष्कृत करती हैं। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के प्रयासों की सराहना की।

केबीसी जूनियर विजेता मयंक को हकेवि ने किया सम्मानित

हैलो रेवाड़ी संवाददाता

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय व निदेशक सोशल आउटरीच कार्यक्रम की ओर से मंगलवार को कौन बनेगा करोड़पति जूनियर के विजेता मयंक के लिए संवाद एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अपने दादा साधु राम व पिता प्रदीप कुमार के साथ विश्वविद्यालय परिसर पहुँचे मयंक ने विश्वविद्यालय की ओर से मिल इस सत्कार के लिए आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस मौके पर मयंक की प्रतिभा की सराहना करने के साथ-साथ उसे भविष्य में अध्ययन हेतु विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय की आजीवन सदस्यता भी प्रदान करने की घोषणा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व सामाजिक कार्यकर्ता संदीप कौशिक भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित लघु सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति, समकुलपति व स्थानीय जांट गाँव से आए प्रतिनिधियों ने मास्टर मयंक व उनके परिवारजनों का अभिनंदन किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर मयंक की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि परिश्रम से किसी भी चुनौती को पूर्ण किया जा सकता है और महज तेरह वर्ष की छोटी सी उम्र में मयंक का यह प्रदर्शन इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है। कुलपति ने कहा कि मयंक ने इस क्षेत्र का नाम देश दुनिया में प्रसिद्ध कर दिया है और यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि हमारे बीच के एक विद्यार्थी ने केबीसी जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा से सभी का चकित किया है।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी मयंक व उसके परिवारजनों की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता उनके ही अथक प्रयासों की देन है। प्रो. यादव ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय स्तर पर इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय सहयोगियों व स्थानीय गाँव के निवासियों की सराहना की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मयंक से सीधे संवाद करते हुए उनकी रुचि, अध्ययन, खेलकूद आदि विषयों पर चर्चा की। जिसमें मयंक ने बताया कि वह किस तरह से अपनी पढ़ाई व खेलकूद के बीच समन्वय स्थापित करता है। आयोजन के अंत में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सोशल आउटरीच कार्यक्रम के निदेशक डॉ. अजयपाल ने किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. रणबीर सिंह सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

CUH honored KBC Junior winner Mayank

Deepti
info@impressivetimes.com

ON THIS OCCASION, THE VICE CHANCELLOR OF THE UNIVERSITY PROF. TANKESHWAR KUMAR EXPRESSED HAPPINESS OVER MAYANK'S ACHIEVEMENT AND SAID THAT WITH HARD WORK ANY CHALLENGE CAN BE COMPLETED AND THIS PERFORMANCE OF MAYANK AT THE YOUNG AGE OF JUST THIRTEEN YEARS IS AN EXAMPLE OF THIS.

MAHENDERGARH : 'Office of the Dean Students Welfare and Director, Social Outreach Program, Central University of Haryana (CUH) Mahendragarh, a dialogue and felicitation ceremony was organized for Mayank, the winner of 'Kaun Banega Crorepati Junior', on Tuesday. Mayank, who reached the University campus with his grandfather Mr. Sadhu Ram and father Mr. Pradeep Kumar, expressed his gratitude for the hospitality given to him on behalf of the University. On this occasion, the Vice Chancellor, of the University, along with appreciating Mayank's talent, also announced to grant him lifetime membership of the University's Central Library for studies. On this occasion, Pro-Vice Chancellor of the University, Prof. Sushma Yadav, the first woman professor of the University Prof. Sunita Srivastava and social worker Mr. Sandeep Kaushik were also present. The program started with the Kulgeet of the University. After this, the University Vice-Chancellor, Pro-Vice-Chancellor and representatives from the Jant village greeted Master Mayank and his family members. On this occasion, the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar expressed happiness over Mayank's achievement and said that with hard work any challenge can be completed and this performance of Mayank at the young age of just thirteen years is an example of this. In this sequence, the Pro-Vice Chancellor of the University, Prof. Sushma Yadav also praised Mayank and his family members and said that this success is the result of their tireless efforts. In his address, Prof. Yadav praised the University colleagues and the residents of the local village for organizing this program at the University level. The first lady of the University, Prof. Sunita Srivastava interacted with Mayank and discussed his interests, studies, sports etc. in which Mayank told how he coordinates between his studies and sports. At the end of the event, the Dean Student Welfare of the University, Prof. Anand Sharma proposed vote of thanks. Dr. Ajaypal, Director of Social Outreach Program, moderated the stage in the program. On this occasion, Dean Research of the University, Prof. Neelam Sangwan, Prof. Ranjan Aneja, Prof. Dinesh Chahal, Prof. Ranbir Singh a large number of teachers, students, researchers and local villagers were present.

विद्यार्थियों ने सीखी मॉक इंटरव्यू की बारीकियां

महेन्द्रगढ़, प्रताप सिंह शास्त्री (पंजाब केसरी) :हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा ट्रैनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए मॉक इंटरव्यू एंव एप्टीटयूड टेस्ट का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के रोजगार कौशल को बढ़ाना और आगामी कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के लिए प्रशिक्षित करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी बाजार के लिए तैयार करने में ऐसी पहल के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाती हैं और सफल प्लेसमेंट के लिए आवश्यक कौशल को परिष्कृत करती हैं। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के प्रयासों की सराहना की।

प्रयास से मिलेगी सिविल सर्विसेस में सफलता

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र में निशुल्क यूपीएससी/एचसीएस की कोचिंग के लिए चयनित विद्यार्थियों के मार्गदर्शन व मोटिवेशन के लिए बुधवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एचसीएस टॉपर-2023 अनिल कुमार व उनके मार्गर्शक डॉ. कुलदीप मेहंदीरत्ता विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कोचिंग के लिए चयनित विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हकेंवि में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते डॉ. कुलदीप मेहंदीरत्ता। स्रोत : विवि

कार्यक्रम में विशेषज्ञ अनिल कुमार व डॉ. कुलदीप मेहंदीरत्ता ने यूपीएससी/एचसीएस जैसी प्रतियोगी परीक्षा को उत्तीर्ण करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। अनिल कुमार ने बताया कि उनकी सफलता का सफर तब शुरू हुआ जब उन्होंने अच्छी योजना बनाई और उम्मीद और आत्मविश्वास के साथ कठिनाइयों का सामना किया। डॉ. कुलदीप महेंदीरत्ता ने विद्यार्थियों को सही दिशा में गाइड करने के लिए अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अंतरेश कुमार ने अपने मूल्यवान दृष्टिकोण से सभी विद्यार्थियों को मोटिवेट किया। इस विशेष गतिविधि में, उपस्थित छात्रों को आत्म-मोटिवेशन, स्वयं निगरानी, और ठोस योजना बनाने की जरूरत पर बल दिया गया।

सही प्रयास से परीक्षा में होंगे सफल : डा. कुलदीप

संस, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र में निश्शुल्क यूपीएससी/एचसीएस की कोचिंग हेतु चयनित विद्यार्थियों के मार्गदर्शन व मोटिवेशन हेतु बुधवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एचसीएस टापर-2023 अनिल कुमार व उनके मार्गदर्शक डा. कुलदीप मेहंदीरत्ता विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कोचिंग हेतु चयनित विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में विशेषज्ञ अनिल कुमार व कुलदीप मेहंदीरत्ता ने यूपीएससी/एचसीएस जैसी प्रतियोगी परीक्षा को उत्तीर्ण करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। कुमार ने बताया कि उनकी सफलता का सफ़र तब शुरू हुआ जब उन्होंने अच्छी योजना बनाई और उम्मीद और आत्मविश्वास के साथ कठिनाइयों का सामना किया। महेंदीरत्ता ने बताया कि एक सफल छात्र को नियमित पढ़ाई, स्वास्थ्यपूर्ण जीवनशैली व सकारात्मक मानसिकता की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम समन्वयक डा. अंतरेश कुमार ने अपने मूल्यवान दृष्टिकोण से सभी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। उपस्थित छात्रों को आत्म-मोटिवेशन, स्वयं निगरानी और ठोस योजना बनाने की जरूरत पर बल दिया गया।

सही मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास से मिलेगी सिविल सर्विसेस परीक्षाओं में सफलता- डॉ. कुलदीप मेहंदीरत्ता

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र में निःशुल्क यूपीएससी/एचसीएस की कोचिंग हेतु चयनित विद्यार्थियों के मार्गदर्शन व मोटिवेशन हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एचसीएस टॉपर-2023 अनिल कुमार व उनके मार्गर्शक डॉ. कुलदीप मेहंदीरत्ता विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कोचिंग हेतु चयनित विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ अनिल कुमार व डॉ. कुलदीप मेहंदीरत्ता ने यूपीएससी/एचसीएस जैसी प्रतियोगी परीक्षा को उत्तीर्ण करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। अनिल कुमार ने बताया कि उनकी सफलता का सफ़र तब शुरू हुआ जब उन्होंने अच्छी योजना बनाई और उम्मीद और आत्मविश्वास के साथ कठिनाइयों का सामना किया। डॉ. कुलदीप महेंदीरत्ता ने विद्यार्थियों को सही दिशा में गाइड करने के लिए अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि एक सफल छात्र को नियमित पढ़ाई, स्वास्थ्यपूर्ण जीवनशैली, और सकारात्मक मानसिकता की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अंतरेश कुमार ने अपने मूल्यवान दृष्टिकोण से सभी विद्यार्थियों को मोटिवेट किया और उन्हें सफलता की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान किया। इस विशेष गतिविधि में, उपस्थित छात्रों को आत्म-मोटिवेशन, स्वयं निगरानी, और ठोस योजना बनाने की जरूरत पर बल दिया गया। इस सत्र से हुई चर्चा ने दिखाया कि सही मार्गदर्शन और समर्पण से यूपीएससी/एचसीएस जैसी परीक्षा को सफलता से पार किया जा सकता है। इस कार्यक्रम

में विभिन्न विद्यार्थियों के साथ संकाय प्रभारी मोहिंदर पाल व सहायक जसवंत शर्मा भी

सही मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास से मिलेगी सिविल सर्विसेस में सफलताः डॉ. मेहंदीरत्ता

हैलो रेवाड़ी संवाददाता

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र में निःशुल्क यूपीएससी, एचसीएस की कोचिंग हेतु चयनित विद्यार्थियों के मार्गदर्शन व मोटिवेशन हेतु सोमवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एचसीएस टॉपर-2023 अनिल कुमार व उनके मार्गर्शक डॉ. कुलदीप मेहंदीरत्ता विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कोचिंग हेतु चयनित विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ अनिल कुमार व डॉ. कुलदीप मेहंदीरत्ता ने यूपीएससी, एचसीएस जैसी प्रतियोगी परीक्षा को उत्तीर्ण करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। अनिल कुमार ने बताया कि उनकी सफलता का सफ़र तब शुरू हुआ जब उन्होंने अच्छी योजना बनाई और उम्मीद और आत्मविश्वास के साथ कठिनाइयों का सामना किया। डॉ. कुलदीप महेंदीरत्ता ने विद्यार्थियों को सही दिशा में गाइड करने के लिए अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि एक सफल छात्र को नियमित पढ़ाई, स्वास्थ्यपूर्ण जीवनशैली, और सकारात्मक मानसिकता की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अंतरेश कुमार ने अपने मूल्यवान दृष्टिकोण से सभी विद्यार्थियों को मोटिवेट किया और उन्हें सफलता की दिशा में बल दिया गया। इस सत्र से हुई चर्चा ने दिखाया कि सही मार्गदर्शन और समर्पण से यूपीएससी, एचसीएस जैसी परीक्षा को सफलता से पार किया

मार्गदर्शन प्रदान किया। इस विशेष गतिविधि में, उपस्थित छात्रों को आत्म-मोटिवेशन, स्वयं निगरानी, और ठोस योजना बनाने की जरूरत पर जा सकता है। इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यार्थियों के साथ संकाय प्रभारी मोहिंदर पाल व जसवंत शर्मा भी उपस्थित रहे।

सही मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास से मिलेगी सिविल सर्विस परीक्षाओं में सफलता : डॉ.कुलदीप

महेंद्रगढ़, 6 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र में निःशुल्क यूपीएससी/ एचसीएस की कोचिंग हेतु चयनित विद्यार्थियों के मार्गदर्शन व मोटिवेशन हेतु सोमवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में एचसीएस टॉपर-2023 श्री अनिल कुमार व उनके मार्गर्शक डॉ. कुलदीप मेहंदीरत्ता विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कोचिंग हेतु चयनित विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में विशेषज्ञ श्री अनिल कुमार व डॉ. कुलदीप मेहंदीरत्ता ने यूपीएससी/एचसीएस जैसी प्रतियोगी परीक्षा को उत्तीर्ण करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। श्री अनिल कुमार ने बताया कि उनकी सफलता का सफ़र तब शुरू हुआ जब उन्होंने अच्छी योजना बनाई और उम्मीद और आत्मविश्वास के साथ कठिनाइयों का सामना किया। डॉ. कुलदीप महेंदीरत्ता ने विद्यार्थियों को सही दिशा में गाइड करने के लिए अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि एक सफल छात्र को नियमित पढ़ाई, स्वास्थ्यपूर्ण जीवनशैली, और सकारात्मक मानसिकता की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अंतरेश कुमार ने अपने मूल्यवान दृष्टिकोण से सभी विद्यार्थियों को मोटिवेट किया और उन्हें सफलता की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान किया। इस विशेष गतिविधि में, उपस्थित छात्रों को आत्म-मोटिवेशन, स्वयं निगरानी, और ठोस योजना बनाने की जरूरत पर बल दिया गया।

इस सत्र से हुई चर्चा ने दिखाया कि सही मार्गदर्शन और समर्पण से यूपीएससी/एचसीएस जैसी परीक्षा को सफलता से पार किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यार्थियों के साथ संकाय प्रभारी मोहिंदर पाल व सहायक जसवंत शर्मा भी उपस्थित रहे।

हकेवि में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते डॉ. कुलदीप मेहंदीरत्ता।

नवोदय टाइम्स Thu, 07 December 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/74055182

विश्व में निरंतर जारी अनुसंधान में बदलाव देखने को मिल रहे हैं

■ हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के भौतिक एवं खगोलभौतिकी विभाग द्वारा फीजिक्स ऐसोसिएशन आवृति के सहयोग से गुरुवार को इलेक्ट्रानिक स्ट्रक्चर स्टडीज ऑफ मैग्नेटिक सेमीकन्डक्टर्स यूजिंग एक्स रे एब्सोर्शन स्पक्ट्रोस्कॉपी विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजिन किया गया। इस व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में यूपीईसी देहरादून के भौतिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. शैलेंद्र कुमार उपस्थित रहे। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार की गरिमामयी उपस्थित रही। उन्होंने अपने संबोधन में शोध के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आखिरकार शोध क्यों महत्वपूर्ण है और विश्व में निरंतर जारी अनुसंधान के परिणामस्वरूप किस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में सेमीकडक्टर के माध्यम से विभिन्न उत्पादों के स्तर पर हो रहे बदलावों का उल्लेख करते हुए इनके महत्व और इनके लिए जारी शोध की उपयोगिता की ओर प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया। कुलपति ने अपने संबोधन में विश्व स्तर पर जारी तकनीकी बदलावों का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह से तकनीकी शोध का असर आमजन के दैनिक जीवन को प्रभावित कर रहा है। कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित विशेषज्ञ प्रोफेसर शैलेंद्र कुमार के द्वारा जारी शोध कार्य और उसकी उपयोगिता से भी प्रतिभगियों को अवगत कराया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात भौतिक एवं खगोलभौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि व विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत किया और उनका परिचय प्रस्तुत किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में व्याख्यान के विषय पर भी प्रकाश डाला।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. शैलेंद्र कुमार ने अपने व्याख्यान के अंतर्गत इलेक्ट्रानिक स्ट्रक्चर स्टडीज ऑफ मैग्नेटिक सेमीकन्डक्टर्स यूजिंग एक्स रे एब्सोर्शन स्पक्ट्रोस्कॉपी विषय पर विस्तार से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने विषय से जुड़ी विभिन्न पक्षों और उससे संबंधित शोध व प्राप्त परिणामों का उल्लेख करते हुए इस दिशा में उपलब्ध संभावनाओं की ओर से ध्यानाकर्षित किया। कार्यक्रम के अंत में भौतिक एवं खगोलभौतिकी विभाग में सह आचार्य तथा फीजिक्स ऐसोसिएशन आवृति के अध्यक्ष डॉ. अंकुश विज ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी भी उपस्थित रहें।

हकेवि के पांच विद्यार्थियों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी (पीपीटी), विभाग के पांच विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित एडेलमैन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में कैंपस प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है जिसके परिणामस्वरूप हमें विद्यार्थियों की ऐसी सफलताएं लगातार देखने को मिल रही हैं। इस कैंपस प्लेसमेंट के अंतर्गत चयनित विद्यार्थी आशीष तंवर, खुशबू, गणेश नाइक, पी भास्कर और अक्षय कुमार यादव इंटर्नशिप अवधि के दौरान लगभग 1.80 लाख प्रति वर्ष के शुरूआती पैकेज के साथ अपनी शुरूआत करेंगे। यह राशि उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर बढ़ाई भी जा सकती है। अवश्य ही उनके करियर को एडेलमैन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में एक आशाजनक शुरूआत मिलेगी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रोफेसर आकाश सक्सेना ने इन छात्रों के करियर पथ को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रोफेसर आकाश सक्सेना ने कहा कि हम सभी छात्रों को कौशल उन्मुख प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं जो प्लेसमेंट में सहायक है। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग की ओर से नियुक्त ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के कोऑडिनेटर तरूण सिंह का योगदान भी इस प्लेसमेंट प्रक्रिया में महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने यह सुनिश्चित किया की विद्यार्थी इंडस्ट्री की आवश्यकता के अनुरूप कौशल संपन्न हो। अवश्य ही विद्यार्थियों की यह सफलता विश्वविद्यालय की ओर से जारी समग्र शिक्षा एवं व्यावहारिक कौशल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विद्यार्थियों की इस सफलता पर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रोफेसर फूल सिंह ने भी सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

उपलब्धि

प्रिंटिंग व पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के हैं विद्यार्थी, कुलपति प्रो. डॉ. टंकेश्वर कुमार ने दी बधाई

हकेंवि के पांच विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट के तहत हुआ चयन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी (पीपीटी), विभाग के पांच विद्यार्थियों का एडेलमैन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में कैंपस प्लेसमेंट में चयन किया गया है।

कुलपति प्रो. डॉ. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। इसके परिणामस्वरूप हमें विद्यार्थियों की ऐसी सफलताएं लगातार देखने को मिल रही हैं। कैंपस प्लेसमेंट के अंतर्गत चयनित विद्यार्थी आशीष तंवर, खुशबू, गणेश नाइक, पी भास्कर और अक्षय कुमार यादव इंटर्नशिप अवधि के दौरान लगभग 1.80 लाख प्रति वर्ष के शुरुआती पैकेज के साथ अपनी शुरुआत करेंगे।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने इन छात्रों के करियर पथ को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग की ओर से नियुक्त ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के को-ऑर्डिनेटर तरूण सिंह का योगदान भी इस प्लेसमेंट प्रक्रिया में महत्वपूर्ण रहा। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने भी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कैंपस प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थी कुलपति प्रो. टंकेश्वेर कुमार के साथ। स्रोत : विवि

विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिक एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा फीजिक्स एसोसिएशन आवृत्ति के सहयोग से वीरवार को इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रेक्चर स्टडीज ऑफ मैग्नेटिक सेमीकंडक्टर्स यूजिंग एक्स रे एब्सोर्शन स्पक्ट्रोस्कॉपी विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में यूपीइसी देहरादून के भौतिकी विभाग के प्रो. डॉ. शैलेंद्र कुमार उपस्थित रहे। मुख्यातिथि के रूप विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आखिरकार शोध क्यों महत्वपूर्ण है और विश्व में निरंतर जारी अनुसंधान के परिणामस्वरूप किस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। कुलपति ने अपने संबोधन में विश्व स्तर पर जारी तकनीकी बदलावों का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह से तकनीकी शोध का असर आमजन के दैनिक जीवन को प्रभावित कर रहा है। भौतिक एवं खगोलभौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मुख्यातिथि व विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत किया और उनका परिचय प्रस्तुत किया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में व्याख्यान के विषय पर भी प्रकाश डाला। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. शैलेंद्र कुमार ने अपने व्याख्यान के अंतर्गत इलेक्ट्रानिक स्ट्रक्चर स्टडीज ऑफ मैग्नेटिक सेमीकंडक्टर्स यूजिंग एक्स रे एब्सोर्शन स्पक्ट्रोस्कॉपी विषय पर विस्तार से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस मौके पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी भी उपस्थित रहे। संवाद

हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के भौतिक एवं खगोलभौतिकी विभाग द्वारा फीजिक्स ऐसोसिएशन आवृति के सहयोग से गुरुवार को इलेक्ट्रानिक स्ट्रक्चर स्टडीज ऑफ मैग्नेटिक सेमीकन्डक्टर्स यूजिंग एक्स रे एब्सोर्शन स्पेक्ट्रोस्कॉपी विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजिन किया गया। इस व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में यूपीईसी देहरादून के भौतिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. शैलेंद्र कुमार उपस्थित रहे। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार की गरिमामयी उपस्थित रही। उन्होंने अपने संबोधन में शोध के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आखिरकार शोध क्यों महत्वपूर्ण है और विश्व में निरंतर जारी अनुसंधान के परिणामस्वरूप किस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

प्रो.टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में सेमीकडक्टर के माध्यम से विभिन्न उत्पादों के स्तर पर हो रहे बदलावों का उल्लेख करते हुए इनके महत्व और इनके लिए जारी शोध की उपयोगिता की ओर प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया। कुलपति ने अपने संबोधन में विश्व स्तर पर जारी तकनीकी बदलावों का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह से तकनीकी शोध का असर

आमजन के दैनिक जीवन को प्रभावित कर रहा है। कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित विशेषज्ञ प्रोफेसर शैलेंद्र कुमार के द्वारा जारी शोध कार्य और उसकी उपयोगिता से भी प्रतिभगियों का अवगत कराया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात भौतिक एवं खगोलभौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि व विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत किया और उनका परिचय प्रस्तुत किया। प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में व्याख्यान के विषय पर भी प्रकाश डाला।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो.शैलेंद्र कुमार ने अपने व्याख्यान के अंतर्गत इलेक्ट्रानिक स्ट्रक्चर स्टडीज ऑफ मैग्नेटिक सेमीकन्डक्टर्स यूजिंग एक्स रे एब्सोर्शन स्पेक्ट्रोस्कॉपी विषय पर विस्तार से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने विषय से जुड़ी विभिन्न पक्षों और उससे संबंधित शोध व प्राप्त परिणामों का उल्लेख करते हुए इस दिशा में उपलब्ध संभावनाओं की ओर से ध्यानाकर्षित किया। कार्यक्रम के अंत में भौतिक एवं खगोलभौतिकी विभाग में सह आचार्य तथा फीजिक्स ऐसोसिएशन आवृति के अध्यक्ष डॉ. अंकुश विज ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी भी उपस्थित रहें।

हकेवि के पांच विद्यार्थियों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी (पीपीटी), विभाग के पांच विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित एडेलमैन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में कैंपस प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है जिसके परिणामस्वरूप हमें विद्यार्थियों की ऐसी सफलताएं लगातार देखने को मिल रही हैं।

इस कैंपस प्लेसमेंट के अंतर्गत चयनित विद्यार्थी आशीष तंवर, खुशबू, गणेश नाइक, पी भास्कर और अक्षय कुमार यादव इंटर्नशिप अवधि के दौरान लगभग 1.80 लाख प्रति वर्ष के शुरुआती पैकेज के साथ अपनी शुरुआत करेंगे। यह राशि उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर बढ़ाई भी जा सकती है। अवश्य ही उनके करियर को एडेलमैन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में एक आशाजनक शुरुआत मिलेगी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रोफेसर आकाश सक्सेना ने इन छात्रों के करियर पथ को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रोफेसर आकाश सक्सेना ने कहा कि हम सभी छात्रों को कौशल उन्मुख प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं जो प्लेसमेंट में सहायक है।

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग की ओर से नियुक्त ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के कोऑर्डिनेटर तरूण सिंह का योगदान भी इस प्लेसमेंट प्रक्रिया में महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने यह सुनिश्चित किया की विद्यार्थी इंडस्ट्री की आवश्यकता के अनुरूप कौशल संपन्न हो। अवश्य ही विद्यार्थियों की यह सफलता विश्वविद्यालय की ओर से जारी समग्र शिक्षा एवं व्यावहारिक कौशल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

COURT NOTICE

IN THE COURT OF MS. SHIFA ADDL. CIVIL JUDGE (SENIOR DIVISION) HISAR

For details logon to http://ecourts.gov.in
Publication Notice Under Order 5 Rule 20 CPC
(Succession Case)
CNR No. HRHS02-000849-2023
Date of Hearing : 11.01.2024
Ishu minor d/o late Maya Singh

हकेंवि के पांच विद्यार्थियों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलाजी (पीपीटी) विभाग के पांच विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित एडेलमैन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में कैंपस प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि पर बधाई दी।

कैंपस प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों के साथ हरियाणा केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार ● सौ. विवि प्रवक्ता

उन्होंने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है जिसके परिणामस्वरूप हमें विद्यार्थियों की ऐसी सफलताएं लगातार देखने को मिल रही हैं।

इस कैंपस प्लेसमेंट के अंतर्गत चयनित विद्यार्थी आशीष तंवर, खुशबू, गणेश नाइक, पी भास्कर और अक्षय कुमार यादव इंटर्नशिप अवधि के दौरान लगभग 1.80 लाख रुपये प्रति वर्ष के शुरुआती पैकेज के साथ अपनी शुरुआत करेंगे। यह राशि उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर बढ़ाई भी जा सकती है।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रोफेसर आकाश सक्सेना ने इन छात्रों के करियर पथ को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पीपीटी विभाग की ओर से नियुक्त ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के कोआर्डिनेटर तरूण सिंह का योगदान भी इस प्लेसमेंट प्रक्रिया में महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने यह सुनिश्चित किया की विद्यार्थी इंडस्ट्री की आवश्यकता के अनुरूप कौशल संपन्न हो। अवश्य ही विद्यार्थियों की यह सफलता विश्वविद्यालय की ओर से जारी समग्र शिक्षा एवं व्यावहारिक कौशल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

नदी के बहाव से होने वाले कटाव को रोकने का सिस्टम तैयार

बलवान शर्मा ● नारनौल

अक्सर देखने में आता है कि नदी के बहाव से किनारों पर कटाव बढ़ने लगता है। इसके परिणाम स्वरूप होने वाले नुकसान को रोकने के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के शिक्षकों ने वर्टिकल प्लेट सिस्टम विकसित किया है। उनके इस प्रयास की सफलता इस बात से लगाई जा सकती है कि विश्वविद्यालय शिक्षकों की इस खोज को भारत सरकार से पेटेंट भी प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ देश, समाज व पर्यावरण संबंधी विषयों को लेकर शोध व अनुसंधान कार्य में जुटा हैं और अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ की यह खोज इसका एक शानदार प्रमाण है।

इस पेटेंट को प्राप्त करने वाली टीम के सदस्य प्रो. विकास गर्ग व प्रो. अजय कुमार बंसल ने बताया कि अक्सर हम देखते हैं कि नदी जब प्राकृतिक रूप से मुड़ती है तो वह अपने तेज बहाव से किनारों को प्रभावित करती है। इससे बचाव के लिए विभिन्न प्रकार के उपाय प्रयोग में लाए जाते हैं। मौजूदा समय में किनारों को धातु की क्षैतिज प्लेटों के माध्यम से सुरक्षित किए जाने की प्रक्रिया प्रचलन में है और ऐसा देखने में आया है कि ये क्षैतिज प्लेटें भी कटाव के प्रभाव से क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। नदी किनारों के कटाव की समस्या का निदान पूर्णतया नहीं हो पा रहा है। हमनें उल्टे ई-आकार की प्लेटों का उपयोग किया है और इस प्रयास से यह पाया गया कि कटाव की समस्या काफी हद तक नियंत्रित हुई।

हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित, शोध की महत्ता डाला प्रकाश

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के भौतिक एवं खगोल भौतिकी विभाग द्वारा फीजिक्स ऐसोसिएशन आवृति के सहयोग से गुरुवार को इलेक्ट्रानिक स्ट्रक्चर स्टडीज ऑफ मैग्नेटिक सेमीकन्डक्टर्स यूजिंग एक्स रे एब्सोर्शन स्पक्ट्रोस्कॉपी विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजिन किया गया। इस व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में यूपीईसी देहरादून के भौतिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. शैलेंद्र कुमार उपस्थित रहे। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने शोध के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आखिरकार शोध क्यों महत्वपूर्ण है और विश्व में निरंतर जारी अनुसंधान के परिणामस्वरूप किस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

प्रो.टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में सेमीकडक्टर के माध्यम से विभिन्न उत्पादों के स्तर पर हो रहे बदलावों का उल्लेख करते हुए इनके महत्व और इनके लिए जारी शोध की उपयोगिता की ओर प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया। कुलपति ने अपने संबोधन में विश्व स्तर पर जारी तकनीकी बदलावों का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह से तकनीकी शोध का असर आमजन के दैनिक जीवन को प्रभावित कर रहा है। कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित विशेषज्ञ प्रोफेसर शैलेंद्र कुमार के द्वारा जारी शोध कार्य और उसकी उपयोगिता से भी प्रतिभगियों का अवगत कराया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात भौतिक एवं खगोलभौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि व विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत किया और उनका परिचय प्रस्तुत किया। प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में व्याख्यान के विषय पर भी प्रकाश डाला। विशेषज्ञ वक्ता प्रो.शैलेंद्र कुमार ने अपने व्याख्यान के अंतर्गत इलेक्ट्रानिक स्ट्रक्चर स्टडीज ऑफ मैग्नेटिक सेमीकन्डक्टर्स यूजिंग एक्स रे एब्सोर्शन स्पक्ट्रोस्कॉपी विषय पर विस्तार से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने विषय से जुड़ी विभिन्न पक्षों और उससे संबंधित शोध व प्राप्त परिणामों का उल्लेख करते हुए इस दिशा में उपलब्ध संभावनाओं की ओर से ध्यानाकर्षित किया। कार्यक्रम के अंत में भौतिक एवं खगोलभौतिकी विभाग में सह आचार्य तथा फीजिक्स ऐसोसिएशन आवृति के अध्यक्ष डॉ. अंकुश विज ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी भी उपस्थित रहें।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पांच विद्यार्थियों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी (पीपीटी), विभाग के पांच विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित एडेलमैन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में कैंपस प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि पर बधाई दी।

उन्होंने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है, जिसके परिणामस्वरूप हमें विद्यार्थियों की ऐसी सफलताएं लगातार देखने को मिल रही हैं। इस कैंपस प्लेसमेंट के अंतर्गत चयनित विद्यार्थी आशीष तंवर, खुशबू, गणेश नाइक, पी भास्कर और अक्षय कुमार यादव इंटर्नशिप अवधि के दौरान लगभग 1.80 लाख प्रति वर्ष के शुरुआती पैकेज के साथ अपनी शुरुआत करेंगे। यह राशि उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर बढ़ाई भी जा सकती है।

अवश्य ही उनके करियर को एडेलमैन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में एक आशाजनक शुरुआत मिलेगी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो आकाश सक्सेना ने इन छात्रों के करियर पथ को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रो आकाश सक्सेना ने कहा कि हम सभी छात्रों को कौशल उन्मुख प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं जो प्लेसमेंट में सहायक है।

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग की ओर से नियुक्त ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के कोऑर्डिनेटर तरूण सिंह का योगदान भी इस प्लेसमेंट प्रक्रिया में महत्वपूर्ण रहा।

उन्होंने यह सुनिर्श्चित किया की विद्यार्थी इंडस्ट्री की आवश्यकता के अनुरूप कौशल संपन्न हो। अवश्य ही विद्यार्थियों की यह सफलता विश्वविद्यालय की ओर से जारी समग्र शिक्षा एवं व्यावहारिक कौशल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विद्यार्थियों की इस सफलता पर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रोफेसर फूल सिंह ने भी सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

हकेंवि के पांच विद्यार्थियों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़। गांव पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी (पीपीटी) विभाग के पांच विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित एडेलमैन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में कैंपस प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। कैंपस प्लेसमेंट के अंतर्गत चयनित विद्यार्थी आशीष तंवर, खुशबू, गणेश नाइक, पी भास्कर और अक्षय कुमार यादव इंटर्नशिप अवधि के दौरान लगभग 1.80 लाख प्रति वर्ष के शुरुआती पैकेज के साथ अपनी शुरुआत करेंगे। यह राशि प्रदर्शन के आधार पर बढ़ाई भी जा सकती है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हैलो रेवाड़ी संवाददाता

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के भौतिक एवं खगोलभौतिकी विभाग द्वारा फीजिक्स ऐसोसिएशन आवृति के सहयोग से गुरुवार को इलेक्ट्रानिक स्ट्रक्चर स्टडीज ऑफ मैग्नेटिक सेमीकन्डक्टर्स यूजिंग एक्स रे एब्सोर्शन स्पक्ट्रोस्कॉपी विषय पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजिन किया गया। इस व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में यूपीईसी देहरादून के भौतिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. शैलेंद्र कुमार उपस्थित रहे। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार की गरिमामयी उपस्थित रही। उन्होंने अपने संबोधन में शोध के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आखिरकार शोध क्यों महत्वपूर्ण है और विश्व में निरंतर जारी अनुसंधान के परिणामस्वरूप किस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। प्रो.टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में सेमीकडक्टर के माध्यम से विभिन्न उत्पादों के स्तर पर हो रहे बदलावों का उल्लेख करते हुए इनके महत्व और इनके लिए जारी शोध की उपयोगिता की ओर प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया। कुलपति ने अपने संबोधन में विश्व स्तर पर जारी तकनीकी बदलावों का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह से तकनीकी शोध का असर आमजन के दैनिक जीवन को प्रभावित कर रहा है। कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित विशेषज्ञ प्रोफेसर शैलेंद्र कुमार के द्वारा जारी शोध कार्य और उसकी उपयोगिता से भी प्रतिभगियों का अवगत कराया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात भौतिक एवं खगोलभौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि व विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत किया और उनका परिचय प्रस्तुत किया। प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में व्याख्यान के विषय पर भी प्रकाश डाला।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो.शैलेंद्र कुमार ने अपने व्याख्यान के अंतर्गत इलेक्ट्रानिक स्ट्रक्चर स्टडीज ऑफ मैग्नेटिक

सेमीकन्डक्टर्स यूजिंग एक्स रे एब्सोर्शन स्पक्ट्रोस्कॉपी विषय पर विस्तार से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने विषय से जुड़ी विभिन्न पक्षों और उससे संबंधित शोध व प्राप्त परिणामों का उल्लेख करते हुए इस दिशा में उपलब्ध संभावनाओं की ओर से ध्यानाकर्षित किया। कार्यक्रम के अंत में भौतिक एवं खगोलभौतिकी विभाग में सह आचार्य तथा फीजिक्स ऐसोसिएशन आवृति के अध्यक्ष डॉ. अंकुश विज ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी भी उपस्थित रहें।

Five CUH Students got Campus Placement

Nidhi Priya
info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH: Five students from the Department of Printing and Packaging Technology at Central University of Haryana (CUH) Mahendragarh have got placement in Edelmann Packaging India Private Ltd. The Vice Chancellor of the University Professor (Dr.) Tankeshwar Kumar, congratulated the students on their outstanding achievement. On this occasion he emphasized the University's commitment to nurturing talent and providing a conducive environment for students to excel in their chosen fields. The selected students Ashish Tanwar, Kushbhu, Nunsavath Ganesh Naik, Bhaskar Pirisingula and Akshay Kumar Yadav will embark on their professional journey with an initial stipend of around 1.80 lacs per annum during the internship period. This stipend is subject to increase based on individual performance, providing a promising start to their careers at Edelmann Packaging India Pvt. Ltd. Professor Akash Saxena, Director of the Training and Placement Cell, played a crucial role in shaping the career paths of these students. Professor Akash Saxena said that we are providing skill orientated training to all the students which is helpful in placement. Training and Placement Cell Department coordinator Mr. Tarun Singh also played an important role in this placement process and ensured that students are well-prepared as per the industry requirements. This achievement reflects the University's dedication to holistic education and practical skill development.

हकेवि के पांच छात्रों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़, 7 दिसम्बर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी (पीपीटी), विभाग के पांच विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित एडेलमैन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में कैंपस प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है जिसके परिणामस्वरूप हमें विद्यार्थियों की ऐसी सफलताएं लगातार देखने को मिल रही हैं।

इस कैंपस प्लेसमेंट के अंतर्गत चयनित विद्यार्थी आशीष तंवर, खुशबू, गणेश नाइक, पी भास्कर और अक्षय कुमार यादव इंटर्नशिप अवधि के दौरान लगभग 1.80 लाख प्रति वर्ष के शुरुआती पैकेज के साथ अपनी शुरुआत करेंगे। यह राशि उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर बढ़ाई भी जा सकती है। अवश्य ही उनके करियर को एडेलमैन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में एक आशाजनक शुरुआत मिलेगी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रोफेसर आकाश सक्सेना ने इन छात्रों के करियर पथ को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रोफेसर आकाश सक्सेना ने कहा कि हम सभी छात्रों को कौशल उन्मुख प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं जो प्लेसमेंट में सहायक है। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग की ओर से नियुक्त ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के कोआॅर्डिनेटर तरूण सिंह का योगदान भी इस प्लेसमेंट प्रक्रिया में महत्वपूर्ण रहा।

सराहनीय

कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने की सराहना, अनिता कुमारी और उनके सहयोगियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. अनिता को मौखिक प्रस्तुति में मिला प्रथम स्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनिता कुमारी को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आयोजित वैश्विक खाद्य पोषण सुरक्षा, स्थिरता, कल्याण हेतु रणनीतियां विषय पर केंद्रीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम स्थान मिला है।

डॉ. अनिता की यह प्रस्तुति जौ के छिलके वाली किस्मों के कार्यात्मक गुणों, अनुमानित संरचना, खनिज और फैटी एसिड प्रोफाइलिंग पर आधारित तुलनात्मक अध्ययन विषय पर आधारित शोध से संबंधित थी। इस कार्य में उनके सहयोगी सह लेखकों में सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रो. सुरेंद्र सिंह और पोषण जीव विज्ञान विभाग की शोधार्थी दीपिका का नाम भी शामिल रहा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अनिता व उनके सहयोगियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और निरंतर इस दिशा सकारात्मक ढंग से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव भी उपस्थित रही और उन्होंने भी इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए डॉ. अनिता की उपलब्धि की सराहना की।

विवि कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार के साथ डॉ. अनिता कुमारी व अन्य। स्रोत : हकेंवि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित सम्मेलन में पोषण जीव विज्ञान विभाग की शोध छात्रा सरिता ने भी डॉ. अनिता के सहयोग से खाद्य सुरक्षा में कृषि और संबद्ध शिक्षा की भूमिका विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। कुलपति से मुलाकात के अवसर पर उपस्थित शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने भी अनिता व उनकी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की। डॉ. अनिता ने बताया कि उनके शोध कार्य के अंतर्गत जौ को एक सुपरफूड के रूप में पहचान दिलाने हेतु प्रयास किया जा रहा है। अवश्य ही इसके माध्यम से कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के रूप में उत्पादन और उपयोग के संदर्भ में भोजन के रूप में जौ को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर पोषण जीवविज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने पूरी टीम को बधाई दी और युवा शोधकर्ताओं को इस तरह के दूरदर्शी शोध कार्य करने और क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक आदान-प्रदान के लिए प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पोषण जीव विज्ञान विभाग के डॉ. उमेश कुमार, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. तेजपाल ढेवा सहित एमएससी की छात्रा बीना भी उपस्थित रही।

साप्ताहिक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ का पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, स्मार्ट लाइब्रेरी सोल्यूशंस और लाइब्रेरियन गाइड एजुकेशनल अकादमी के सहयोग से कोहा आईएलएमएस पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है। कार्यशाला का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के पोस्टर का अवलोकन करते हुए किया। यह कार्यशाला 11 दिसंबर से 15 दिसम्बर 2023 तक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएगी। कार्यशाला के समन्वयक विभागयक्ष डॉ. श्रीराम पांडेय है और मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार, संरक्षक प्रो. सुषमा यादव, अतिथि रमेशचंद्र गौर, विशेषज्ञ डॉ. डीपी त्रिपाठी, डॉ. अमित कुमार है। कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों के 130 पुस्तकालय पेशेवर और अनुसंधान विद्वान भाग लेंगे।

हकेंवि में कोहा पर साप्ताहिक राष्ट्रीय कार्यशाला 11 से 15 दिसम्बर तक

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, स्मार्ट लाइब्रेरी सोल्यूशन्स और लाइब्रेरियन गाइड एजुकेशनल अकादमी के सहयोग से कोहा आईएलएमएस पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के पोस्टर का अवलोकन करते हुए किया। यह कार्यशाला 11 से 15 दिसम्बर 2023 तक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला के समन्वयक विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीराम पांडेय है और मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार, संरक्षक प्रो. सुषमा यादव, अतिथि रमेश चन्दर गौर, विशेषज्ञ डॉ. डीपी त्रिपाठी व डॉ. अमित कुमार है। इस कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों के 130 पुस्तकालय पेशेवर और अनुसंधान विद्वान भाग लेंगे।

हकेवि में कोहा पर साप्ताहिकी राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ का पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, स्मार्ट लाइब्रेरी सोलूशन्स और लाइब्रेरियन गाइड एजुकेशनल अकादमी के सहयोग से कोहा. आईएलएमएस पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है। इसका उद्देश्य एक मजबूत पुस्तकालय प्रणाली को बढ़ावा देना और सभी संबंधित स्थानों को आधुनिक तकनीक और सूचना प्रौद्योगिकी से जोड़ना है। इस कार्यशाला का विमोचन विश्वविद्यालयके कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के पोस्टर का अवलोकन करते हुए किया। यह कार्यशाला 11 दिसम्बर से 15 दिसम्बर 2023 तक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जायेगी। इस कार्यशाला के समन्वयक विभागयक्ष डॉ. श्रीराम पांडेय है और मुख्य संरक्षकप्रो. टंकेश्वर कुमार, संरक्षकप्रो. सुषमा यादव, अतिथि रमेश चन्दर गौर, विशेषज्ञ डॉ. डी पी त्रिपाठी व डॉ. अमित कुमार है। इस कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों के 130 पुस्तकालय पेशेवर और अनुसंधान विद्वान भाग लेंगे।

हकेंवि को मौखिक प्रस्तुति में प्रथम स्थान

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पोषण जीवविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डा. अनिता कुमारी को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित वैश्विक खाद्य पोषण सुरक्षा, स्थिरता और कल्याण हेतु रणनीतियां विषय पर केंद्रीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (न्यूट्री-2023) में मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। डा. अनिता की यह प्रस्तुति जो के छिलके वाली किस्मों के कार्यात्मक गुणों, अनुमानित संरचना, खनिज और फैटी एसिड प्रोफाइलिंग पर आधारित तुलनात्मक अध्ययन विषय पर आधारित शोध से संबंधित थी। इस कार्य में उनके सहयोगी सह लेखकों में सूक्ष्म जीव विज्ञान के प्रो. सुरेंद्र सिंह और पोषण जीव विज्ञान विभाग की शोधार्थी दीपिका का नाम भी रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित सम्मेलन में पोषण जीव विज्ञान विभाग की शोध छात्रा सरिता ने भी डा. अनिता के सहयोग से खाद्य सुरक्षा में कृषि और संबद्ध शिक्षा की भूमिका विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान ने भी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की।

विश्वविद्यालय कुलपति के साथ डा. अनिता कुमारी व अन्य ● जागरण

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, स्मार्ट लाइब्रेरी सोल्यूशन और लाइब्रेरियन गाइड एजुकेशनल अकादमी के सहयोग से कोहा, आइएलएमएस पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है। इसका उद्देश्य एक मजबूत पुस्तकालय प्रणाली को बढ़ावा देना और सभी संबंधित स्थानों को आधुनिक तकनीक और सूचना प्रौद्योगिकी से जोड़ना है। इस कार्यशाला का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के पोस्टर का अवलोकन करते हुए किया। यह कार्यशाला 11 से 15 दिसंबर 2023 तक आनलाइन माध्यम से आयोजित की जायेगी।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हकेवि संकाय ने मौखिक प्रस्तुति में पाया पहला स्थान

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनिता कुमारी को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित वैश्विक खाद्य पोषण सुरक्षा, स्थिरता और कल्याण हेतु रणनीतियां विषय पर केंद्रीय अंतरर्राष्ट्रीय सम्मेलन (न्यूट्री-2023) में मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। डॉ. अनिता की यह प्रस्तुति जौ के छिलके वाली किस्मों के कार्यात्मक गुणों, अनुमानित संरचना, खनिज और फैटी एसिड प्रोफाइलिंग पर आधारित तुलनात्मक अध्ययन विषय पर आधारित शोध से संबंधित थी। इस कार्य में उनके सहयोगी सह लेखकों में सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह और पोषण जीव विज्ञान विभाग की शोद्यार्थी सुश्री दीपिका का नाम भी शामिल रहा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अनिता व उनके सहयोगियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और निरंतर इस दिशा सकारात्मक ढंग से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो.सुषमा यादव भी उपस्थित रही और उन्होंने भी इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए डॉ. अनिता की उपलब्धि की सराहना की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित सम्मेलन में पोषण जीव विज्ञान विभाग की शोध छात्रा सुश्री सरिता ने भी डॉ. अनिता के सहयोग से खाद्य सुरक्षा में कृषि और संबद्ध शिक्षा की भूमिका विषय पर शोधपत्र

प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय कुलपति से मुलाकात के अवसर पर उपस्थित शोध अधिष्ठाता प्रो.नीलम सांगवान ने भी अनिता व उनकी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि अवश्य ही उनका शोध कार्य मौजूदा समय की आवश्यकता है। डॉ. अनिता ने बताया कि उनके शोध कार्य के अंतर्गत जौ को एक सुपरफूड के रूप में पहचान दिलाने हेतु प्रयास किया जा रहा है। अवश्य ही इसके माध्यम से कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के रूप में उत्पादन और उपयोग के संदर्भ में भोजन के रूप में जौ को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर पोषण जीवविज्ञान विभाग के प्रमुख प्रोफेसर कांति प्रकाश शर्मा ने पूरी टीम को बधाई दी और युवा शोधकर्ताओं को इस तरह के दूरदर्शी शोध कार्य करने और क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक आदान-प्रदान के लिए प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पोषण जीव विज्ञान विभाग के डॉ. उमेश कुमार, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. तेजपाल ढेवा सहित एमएससी की छात्रा सुश्री बीना भी उपस्थित रही।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय संकाय ने मौखिक प्रस्तुति में पाया पहला स्थान

- **कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की सराहना।**

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गाँव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनिता कुमारी को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित वैश्विक खाद्य पोषण सुरक्षा, स्थिरता और कल्याण हेतु रणनीतियां विषय पर केंद्रीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (न्यूट्री-2023) में मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

डॉ. अनिता की यह प्रस्तुति जौ के छिलके वाली किस्मों के कार्यात्मक गुणों, अनुमानित संरचना, खनिज और फैटी एसिड प्रोफाइलिंग पर आधारित तुलनात्मक अध्ययन विषय पर आधारित शोध से संबंधित थी। इस कार्य में उनके सहयोगी सह लेखकों में सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह और पोषण जीव विज्ञान विभाग की शोधार्थी सुश्री दीपिका का नाम भी शामिल रहा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय संकाय की सहायक आचार्य डॉ अनिता कुमारी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक संबोधन में प्रथम आने पर कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार व अन्य के साथ।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अनिता व उनके सहयोगियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और निरंतर इस दिशा सकारात्मक ढंग से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो.सुषमा यादव भी उपस्थित रही और उन्होंने भी इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए डॉ. अनिता की उपलब्धि की सराहना की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित सम्मेलन में पोषण जीव विज्ञान विभाग की शोध छात्रा सुश्री सरिता ने भी डॉ. अनिता के सहयोग से खाद्य सुरक्षा में कृषि और संबद्ध शिक्षा की भूमिका विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

विश्वविद्यालय कुलपति से मुलाकात के अवसर पर उपस्थित शोध अधिष्ठाता प्रो.नीलम सांगवान ने भी अनिता व उनकी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि अवश्य ही उनका शोध कार्य मौजूदा समय की आवश्यकता है। डॉ. अनिता ने बताया कि उनके शोध कार्य के अंतर्गत जौ को एक सुपरफूड के रूप में पहचान दिलाने हेतु प्रयास किया जा रहा है। अवश्य ही इसके माध्यम से कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के रूप में उत्पादन और उपयोग के संदर्भ में भोजन के रूप में जौ को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर पोषण जीवविज्ञान विभाग के प्रमुख प्रोफेसर कांति प्रकाश शर्मा ने पूरी टीम को बधाई दी और युवा शोधकर्ताओं को इस तरह के दूरदर्शी शोध कार्य करने और क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक आदान-प्रदान के लिए प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पोषण जीव विज्ञान विभाग के डॉ. उमेश कुमार, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. तेजपाल ढेवा सहित एमएससी की छात्रा सुश्री बीना भी उपस्थित रही।

हकेंवि में कोहा पर साप्ताहिकी राष्ट्रीय कार्यशाला

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, स्मार्ट लाइब्रेरी सोलूशन्स और लाइब्रेरियन गाइड एजुकेशनल अकादमी के सहयोग से कोहा. आईएलएमएस पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है। जिसका उद्देश्य एक मजबूत पुस्तकालय प्रणाली को बढ़ावा देना व आधुनिक तकनीक और सूचना प्रौद्योगिकी से जोड़ना है। कार्यशाला का विमोचन कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के पोस्टर का अवलोकन कर किया। कार्यशाला 11 से 15 दिसंबर तक ऑनलाइन होगी। समन्वयक विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीराम पांडेय है और मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार, संरक्षक प्रो. सुषमा यादव, अतिथि रमेश चंद्र गौर, विशेषज्ञ डॉ. डीपी त्रिपाठी व डॉ. अमित कुमार है। इसमे विभिन्न संस्थानों के 130 पुस्तकालय पेशेवर और अनुसंधान विद्वान भाग लेंगे।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

हकेंवि संकाय ने मौखिक प्रस्तुति में पाया पहला स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पोषण जीवविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनिता कुमारी को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आयोजित वैश्विक खाद्य पोषण सुरक्षा, स्थिरता और कल्याण हेतु रणनीतियां विषय पर केंद्रीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (न्यूट्री-2023) में मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

डॉ. अनिता की यह प्रस्तुति जौ के छिलके वाली किस्मों के कार्यात्मक गुणों, अनुमानित संरचना, खनिज और फैटी एसिड प्रोफाइलिंग पर आधारित तुलनात्मक अध्ययन विषय पर आधारित शोध से संबंधित थी। इस कार्य में उनके सहयोगी सह लेखकों में सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह और पोषण जीव विज्ञान विभाग की शोद्यार्थी दीपिका का नाम भी शामिल रहा।

महेंद्रगढ़। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ डॉ. अनिता कुमारी व अन्य।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अनिता व उनके सहयोगियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और निरंतर इस दिशा सकारात्मक ढंग से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव भी उपस्थित रही और उन्होंने भी इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए डॉ. अनिता की उपलब्धि की सराहना की।

कृषि और संबद्ध शिक्षा की भूमिका पर शोध पत्र प्रस्तुत

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आयोजित सम्मेलन में पोषण जीव विज्ञान विभाग की शोध छात्रा सरिता ने भी डॉ. अनिता के सहयोग से खाद्य सुरक्षा में कृषि और संबद्ध शिक्षा की भूमिका विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय कुलपति से मुलाकात के अवसर पर उपस्थित शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने भी अनिता व उनकी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि अवश्य ही उनका शोध कार्य मौजूदा समय की आवश्यकता है। डॉ. अनिता ने बताया कि उनके शोध कार्य के अंतर्गत जौ को एक सुपर फूड के रूप में पहचान दिलाने हेतु प्रयास किया जा रहा है। अवश्य ही इसके माध्यम से कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के रूप में उत्पादन और उपयोग के संदर्भ में भोजन के रूप में जौ को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर पोषण जीवविज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो. क्रांति प्रकाश शर्मा ने पूरी टीम को बधाई दी और युवा शोधकर्ताओं को इस तरह के दूरदर्शी शोध कार्य करने और क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक आदान-प्रदान के लिए प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पोषण जीव विज्ञान विभाग के डॉ. उमेश कुमार, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. तेजपाल ढेवा सहित एमएससी की छात्रा बीना भी उपस्थित रही।

हकेवि में कोहा पर साप्ताहिकी राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला के पोस्टर का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 8 दिसम्बर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़का पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, स्मार्ट लाइब्रेरी सोलूशन्स और लाइब्रेरियन गाइड एजुकेशनल अकादमी के सहयोग से कोहा. आईएलएमएस पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है। इसका उद्देश्य एक मजबूत पुस्तकालय प्रणाली को बढ़ावा देना और सभी संबंधित स्थानों को आधुनिक तकनीक और सूचना प्रौद्योगिकी से जोड़ना है। इस कार्यशाला का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के पोस्टर का अवलोकन करते हुए किया। यह कार्यशाला 11 दिसंबर से 15 दिसम्बर 2023 तक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जायेगी। इस कार्यशाला के समन्वयक विभागयक्ष डॉ. श्रीराम पांडेय है और मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार, संरक्षकप्रो. सुषमा यादव, अतिथि रमेश चन्दर गौर, विशेषज्ञ डॉ. डी पी त्रिपाठी व डॉ. अमित कुमार है।इसकार्यशालामें विभिन्न संस्थानों के 130 पुस्तकालय पेशेवर और अनुसंधान विद्वान भाग लेंगे।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हकेंवि संकाय ने मौखिक प्रस्तुति में पाया पहला स्थान

महेंद्रगढ़, 8 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनिता कुमारी को चौ चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि., हिसार में आयोजित वैश्विक खाद्य पोषण सुरक्षा, स्थिरता और कल्याण हेतु रणनीतियां विषय पर केंद्रीय अंतरर्राष्ट्रीय सम्मेलन (न्यूट्री-2023) में मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

डॉ. अनिता की यह प्रस्तुति जौ के छिलके वाली किस्मों के कार्यात्मक गुणों, अनुमानित संरचना, खनिज और फैटी एसिड प्रोफाइलिंग पर आधारित तुलनात्मक अध्ययन विषय पर आधारित शोध से संबंधित थी। इस कार्य में उनके सहयोगी सह लेखकों में सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह और पोषण जीव विज्ञान विभाग की शोद्यार्थी सुश्री दीपिका का नाम भी शामिल रहा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने डॉ. अनिता व उनके सहयोगियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और निरंतर इस दिशा सकारात्मक ढंग से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो.सुषमा यादव भी उपस्थित रही और उन्होंने भी इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए डॉ. अनिता की उपलब्धि की सराहना की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित सम्मेलन में पोषण जीव विज्ञान विभाग की शोध छात्रा सुश्री सरिता ने भी डॉ. अनिता के सहयोग से खाद्य सुरक्षा में कृषि और संबद्ध शिक्षा की भूमिका विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय कुलपति से मुलाकात के अवसर पर उपस्थित शोध अधिष्ठाता प्रो.नीलम सांगवान ने भी अनिता व उनकी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि अवश्य ही उनका शोध कार्य मौजूदा समय की आवश्यकता है।

डॉ. अनिता ने बताया कि उनके शोध कार्य के अंतर्गत जौ को एक सुपरफूड के रूप में पहचान दिलाने हेतु प्रयास किया जा रहा है।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर हकेंवि में आयोजित होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन विभाग की ओर से वाणिज्य एवं प्रबंध के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 व 16 फरवरी 2024 को भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में आयोजित होने जा रही इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर एवं ब्रोशर का विमोचन कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव द्वारा किया गया। कुलपति ने संगोष्ठी के आयोजन के लिए वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग को शुभकामनाएं दी और कहा कि

दो दिवसीय संगोष्ठी के पोस्टर व ब्रोशर का कुलपति ने किया विमोचन

भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर संगोष्ठी को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना के अनुरूप है इससे शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को वाणिज्य प्रबंध में प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली पर विस्तृत चर्चा एवं पत्र वाचन का अवसर प्राप्त होगा। संगोष्ठी आयोजन सचिव डॉ. सुनीता तंवर सह संयोजक डॉ. सुमन, डॉ. रविंद्र कौर, डॉ. अजय कुमार, डॉ. दिव्या डॉ. भूषण सिंह है। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रोवोस्ट प्रो. बीर पाल सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, विकास सिवाच, मोहित एवं अन्य शिक्षक कर्मचारी उपस्थिति रहे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर व ब्रोशर का हुआ विमोचन। स्रोत : विवि

अफगानिस्तान के विद्यार्थियों ने कुलपति को किया सम्मानित

हकेंवि कुलपति ने अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के साथ की बैठक

संवाद न्यूज एजेंसी

विद्यार्थियों के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : विवि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के अंतरराष्ट्रीय मामलों के कार्यालय के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में अध्ययनरत अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए शिक्षण-अधिगम, परीक्षा एवं आवास से संबंधित बेहतर सुविधाएं प्रदान करने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर अफगानिस्तान के विद्यार्थियों ने कुलपति को अफगानिस्तान का पारंपरिक परिधान भेंटकर सम्मानित किया।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय के लिए प्रयासरत है। इसी दिशा में अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले को सरल बनाने हेतु भारत सरकार के फ्लैगशिप प्रोग्राम स्टडी इन इंडिया में भी पंजीकरण करवाया है। अब विश्वभर से विद्यार्थी हकेंवि में दाखिले के लिए इस पोर्टल का उपयोग कर सकेंगे। इससे पूर्व बैठक की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय मामलों के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने स्वागत भाषण दिया। प्रो. चहल ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के भाषा संबंधी सामंजस्य हेतु रेमेडियल क्लास की व्यवस्था की जाएगी।

बैठक में अंतरराष्ट्रीय मामलों के कार्यालय की कार्यकारी बोर्ड के सदस्य व भूगोल विभाग में सहायक आचार्य डॉ. खेराज व शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य डॉ. किरण भी उपस्थित रहीं।

हकेवि में होने वाली संगोष्ठी के लिए पोस्टर व ब्रोशर का किया विमोचन

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेन्द्रगढ़ के वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन विभाग द्वारा वाणिज्य एवं प्रबंध के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

का आयोजन 15 व 16 फरवरी 2024 को भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के सहयोग से किया जाएगा। विश्वविद्यालय में आयोजित होने जा रही इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर एवं ब्रोशर का विमोचन कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव द्वारा किया गया। संगोष्ठी के निदेशक एवं संकाय के अधिष्ठाता प्रो. रंजन अनेजा ने वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा अकादमी कार्यक्रम के लिए प्रशंसा की। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रोवोस्ट प्रो. बीर पाल सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, विकास सिवाच, मोहित एवं अन्य शिक्षक कर्मचारी उपस्थिति थे।

हकेवि कुलपति ने विदेशी विद्यार्थियों के साथ की बैठक

विद्यार्थियों को शिक्षण-अधिगम, परीक्षा व आवास से संबंधित बेहतर सुविधाएं देने पर विचार-विमर्श किया

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ के अंतरराष्ट्रीय मामलों के कार्यालय के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में अध्ययनरत अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के साथ बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए शिक्षण-अधिगम, परीक्षा एवं आवास से संबंधित बेहतर सुविधाएं प्रदान करने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। अफगानिस्तान के विद्यार्थियों ने कुलपति को अफगानिस्तान का पारम्परिक परिधान भेंट कर सम्मानित किया।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए प्रयासरत है। इसी दिशा में अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले को सरल बनाने हेतु भारत सरकार के फ्लेगशिप प्रोग्राम 'स्टडी इन इंडिया' में भी पंजीकरण करवाया है। अब विश्वभर से

विद्यार्थी हकेवि में दाखिले के लिए इस पोर्टल का उपयोग कर सकेंगे। इससे पूर्व बैठक की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय मामलों के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने स्वागत भाषण दिया।

प्रो. चहल ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के भाषा संबंधी सामंजस्य हेतु रेमेडियल क्लॉस की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में अंतरराष्ट्रीय मामलों के कार्यालय की कार्यकारी बोर्ड के सदस्य व भूगोल विभाग में सहायक आचार्य डॉ. खेराज व शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य डॉ. किरण भी उपस्थित रहीं।

'हकेंवि में 15–16 फरवरी को राष्ट्रीय संगोष्ठी'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन विभाग के द्वारा वाणिज्य एवं प्रबंध के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 व 16 फरवरी 2024 को भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर) के सहयोग से किया जाएगा। विश्वविद्यालय में आयोजित होने जा रही इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर एवं ब्रोशर का विमोचन कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव के द्वारा किया गया। कुलपति ने संगोष्ठी के आयोजन के लिए वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग को शुभकामनाएं दी और कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर संगोष्ठी को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना के अनुरूप है इससे शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को वाणिज्य प्रबंध में प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली पर विस्तृत चर्चा एवं पत्र वाचन का अवसर प्राप्त होगा।

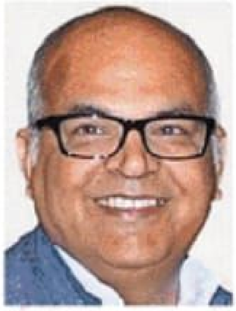

प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी इस अवसर पर संगोष्ठी के आयोजन के लिए आयोजकों को अग्रिम शुभकामनाएं प्रदान की और कहा कि अवश्य ही इस विषय को जानने समझने से विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों के सर्वागींण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। संगोष्ठी के निदेशक एवं संकाय के अधिष्ठाता प्रो. रंजन अनेजा ने वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के द्वारा अकादमी कार्यक्रम के लिए प्रशंसा की संगोष्ठी के संयोजक एवं वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राजेंद्र प्रसाद मीना ने बताया कि भारतीय ज्ञान प्रणाली के विभिन्न आयाम वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन के विद्यार्थियों को प्राचीन एवं आधुनिक ज्ञान प्रणाली के समायोजन से सामग्र अकादमी विकास में सहायक होगा। संगोष्ठी आयोजन सचिव डॉ.सुनीता तंवर सहसंयोजक डा. सुमन, डा. रविंद्र कौर, डा. अजय कुमार, डा. दिव्या डा.भूषण सिंह है। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रोवोस्ट प्रो. बीर पाल सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, विकास सिवाच, मोहित एवं अन्य शिक्षक कर्मचारी उपस्थिति थे।

अफगानिस्तान के छात्रों के साथ किया विचार-विमर्श

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के अंतरराष्ट्रीय मामलों के कार्यालय के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में अध्ययनरत अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए शिक्षण-अधिगम, परीक्षा एवं आवास से संबंधित बेहतर सुविधाए प्रदान करने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए प्रयासरत है। इसी दिशा में अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले को सरल बनाने हेतु भारत सरकार के फ्लैगशिप प्रोग्राम 'स्टडी इन इंडिया' में भी पंजीकरण करवाया है। इससे छात्रों को काफी फायदा हुआ है।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर संगोष्ठी

- हकेंवि में दिवसीय संगोष्टी के पोस्टर व ब्रोशर का कुलपति ने किया विमोचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर व ब्रोशर का विमोचन करते हुए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन विभाग के द्वारा वाणिज्य एवं प्रबंध के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 व 16 फरवरी 2024 को भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के सहयोग से किया जाएगा। विवि में आयोजित होने जा रही इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर एवं ब्रोशर का विमोचन कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव के द्वारा किया गया व संगोष्ठी के आयोजन के लिए वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग को शुभकामनाएं दी और कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर संगोष्ठी को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना के अनुरूप है। इससे शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को वाणिज्य प्रबंध में प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली पर विस्तृत चर्चा एवं पत्र वाचन का अवसर प्राप्त होगा। प्रो. सुषमा यादव ने भी इस अवसर पर संगोष्ठी के आयोजन के लिए आयोजकों को अग्रिम शुभकामनाएं प्रदान की और कहा कि अवश्य ही इस विषय को जानने समझने से विद्यार्थियों, शोधार्थियों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

वीसी ने अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के साथ की बैठक

- विद्यार्थियों को शिक्षण-अधिगम, परीक्षा की बेहतर सुविधा देने का किया जा रहा प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में अध्ययनरत अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए शिक्षण-अधिगम, परीक्षा एवं आवास से संबंधित बेहतर सुविधाएं प्रदान करने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर अफगानिस्तान के विद्यार्थियों ने कुलपति को अफगानिस्तान का पारम्परिक परिधान भेंट कर सम्मानित किया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए प्रयासरत है। इसी दिशा में अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले को सरल बनाने हेतु भारत सरकार के फ्लैगशिप प्रोग्राम स्टडी इन इंडिया में भी पंजीकरण करवाया है। अब विश्वभर से विद्यार्थी हकेवि में दाखिले के लिए इस पोर्टल का उपयोग कर सकेंगे। इससे पूर्व बैठक की शुरुआत में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के भाषा संबंधी सामंजस्य हेतु रेमेडियल क्लॉस की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय की कार्यकारी बोर्ड के सदस्य व भूगोल विभाग में सहायक आचार्य डॉ. खेराज व शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य डॉ. किरण भी उपस्थित रहीं।

भारतीय ज्ञान परम्परा पर हकेवि में होगा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

महेंद्रगढ़, 9 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन विभाग के द्वारा वाणिज्य एवं प्रबंध केक्षेत्रमें भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 व 16 फरवरी 2024 को भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद के सहयोगसेकिया जाएगा।

विश्वविद्यालय में आयोजित होने जा रही इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर एवं ब्रोशर का विमोचन कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव के द्वारा किया गया। कुलपति ने संगोष्ठी के आयोजन के लिए वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग को शुभकामनाएं दीऔर कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर संगोष्ठी को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना के अनुरूप हैइससे शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को वाणिज्य प्रबंध में प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली पर विस्तृत चर्चा एवं पत्र वाचन का अवसर प्राप्त होगा।विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी इस अवसर पर संगोष्ठी के आयोजन के लिए आयोजकों को अग्रिम शुभकामनाएं प्रदान की और कहा कि अवश्य ही इस विषय को जानने समझने से विद्यार्थियों, शोधार्थियों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

संगोष्ठी के निदेशक एवं संकाय के अधिष्ठाता प्रो. रंजन अनेजा ने वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के द्वारा अकादमी कार्यक्रम के लिए प्रशंसा की संगोष्ठी के संयोजक एवं वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीना ने बताया कि भारतीय ज्ञान प्रणाली के विभिन्न आयाम वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन के विद्यार्थियों को प्राचीन एवं आधुनिक ज्ञान प्रणाली के समायोजन से सामग्र अकादमी विकास में सहायक होगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर का विमोचन करते कुलपति।

संगोष्ठी आयोजन सचिव डा. सुनीता तंवर सहसंयोजक डा. सुमन, डा. रविंद्र कौर, डॉ. अजय कुमार, डा. दिव्या डा. भूषण सिंह है इस अवसर परकुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रोवोस्ट प्रो. बीरपाल सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, श्री विकास सिवाच, मोहित एवं अन्य शिक्षक कर्मचारी उपस्थित थे।

हकेवि कुलपति ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के साथ की बैठक

महेंद्रगढ़, 9 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में अध्ययनरत अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

कुलपति ने अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए शिक्षण-अधिगम, परीक्षा एवं आवास से संबंधित बेहतर सुविधाए प्रदान करने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर अफगानिस्तान के विद्यार्थियों ने कुलपति को अफगानिस्तान का पारम्परिक परिधान भेंट कर सम्मानित किया।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए प्रयासरत है। इसी दिशा में अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले को सरल बनाने हेतु भारत सरकार के फ्लैगशिप प्रोग्राम 'स्टडी इन इंडिया' में भी पंजीकरण करवाया है। अब विश्वभर से विद्यार्थी हकेवि में दाखिले के लिए इस पोर्टल का उपयोग कर सकेंगे। इससे पूर्व बैठक की शुरुआत में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने स्वागत भाषण दिया। प्रो. चहल ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के भाषा संबंधी सामंजस्य हेतु रेमेडियल क्लॉस की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय की कार्यकारी बोर्ड के सदस्य व भूगोल विभाग में सहायक आचार्य डॉ. खेराज व शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य डॉ. किरण भी उपस्थित रहीं।

स्वागत

हकेंवि से छात्र सौरभ वर्मा व दिनेश हुए थे शामिल, कुलपति ने मुलाकात कर दीं शुभकामनाएं

पहाड़ की जीवनशैली को जानकार लौटे स्वयंसेवक

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के दो स्वयंसेवकों ने हरियाणा सरकार के तत्वाधान में उच्चतर शिक्षा विभाग एनएसएस सेल की ओर से आयोजित दस दिवसीय साहसिक शिविर में प्रतिभागिता की।

अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण क्षेत्रीय संस्थान मैक्लोडगंज, धर्मशाला हिमाचल प्रदेश में आयोजित शिविर में हकेंवि के राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र सौरभ वर्मा एवं समाजशास्त्र विभाग के छात्र दिनेश ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने शिविर से लौटे स्वयंसेवकों

साहसिक शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से मुलाकात करते कुलपति। स्रोत : विवि

से भेंट की एवं उनको शुभकामनाएं दी और निरंतर समाज सेवा में लगे रहने के लिए आशीर्वाद दिया।

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने प्राकृतिक एवं कृत्रिम पहाड़ों पर चढ़ा, रस्सी के

हिमाचल प्रदेश का प्रसिद्ध ट्रिउंड ट्रैक जैसे स्थलों का भी भ्रमण किया

माध्यम से नदी को पार करना, रैपलिंग, जुमारिंग, जिपलाइनिंग आदि गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा भागसुनाग मंदिर, डल झील, नड्डी की लेई, सेंट जॉन चर्च एवं हिमाचल प्रदेश का प्रसिद्ध ट्रिउंड ट्रैक जैसे स्थलों का भी भ्रमण किया।

स्वयंसेवकों ने बताया कि शिविर में उनको पहाड़ी जीवनशैली के बारे में बुनियादी जानकारी दी गई एवं देवदारों के वृक्षों से घिरे मैक्लोडगंज की महत्ता को भी विस्तृत रूप से वर्णित किया गया। साथ ही उन्हें बचाव अभियान के रस्सी के माध्यम से स्ट्रेचर बनाने जैसे बुनियादी विषयों की जानकारी भी दी गई।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विकसित भारत संवाद आज

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार को विकसित भारत एट 2047 पर युवा केंद्रित संवाद का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के सहभागी शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के सीधे प्रसारण में सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा।

विश्वविद्यालय में इस आइडिया ऑफ विकसित भारत नामक इस अभियान के अंतर्गत अगले 15 दिनों तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि हरियाणा के राज्यपाल निवास में इस विषय में आयोजित हो रहे कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रतिभागिता करेंगे। साथ ही आयोजन का लाइव टेलीकास्ट उपलब्ध रहेगा, जिसके माध्यम से विद्यार्थी विश्वविद्यालय में भी इस आयोजन से जुड़ पाएंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

आयोजन का लाइव टेलीकास्ट उपलब्ध रहेगा

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया विकसित भारत अभियान के अंतर्गत आगामी 25 दिसंबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कुलपति ने साहसिक शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से की मुलाकात

महेंद्रगढ़| हकेंवि, महेंद्रगढ़ के दो स्वयंसेवकों ने हरियाणा सरकार के तत्वाधान में उच्चतर शिक्षा विभाग (एनएसएस सेल) द्वारा आयोजित दस दिवसीय साहसिक शिविर में प्रतिभागिता की। अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण क्षेत्रीय संस्थान मैक्लोडगंज, धर्मशाला हिमाचल प्रदेश में आयोजित शिविर में हकेंवि के राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र सौरभ वर्मा एवं समाजशास्त्र विभाग के छात्र दिनेश ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सम- कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से भेंट की एवं उनको शुभकामनाएं दी।

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने प्राकृतिक एवं कृत्रिम पहाड़ों पर चढ़ना, रस्सी के माध्यम से नदी को पार करना,

रैपलिंग, जुमारिंग, जिपलाइनिंग आदि गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्वयंसेवकों के अनुसार शिविर में उनको पहाड़ी जीवनशैली के बारे में बुनियादी जानकारी दी गई एवं देवदारों के वृक्षों से घिरे मैक्लोडगंज की महत्ता को भी विस्तृत रूप से वर्णित किया गया। साथ ही उन्हें बचाव अभियान के रस्सी के माध्यम से स्ट्रेचर बनाने जैसे बुनियादी विषयों की जानकारी भी दी गई।

केविवि में राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं जल्द शुरू होंगी

केन्द्रीय मंत्री का सकारात्मक रुख, सांसद ने कुलपति को जल्द प्रस्ताव भेजने को कहा

सांसद ने लोकसभा में नियम 377 के तहत उठाया था मामला

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

केन्द्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं जल्द शुरू होने की उम्मीद अब पूरी होती दिख रही है। केविवि में राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं जल्द शुरू करने के लिए केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री के सकारात्मक पत्र के बाद अब सांसद ने विवि कुलपति को पत्र लिख कर इस पर जल्द प्रस्ताव भेजने का आग्रह किया है।

बता दें कि सांसद धर्मबीर सिंह ने नियम 377 के तहत केन्द्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं जल्द शुरू करने का मामला पिछले लोकसभा सत्र में उठाया था। इस पर केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री ने सकारात्मक जवाब देते हुए केन्द्रीय विश्वविद्यालय की तरफ से जल्द-से-जल्द प्रस्ताव भिजवाने की बात कही थी। अब सांसद धर्मबीर सिंह ने केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति को पत्र लिखकर कहा है कि विश्वविद्यालय की तरफ से जल्द से जल्द एक प्रस्ताव भेजा जाए। जिसमें राष्ट्रीय स्तर के हॉकी, कुश्ती, कबड्डी एवं बॉक्सिंग की दो रिंग बनवाने की बात हो। सांसद धर्मबीर सिंह ने ये भी कहा है कि कुश्ती और कबड्डी के मैदान मैट वाले बनवाए जाएंगे, जिससे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुकाबलों की तैयारी हो सके। सांसद धर्मबीर सिंह ने अपने पत्र के साथ केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री का पत्र भी संलग्न किया है तथा प्रस्ताव की एक कॉपी सांसद कार्यालय को भी भेजने की बात कही है।

विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि इसी वर्ष जून में पाली गांव के सरपंच देशराज फौजी के नेतृत्व में लगभग एक दर्जन गांवों के सरपंचों को साथ लेकर सांसद धर्मबीर सिंह से भिवानी निवास पर

DHARAMBIR SINGH
Member of Parliament
(Lok Sabha)
Bhiwani-Mahendragarh, Haryana

Member:
- Standing Committee : Human Resource Development
- Committee on Absence of Members from the Sittings of the House
- Consultative Committee, Ministry of Food Processing Industry
- President : Haryana Swimming Association

D.O.N. – 9164/10/Devlp/2023

Dec 06, 2023

प्रिय टंकेश्वर जी

मैंने संसद भवन में 31-07-2023 को नियम 377 के तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर का खेल संस्थान स्थापित करने के संबंध में मुद्दा उठाया था। जिसके जवाब में माननीय केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री ने संस्थान में उन कामों को करने की उम्मीद जताई है और कुछ कार्यों के लिए संस्था से प्रस्ताव भी मांगे है।

मेरा निवेदन है कि आप एक प्रस्ताव निम्नलिखित कार्यों के जल्द से जल्द मंत्रालय को भेजें और उसकी कॉपी मुझे भी भेजने का कष्ट करें।

1. राष्ट्रीय स्तर का हॉकी का मैदान
2. राष्ट्रीय स्तर का कुश्ती का Indoor स्टेडियम (मैट सहित)
3. राष्ट्रीय स्तर का कबड्डी का Indoor स्टेडियम (मैट सहित)
4. राष्ट्रीय स्तर का बॉक्सिंग का Indoor स्टेडियम, दो रिंग सहित

धन्यवाद।

आपका,

(धर्मबीर सिंह)

प्रो. टंकेश्वर कुमार,
[illegible]

ये होगा फायदा : महेंद्रगढ़ के साथ लगते 3-4 जिलों में युवाओं का खेल के प्रति विशेष रुझान है। यहां के केन्द्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं के शुरू होने से हरियाणा के लगभग आधा दर्जन जिले के खिलाड़ियों को सीधा लाभ होगा। स्थानीय खिलाड़ियों को भी बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे शिक्षा के क्षेत्र में उभर रहे जिले को खेल के रूप में भी एक नई पहचान मिल सकेगी।

अभी तक जिले में खिलाड़ियों के लिए नहीं है कोई विशेष सुविधा

महेंद्रगढ़ जिले में अभी तक खिलाड़ियों के लिए कोई विशेष सुविधा नहीं है। जिला स्तर पर नारनौल में एक स्टेडियम में है। उसमें कोई विशेष सुविधा नहीं है। इसी तरह से महेंद्रगढ़ में बनाया गया मिनी स्टेडियम की हालत बद से बदतर बनी हुई है। लाखों रुपए खर्च होने के बाद भी यहां न किसी के खेल को प्रमोट करने की कोई व्यवस्था है, न कोच की सुविधा है। वो बात अलग है कि खेल विभाग ने स्कूलों में

कुलपति ने साहसिक शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से की मुलाकात

चेतना संवाददाता।

महेन्द्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के दो स्वयंसेवकों ने हरियाणा सरकार के तत्वाधान में उच्चतर शिक्षा विभाग (एनएसएस सेल) द्वारा आयोजित दस दिवसीय साहसिक शिविर में प्रतिभागिता की। अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण क्षेत्रीय संस्थान मैक्लोडगंज, धर्मशाला हिमाचल प्रदेश में आयोजित शिविर में हकेवि के राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र सौरभ वर्मा एवं समाजशास्त्र विभाग के छात्र दिनेश ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से भेंट की एवं उनको शुभकामनाएं दी तथा निरंतर समाज सेवा में लगे रहने के लिए आशीर्वाद दिया।

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने प्राकृतिक एवं कृत्रिम पहाड़ों पर चढ़ना, रस्सी के माध्यम से नदी को पार करना, रैपलिंग, जुमारिंग, जिपलाइनिंग आदि गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा भागसुनाग मंदिर, डल झील, नड्डी की लेई, सेंट जॉन चर्च एवं हिमाचल प्रदेश का प्रसिद्ध ट्रिउण्ड ट्रैक जैसे स्थलों का भी भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि शिविर में स्वयंसेवकों ने जो प्रशिक्षण प्राप्त किया है उसका प्रयोग वे समाज सेवा के क्षेत्र में निश्चित रूप से करेंगे। स्वयंसेवकों के अनुसार शिविर में उनको पहाड़ी जीवनशैली के बारे में बुनियादी जानकारी दी गई एवं देवदारों के वृक्षों से घिरे मैक्लोडगंज की महत्ता को भी विस्तृत रूप से वर्णित किया गया। साथ ही उन्हें बचाव अभियान के रस्सी के माध्यम से स्ट्रेचर बनाने जैसे बुनियादी विषयों की जानकारी भी दी गई।

हकेवि में विकसित भारत संवाद आज

महेन्द्रगढ़। चेतना संवाददाता।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेन्द्रगढ़ विकसित भारत एट 2047 पर युवा केंद्रित संवाद का सोमवार 11 दिसंबर, 2023 को आयोजन करने जा रहा है। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के सहभागी शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के सीधे प्रसारण में सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय में इस आइडिया ऑफ विकसित भारत नामक इस अभियान के अंतर्गत अगले 15 दिनों तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि हरियाणा के राज्यपाल निवास में इस विषय में आयोजित हो रहे कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रतिभागिता करेंगे। साथ ही साथ आयोजन का लाइव टेलीकास्ट उपलब्ध रहेगा, जिसके माध्यम से विधार्थी विश्वविद्यालय में भी इस आयोजन से जुड़ पाएंगे। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया विकसित भारत अभियान के अंतर्गत आगामी 25 दिसंबर, 2023 तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कुलपति ने स्वयंसेवकों से की मुलाकात

जागरण संवाददाता, नारनौलः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के दो स्वयंसेवकों ने हरियाणा सरकार के तत्वाधान में उच्चतर शिक्षा विभाग (एनएसएस सेल) द्वारा आयोजित दस दिवसीय साहसिक शिविर में प्रतिभागिता की। अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण क्षेत्रीय संस्थान मैक्लोडगंज, धर्मशाला हिमाचल प्रदेश में आयोजित शिविर में हकेंवि के राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र सौरभ वर्मा एवं समाजशास्त्र विभाग के छात्र दिनेश ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से भेंट की एवं उनको शुभकामनाएं दी तथा निरंतर समाज सेवा में लगे रहने के लिए आशीर्वाद दिया।

शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से मुलाकात करते हुए प्रो . टंकेश्वर कुमार ● जागरण

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के कार्यक्रम समन्वयक डा. प्रदीप कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने प्राकृतिक एवं कृत्रिम पहाड़ों पर चढ़ना, रस्सी के माध्यम से नदी को पार करना, रैपलिंग, जुमारिंग व जिपलाइनिंग आदि गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा भागसुनाग मंदिर, डल झील, सेंट जान चर्च एवं हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध ट्रिउंड ट्रैक जैसे स्थलों का भी भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि शिविर में स्वयंसेवकों ने जो प्रशिक्षण प्राप्त किया है, उसका प्रयोग वे समाज सेवा के क्षेत्र में निश्चित रूप से करेंगे। स्वयंसेवकों के अनुसार शिविर में उनको पहाड़ी जीवनशैली के बारे में बुनियादी जानकारी दी गई एवं देवदार के वृक्षों से घिरे मैक्लोडगंज की महत्ता को भी विस्तृत रूप से वर्णित किया गया। उन्हें बचाव अभियान में रस्सी के माध्यम से स्ट्रेचर बनाने जैसे बुनियादी विषयों की जानकारी भी दी गई।

हकेंवि का फाइल फोटो ● जागरण

हकेंवि में विकसित भारत संवाद आज

जागरण संवाददाताः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में विकसित भारत एट 2047 पर युवा केंद्रित संवाद का सोमवार को आयोजन करने जा रहा है। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के सहभागी शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के सीधे प्रसारण में सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय में आइडिया आफ विकसित भारत नामक इस अभियान के अंतर्गत अगले 15 दिनों तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि हरियाणा के राज्यपाल निवास में इस विषय में आयोजित हो रहे कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रतिभागिता करेंगे। साथ ही साथ आयोजन का लाइव टेलिकास्ट उपलब्ध रहेगा, जिसके माध्यम से विधार्थी विश्वविद्यालय में भी इस आयोजन से जुड़ पाएंगे। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया विकसित भारत अभियान के अंतर्गत आगामी 25 तक अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

हकेवि में विकसित भारत संवाद आज

महेंद्रगढ़, 10 दिसंबर (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेन्द्रगढ़ विकसित भारत @ 2047 पर युवा केंद्रित संवाद का 11 दिसंबर को आयोजन करने जा रहा है। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के सहभागी शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के सीधे प्रसारण में सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय में इस आइडिया ऑफ विकसित भारत नामक इस अभियान के अंतर्गत अगले 15 दिनों तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इसकी जानकारी दी।

दैनिक ट्रिब्यून Mon, http

हकेंवि के कुलपति ने स्वयंसेवकों से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवकों ने प्रदेश सरकार के तत्वावधान में उच्चतर शिक्षा विभाग (एनएसएस सेल) द्वारा आयोजित दस दिवसीय साहसिक शिविर में प्रतिभागिता की। अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण क्षेत्रीय संस्थान मैक्लोडगंज, धर्मशाला हिमाचल प्रदेश में आयोजित शिविर में हकेवि के राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र सौरभ वर्मा एवं समाजशास्त्र विभाग के छात्र दिनेश ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से भेंट की तथा बधाई देते हुए निरंतर समाज सेवा में लगे रहने के लिए आशीर्वाद दिया। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के कार्यक्रम समंवयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने प्राकृतिक एवं कृत्रिम पहाड़ों पर चढ़ना, रस्सी के माध्यम से नदी को पार करना, रैपलिंग, जुमारिंग, जिपलाइनिंग आदि गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा भागसुनाग मंदिर, डल झील, नड्डी की लेई, सेंट जॉन चर्च एवं हिमाचल प्रदेश का प्रसिद्ध ट्रिउण्ड ट्रैक जैसे स्थलों का भी भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि शिविर में स्वयंसेवकों ने जो प्रशिक्षण प्राप्त किया है, उसका प्रयोग वे समाज सेवा के क्षेत्र में निश्चित रूप से करेंगे। स्वयंसेवकों के अनुसार शिविर में उनको पहाड़ी जीवनशैली के बारे में बुनियादी जानकारी दी गई एवं देवदारों के वृक्षों से घिरे मैक्लोडगंज की महत्ता को वर्णित किया गया। उन्हें बचाव अभियान के रस्सी के माध्यम से स्ट्रेचर बनाने की जानकारी भी दी गई।

महेंद्रगढ़। शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से मुलाकात करते कुलपति। फोटो : हरिभूमि

- साहसिक शिविर के स्वयंसेवकों को दी बधाई

कुलपति ने साहसिक शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से की मुलाकात

साहसिक शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से मुलाकात करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 10 दिसम्बर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के दो स्वयंसेवकों ने हरियाणा सरकार के तत्वाधान में उच्चतर शिक्षा विभाग (एनएसएस सेल) द्वारा आयोजित दस दिवसीय साहसिक शिविर में प्रतिभागिता की।

अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण क्षेत्रीय संस्थान मैक्लोडगंज, धर्मशाला हिमाचल प्रदेश में आयोजित शिविर में हकेवि के राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र सौरभ वर्मा एवं समाजशास्त्र विभाग के छात्र दिनेश ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने शिविर से लौटे स्वयंसेवकों से भेंट की एवं उनको शुभकामनाएं दी तथा निरंतर समाज सेवा में लगे रहने के लिए आशीर्वाद दिया।

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने प्राकृतिक एवं कृत्रिम पहाड़ों पर चढ़ना, रस्सी के माध्यम से नदी को पार करना, रैपलिंग, जुमारिंग, जिपलाइनिंग आदि गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा भागसुनाग मंदिर, डल झील, नड्डी की लेई, सेंट जॉन चर्च एवं हिमाचल प्रदेश का प्रसिद्ध ट्रिउण्ड ट्रैक जैसे स्थलों का भी भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि शिविर में स्वयंसेवकों ने जो प्रशिक्षण प्राप्त किया है उसका प्रयोग वे समाज सेवा के क्षेत्र में निश्चित रूप से करेंगे। स्वयंसेवकों के अनुसार शिविर में उनको पहाड़ी जीवनशैली के बारे में बुनियादी जानकारी दी गई एवं देवदारों के वृक्षों से घिरे मैक्लोडगंज की महत्ता को भी विस्तृत रूप से वर्णित किया गया।

नवोदय टाइम्स Mon, 11 December 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/74086485

हकेंवि में विकसित भारत संवाद आज

महेंद्रगढ़, महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेन्द्रगढ़ विकसित भारत एट 2047 पर युवा केंद्रित संवाद का सोमवार 11 दिसंबर, 2023 को आयोजन करने जा रहा है। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के सहभागी शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के सीधे प्रसारण में सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय में इस आइडिया ऑफ विकसित भारत नामक इस अभियान के अंतर्गत अगले 15 दिनों तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि हरियाणा के राज्यपाल निवास में इस विषय में आयोजित हो रहे कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रतिभागिता करेंगे। साथ ही साथ आयोजन का लाइव टेलीकास्ट उपलब्ध रहेगा, जिसके माध्यम से विधार्थी विश्वविद्यालय में भी इस आयोजन से जुड़ पाएंगे।

हकेवि में विकसित भारत एट 2047 का हुआ सीधा प्रसारण

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। विकसित भारत एट 2047: युवाओं की आवाज विषय पर केंद्रित कार्यक्रम का हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सीधा प्रसारण दिखाया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं की भूमिका व्यक्ति निर्माण की होती है और व्यक्ति निर्माण से ही राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने आजादी के लंबे संघर्ष का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे हम सभी ने आजादी को एक लक्ष्य मानकर आजादी की लड़ाई लड़ी और सफल हुए इसी तरह आज भारत के अमृत कालखंड में हम सभी को विकसित भारत के लक्ष्य साथ कार्य करना होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रणबीर सिंह सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षण संस्थाओं की भूमिका अहम

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। विकसित भारत एट 2047 युवाओं की आवाज विषय पर केंद्रित कार्यक्रम का सोमवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सीधा प्रसारण दिखाया गया। विकसित भारत के निर्माण से जुड़ी कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं की भूमिका व्यक्ति निर्माण की होती है और व्यक्ति निर्माण से ही राष्ट्र का निर्माण होता है।

उन्होंने आजादी के लंबे संघर्ष का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे हम सभी ने आजादी को एक लक्ष्य मानकर आजादी की लड़ाई लड़ी और सफल हुए इसी तरह आज भारत के अमृत कालखंड में हम सभी को विकसित भारत के लक्ष्य साथ कार्य करना होगा। प्रधानमंत्री ने शिक्षण संस्थानों से युवाओं को विकसित भारत के निर्माण की धारा से जोड़ने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के दृष्टिकोण को नई गति व ऊर्जा मिलेगी।

हकेंवि के लघु सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि हमें सपनों के भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे और इसकी शुरुआत हमें स्वयं से करनी होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रणबीर सिंह सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में विकसित भारत एट 2047 का हुआ सीधा प्रसारण

महेंद्रगढ़| विकसित भारत एट 2047: युवाओं की आवाज विषय पर केंद्रित कार्यक्रम का हकेंवि में सीधा प्रसारण दिखाया गया। विकसित भारत के निर्माण से जुड़ी कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं की भूमिका व्यक्ति निर्माण की होती है और व्यक्ति निर्माण से ही राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने आजादी के लंबे संघर्ष का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे हम सभी ने आजादी को एक लक्ष्य मानकर आजादी की लड़ाई लड़ी और सफल हुए इसी तरह आज भारत के अमृत कालखंड में हम सभी को विकसित भारत के लक्ष्य साथ कार्य करना होगा। प्रधानमंत्री ने शिक्षण संस्थानों से युवाओं को विकसित भारत के निर्माण की धारा से जोड़ने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के दृष्टिकोण को नई गति व ऊर्जा मिलेगी। हकेंवि के लघु सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि हमें सपनों के भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे और इसकी शुरुआत हमें स्वयं से करनी होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रणबीर सिंहआदि मौजूद थे।

हकेवि में विकसित भारत एट 2047 का हुआ सीधा प्रसारण

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

विकसित भारत एट 2047- युवाओं की आवाज विषय पर केंद्रित कार्यक्रम का हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सीधा प्रसारण दिखाया गया। विकसित भारत के निर्माण से जुड़ी कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं की भूमिका व्यक्ति निर्माण की होती है और व्यक्ति निर्माण से ही राष्ट्र का निर्माण

होता है। उन्होंने आजादी के लंबे संघर्ष का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे हम सभी ने आजादी को एक लक्ष्य मानकर आजादी की लड़ाई लड़ी और सफल हुए इसी तरह आज भारत के अमृत कालखंड में हम सभी को विकसित भारत के लक्ष्य साथ कार्य करना होगा। प्रधानमंत्री ने शिक्षण संस्थानों से युवाओं को विकसित भारत के निर्माण की धारा से जोड़ने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के दृष्टिकोण को नई गति व ऊर्जा मिलेगी। हकेवि के लघु सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो संजीव कुमार ने कहा कि हमें सपनों के भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे और इसकी शुरुआत हमें स्वयं से करनी होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रणबीर सिंह सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में विकसित भारत एट 2047 का हुआ सीधा प्रसारण

कार्यशाला का सीधा प्रसारण देखते हकेंवि के विद्यार्थी ● सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: विकसित भारत एट 2047 युवाओं की आवाज विषय पर केंद्रित कार्यक्रम का हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सीधा प्रसारण दिखाया गया। विकसित भारत के निर्माण से जुड़ी कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं की भूमिका व्यक्ति निर्माण की होती है और व्यक्ति निर्माण से ही राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने आजादी के लंबे संघर्ष का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे हम सभी ने आजादी को एक लक्ष्य मानकर आजादी की लड़ाई लड़ी और सफल हुए इसी तरह आज भारत के अमृत कालखंड में हम सभी को विकसित भारत के लक्ष्य साथ कार्य करना होगा। प्रधानमंत्री ने शिक्षण संस्थानों से युवाओं को विकसित भारत के निर्माण की धारा से जोड़ने की अपील की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के दृष्टिकोण को नई गति व ऊर्जा मिलेगी। हकेंवि के लघु सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो संजीव कुमार ने कहा कि हमें सपनों के भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रणबीर सिंह सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

विकसित भारत @2047 का सीधा प्रसारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

विकसित भारत एट 2047 युवाओं की आवाज विषय पर केंद्रित कार्यक्रम का हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सीधा प्रसारण दिखाया गया। विकसित भारत के निर्माण से जुड़ी कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं की भूमिका व्यक्ति निर्माण की होती है और व्यक्ति निर्माण से ही राष्ट्र का निर्माण होता है। आजादी के लंबे संघर्ष का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे हम सभी ने आजादी को एक लक्ष्य मानकर आजादी की लड़ाई लड़ी और सफल हुए इसी तरह आज भारत के अमृत कालखंड में हम सभी को विकसित भारत के लक्ष्य साथ कार्य करना होगा। प्रधानमंत्री ने शिक्षण संस्थानों से युवाओं को विकसित भारत के निर्माण की धारा से जोड़ने का आह्वान किया।

वीसी ने अपने संदेश में कहा कि कार्यशाला के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के दृष्टिकोण को नई गति व ऊर्जा मिलेगी। हकेंवि के लघु सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो संजीव कुमार ने कहा कि हमें सपनों के भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे इस मौके पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रणबीर सिंह मौजूद रहे।

आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया भारतीय भाषा उत्सव

देश के पास है एक समृद्ध भाषाई विरासत

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के हिंदी विभाग की ओर से भारतीय भाषा उत्सव के अवसर पर व्याख्यान एवं भारतीय भाषाओं में काव्यपाठ का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों को भारत की समृद्ध भाषाई परंपरा को जानने-समझने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम की शुरुआत में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वीरपाल सिंह यादव ने बताया कि भारत के पास एक समृद्ध भाषाई विरासत है। इन भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय एकता के लिए एक महान उपकरण के रूप में देखते हुए, देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को भारतीय भाषाओं के महत्व एवं इनके सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में समस्त भाषाओं में शिक्षा की व्यवस्था और भाषाई समरसता पर जोर दिया। आयोजन में काव्य पाठ हेतु आकांक्षा ने मैथिली भाषा में, गौतम कुमार मिश्रा व पुनीत ने मगही भाषा में, संगीता ने उड़िया भाषा में, जिगर पटेल ने गुजराती भाषा में, ईशा सिंह ने उर्दू भाषा में, कृष्णा सिंह ने मलयालमी भाषा में, कुलदीप व शोधार्थी सुमन बाला ने राजस्थानी में, यशपाल ने परमल रासो सुनाकर, मुनीश ने पंजाबी में, राकेश जोशी ने पहाड़ी में, बिजाई त्रिपुरा ने नेपाली भाषा में, प्रसून कुमार ने तेलुगु भाषा में, राजकमल मुखर्जी ने बांग्ला भाषा में, अखिलेश कुमार ने भोजपुरी में, शोधार्थी गुरदीप ने हरियाणवी में, तिरु ने तमिल भाषा में अपनी कविताओं, किस्सों, कहानियों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि आज के कार्यक्रम ने हमारे देश के सामाजिक ताने-बाने, विविधता में एकता को परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाएं, अपनी अंतर्निहित समानताओं के माध्यम से हमें एक साथ बांधने का काम करती हैं।

भारतीय भाषा उत्सव के अवसर पर उपस्थित शिक्षक और विद्यार्थी। स्रोत : हकेंवि

हमारी भारतीय भाषाएं युगों-युगों से एक-दूसरे के साथ मिलकर, पूरक और पोषित होती रही हैं। भाषा सद्भाव को मजबूत करने, पड़ोसी भाषा से प्रेम करने और उसका आनंद लेने की प्रवृत्ति के साथ-साथ सीखने का माहौल विकसित करने की जरूरत है। कार्यक्रम में मंच का संचालन प्रियंका और सौरव ने किया। विभाग के सह आचार्य डॉ. कामराज सिंधु ने इस बात पर जोर दिया कि भाषाएं समाज के मन और ज्ञान को आकार देती हैं और लोगों को एक साथ लाती हैं। अंत में सह आचार्य डॉ. कमलेश कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कोहा सॉफ्टवेयर के प्रयोग से पुस्तकालयों में होगा परिवर्तन

संवाद न्यूज एजेंसी

हकेंवि में साप्ताहिकी कार्यशाला का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पुस्तकालय और सूचना विभाग की ओर से आयोजित साप्ताहिकी कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और समकुलपति प्रो. सुषमा यादव की ओर से किया गया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर के महत्व को बताते हुए कहा कि इस टेक्नोलॉजी ने विश्व में एक नया दौर तय किया है और पुस्तकालयों को भी इसमें शामिल होना चाहिए। पुस्तकालय को समृद्धि और सार्थकता प्रदान करने की दिशा में कोहा सॉफ्टवेयर का बहुत महत्व है। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कार्यशाला को महत्वपूर्ण बताते कहा कि कोहा सॉफ्टवेयर के प्रयोग से पुस्तकालयों में अद्वितीय परिवर्तन होगा। 15 दिसंबर तक आयोजित होने वाली इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि व वक्ता प्रो. रमेश चंद्र गौर ने कहा कि ओपन सोर्स टेक्नोलॉजी विश्वभर में क्रांति लेकर आई है और कोहा का पुस्तकालयों के संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला पुस्तकालय पेशेवरों को कोहा कार्यान्वित और उपयोग करने में सक्षम बनाएगी। कार्यशाला के संयोजक और पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीराम पांडेय ने बताया कि सभी पुस्तकालय को कोहा सॉफ्टवेयर की संभावना चाहिए और इसके उपयोग को अपने कार्य क्षेत्र में बढ़ावा दें।

कार्यशाला में विशेषज्ञों के रूप में उपस्थित डॉ. डीपी त्रिपाठी और डॉ. अमित ने कोहा सॉफ्टवेयर के उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन सानंद त्रिपाठी ने किया और कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अमित के द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह कार्यशाला ने ओपन सोर्स टेक्नोलॉजी और कोहा सॉफ्टवेयर के विकास और अनुप्रयोग में एक नई मील का पत्थर साबित होगी और इससे पुस्तकालय से जुड़े लोग अवश्य ही लाभान्वित होंगे।

हकेवि में भाषाई समरसता पर जोर दिया

हकेवि में भारतीय भाषा उत्सव के अवसर पर उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी।

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेवि में हिंदी विभाग की ओर से 'भारतीय भाषा उत्सव' के अवसर पर व्याख्यान एवं भारतीय भाषाओं में काव्यपाठ का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में समस्त भाषाओं में शिक्षा की व्यवस्था और भाषाई समरसता पर जोर दिया। वहीं विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने विभिन्न भारतीय भाषाओं में अपनी कविताओं, किस्सों, कहानियों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विवि के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि भारतीय भाषाएं, अपनी अंतर्निहित समानताओं के माध्यम से हमें एक साथ बांधने का काम करती हैं। मंच संचालन प्रियंका और सौरव ने किया। विभाग के सह आचार्य डॉ. कामराज सिंधु ने भी विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में सह आचार्य डॉ. कमलेश कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हकेंवि में मनाया गया 'भारतीय भाषा उत्सव'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के हिंदी विभाग द्वारा 'भारतीय भाषा उत्सव' के अवसर पर मंगलवार को व्याख्यान एवं भारतीय भाषाओं में काव्यपाठ का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों को भारत की समृद्ध भाषाई परम्परा को जानने-समझने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम की शुरुआत में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने बताया कि भारत के पास एक समृद्ध भाषाई विरासत है।

इन भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय एकता के लिए एक महान उपकरण के रूप में देखते हुए, देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को भारतीय भाषाओं के महत्व एवं इनके सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में समस्त भाषाओं में शिक्षा की व्यवस्था और भाषाई समरसता पर जोर दिया।

हकेंवि में भारतीय भाषा उत्सव के अवसर पर उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी • जागरण

आयोजन में काव्य पाठ हेतु आकांक्षा ने मैथिली भाषा में, गौतम कुमार मिश्रा व पुनीत ने मगही भाषा में, संगीता ने उड़िया, जिगर पटेल ने गुजराती, ईशा सिंह ने उर्दू, कृष्णा सिंह ने मलयालम, कुलदीप व शोधार्थी सुमन बाला ने राजस्थानी में भाषा में, यशपाल ने परमल रासो सुनाकर, मुनीश ने पंजाबी में, राकेश जोशी ने पहाड़ी में, बिजाई त्रिपुरा ने नेपाली भाषा में, प्रसून कुमार ने तेलुगु भाषा में, राजकमल मुखर्जी ने बांग्ला भाषा में, अखिलेश कुमार ने भोजपुरी में, शोधार्थी गुरदीप ने हरियाणवी में, तिरु ने तमिल भाषा में अपनी कविताओं, किस्सों व कहनियों को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि आज के कार्यक्रम ने हमारे देश के सामाजिक ताने-बाने व विविधता में एकता को परिभाषित किया।

उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाएं अपनी अंतर्निहित समानताओं के माध्यम से हमें एक साथ बांधने का काम करती हैं। हमारी भारतीय भाषाएं युगों-युगों से एक-दूसरे के साथ मिलकर, पूरक और पोषित होती रही हैं। 'भाषा सद्भाव' को मजबूत करने, 'पड़ोसी भाषा' से प्रेम करने और उसका आनंद लेने की प्रवृत्ति के साथ-साथ सीखने का माहौल विकसित करने की जरूरत है। कार्यक्रम में मंच का संचालन प्रियंका और सौरव ने किया। विभाग के सह आचार्य डा. कामराज सिंधु ने इस बात पर जोर दिया कि भाषाएं समाज के मन और ज्ञान को आकार देती हैं और लोगों को एक साथ लाती हैं। कार्यक्रम के अंत में सह आचार्य डा. कमलेश कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हकेंवि में मनाया गया भारतीय भाषा उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा भारतीय भाषा उत्सव के अवसर पर व्याख्यान एवं भारतीय भाषाओं में काव्यपाठ का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों को भारत की समृद्ध भाषाई परंपरा को जानने-समझने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम की शुरुआत में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने बताया कि भारत के पास एक समृद्ध भाषाई विरासत है। इन भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय एकता के लिए एक महान उपकरण के रूप में देखते हुए, देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को भारतीय भाषाओं के महत्व एवं इनके सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। आयोजन में काव्य पाठ हेतु आकांक्षा ने मैथिली भाषा में, गौतम कुमार मिश्रा व पुनीत ने मगही भाषा में, संगीता ने उड़िया भाषा में, जिगर पटेल ने गुजराती भाषा में, ईशा सिंह ने उर्दू भाषा में, कृष्णा सिंह ने मलयालमी भाषा में, कुलदीप व शोधार्थी सुमन बाला ने राजस्थानी में, यशपाल ने परमल रासो सुनाकर, मुनीश ने पंजाबी में, राकेश जोशी ने पहाड़ी में, बिजाई त्रिपुरा ने नेपाली भाषा में, प्रसून कुमार ने तेलुगु भाषा में, राजकमल मुखर्जी ने बांग्ला भाषा में, अखिलेश कुमार ने भोजपुरी में, शोधार्थी गुरदीप ने हरियाणवी में, तिरु ने तमिल भाषा में अपनी कविताओं, किस्सों, कहानियों को प्रस्तुत किया।

महेंद्रगढ़। भारतीय भाषा उत्सव के अवसर पर उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी।

भाषाएं समाज के मन और ज्ञान को आकार देती

कार्यक्रम के मुख्यातिथि विवि के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि आज के कार्यक्रम ने हमारे देश के सामाजिक ताने-बाने, विविधता में एकता को परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाएं, अपनी अंतर्निहित समानताओं के माध्यम से हमें एक साथ बांधने का काम करती हैं। कार्यक्रम में मंच संचालन प्रियंका और सौरव ने किया। विभाग सह आचार्य डॉ. कामराज सिंधु ने इस बात पर जोर दिया कि भाषाएं समाज के मन और ज्ञान को आकार देती हैं और लोगों को एक साथ लाती हैं। कार्यक्रम के अंत में सह आचार्य डॉ. कमलेश कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कोहा पर साप्ताहिक कार्यशाला की हुई शुरुआत

महेंद्रगढ़, 12 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पुस्तकालय एवं सूचना विभाग द्वारा आयोजित साप्ताहिकी कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और समकुलपति प्रो. सुषमा यादव के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर के महत्व को बताते हुए कहा कि इस टेक्नोलॉजी ने विश्व में एक नया दौर तय किया है और पुस्तकालयों को भी इसमें शामिल होना चाहिए।

पुस्तकालय को समृद्धि और सार्थकता प्रदान करने की दिशा में कोहा सॉफ्टवेयर का बहुत महत्व है। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कार्यशाला को महत्त्वपूर्ण बताते कहा कि कोहा सॉफ्टवेयर के प्रयोग से पुस्तकालयों में अद्वितीय परिवर्तन होगा। 15 दिसंबर तक आयोजित होने वाली इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि व वक्ता प्रो. रमेश चंद्र गौर ने कहा कि ओपन सोर्स टेक्नोलॉजी विश्वभर में क्रांति लेकर आई है और कोहा का पुस्तकालयों के संचालन में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला पुस्तकालय पेशेवरों को कोहा कार्यान्वित और उपयोग करने में सक्षम बनाएगी। कार्यशाला के संयोजक और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीराम पांडेय ने बताया कि सभी पुस्तकालय को कोहा सॉफ्टवेयर की संभावना चाहिए और इसके उपयोग को अपने कार्य क्षेत्र में बढ़ावा दें। कार्यशाला में विशेषज्ञों के रूप में उपस्थित डॉ. डी.पी. त्रिपाठी और डॉ. अमित ने कोहा सॉफ्टवेयर के उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन सानंद त्रिपाठी ने किया और कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अमित के द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह कार्यशाला ने ओपन सोर्स टेक्नोलॉजी और कोहा सॉफ्टवेयर के विकास और अनुप्रयोग में एक नई मील का पत्थर साबित होगी और इससे पुस्तकालय से जुड़े लोग अवश्य ही लाभान्वित होंगे।

हकेंवि में मनाया गया भारतीय भाषा उत्सव

महेंद्रगढ़, महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के हिंदी विभाग द्वारा 'भारतीय भाषा उत्सव' के अवसर पर व्याख्यान एवं भारतीय भाषाओं में काव्य पाठ का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों को भारत की समृद्ध भाषाई परम्परा को जानने-समझने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम की शुरुआत में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने बताया कि भारत के पास एक समृद्ध भाषाई विरासत है। इन भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय एकता के लिए एक महान उपकरण के रूप में देखते हुए, देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को भारतीय भाषाओं के महत्व एवं इनके सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में समस्त भाषाओं में शिक्षा की व्यवस्था और भाषाई समरसता पर जोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि आज के कार्यक्रम ने हमारे देश के सामाजकि ताने-बाने, विविधता में एकता को परिभाषित किया। भारतीय भाषाएं, अपनी अंतर्निहित समानताओं के माध्यम से हमें एक साथ बांधने का काम करती हैं। हमारी भारतीय भाषाएं युगों-युगों से एक-दूसरे के साथ मिलकर, पूरक और पोषित होती रही हैं। भाषा सद्भाव' को मजबूत करने, पड़ोसी भाषा' से प्रेम करने और उसका आनंद लेने की प्रवृत्ति के साथ-साथ सीखने का माहौल विकसित करने की जरूरत है।

मोटा अनाज स्वास्थ्य के लिए लाभदायक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ की नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) इकाई 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी की ओर से अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को यूनिट के एएनओ डॉ. रमेश कुमार ने संबोधित किया। डॉ. रमेश कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि हमारे देश में किसानों के लिए किस तरह से यह वर्ष अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में महत्वपूर्ण है। उन्होंने मोटा अनाज बाजरा से मिलने वाले प्रोटीन, फाइबर, विटामिन बी, कैल्शियम, आयरन, जिंक आदि पोषक तत्वों की जानकारी भी प्रतिभागियों को दी। डॉ. रमेश कुमार ने कहा कि इनका नियमित सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत बनता है। यह वजन एवं डायबिटीज को कंट्रोल करता है और हृदय संबंधी बीमारियों से भी निजात मिलती है। संवाद

'गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए कड़ी मेहनत करें शोधार्थी'

मीडिया शोध संरचना विषय पर व्याख्यान का आयोजन

जागरण संवाददाता, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में मीडिया शोध संरचना विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के सामाजिक संकाय अधिष्ठाता प्रो. मनोज दयाल कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। दयाल ने कहा कि मीडिया शोध के क्षेत्र में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए आपार संभावनाएं हैं। अगर शोधार्थी कड़ी मेहनत करें तो न केवल वे मीडिया शोध के क्षेत्र में अच्छा करियर बना सकते हैं बल्कि अपने शोध की गुणवत्ता से विषय में भी कुछ नया जोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया शोध के क्षेत्र में निरंतर बदलाव हो रहा है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रो. मनोज के साथ शिक्षक एवं शोधार्थी • जागरण

प्रो. दयाल ने कहा कि शोध अभिकल्प शोध की आत्मा है। उन्होंने एक पत्रकार और शोधकर्ता के बीच अंतर के बारे में विस्तार से बात करते हुए मीडिया शोध के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हर जांचकर्ता शोधकर्ता नहीं हैं। अनुसंधान शब्द फ्रांसीसी शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ वैज्ञानिक जांच है और यदि किसी चीज में तार्किक निष्पक्षता और तुलनीयता शामिल नहीं है तो वह शोध नहीं है।

उन्होंने कहा कि जो शोधार्थी अपने मार्गदर्शक पर कम से कम निर्भर होता है, वह एक अच्छा शोधार्थी होता है। इससे पूर्व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने कहा कि उनके उद्बोधन से विभाग के शोधार्थी लाभांवित होंगे।

विभाग से अच्छे मीडिया व्यवसायी तैयार होने के साथ साथ मीडिया शोधार्थी भी तैयार हो उसी दिशा में विभाग प्रयास कर रहा है। कार्यक्रम के अंत में विभाग की सहायक आचार्य डा. भारती बत्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डा. पंकज कुमार, डा. सुरेंद्र, डा. नीरज कर्ण सिंह व आलेख सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'मोटा अनाज का उत्पादन किसानों के लिए उपयोगी'

जागरण संवाददाता, नारनौल: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) की नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) इकाई 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी द्वारा अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को यूनिट के एएनओ डा. रमेश कुमार ने संबोधित किया। डा. कुमार ने बताया कि हमारे देश में किसानों के लिए किस तरह से यह वर्ष अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में महत्वपूर्ण है। उन्होंने मोटा आनाज जैसे बाजरा इत्यादि से मिलने वाले प्रोटीन, फाइबर, विटामिन बी, कैल्शियम, आयरन व जिंक आदि पोषक तत्वों की जानकारी भी प्रतिभागियों को दी। उन्होंने कहा कि इनका नियमित सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत बनता है, यह वजन एवं डायबिटीज को कंट्रोल करता है और हृदय संबंधी बीमारियों से भी निजात मिलती है। इसलिए मोटा अनाज का ज्यादा से ज्यादा उत्पादन किसानों के लिए और सभी देशवासियों के लिए बहुत ही उपयोगी है। कार्यक्रम में एनसीसी यूनिट के डिप्टी एएनओ डा. नरेश कुमार के साथ 30 से अधिक एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए • जागरण

गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए कड़ी मेहनत करें शोधार्थी- प्रो. मनोज दयाल

-पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शोध संरचना पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में मीडिया शोध संरचना विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। गुरू जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के सामाजिक संकाय अधिष्ठाता प्रो. मनोज दयाल कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को संबोधित करते हुए प्रो. मनोज दयाल ने कहा कि मीडिया शोध के क्षेत्र में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए आपार संभावनाएं हैं। अगर शोधार्थी कड़ी मेहनत करें तो न केवल वे मीडिया शोध के क्षेत्र में अच्छा कॅरियर बना सकते हैं बल्कि अपने शोध की गुणवत्ता से विषय में भी कुछ नया जोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया शोध के क्षेत्र में निरंतर बदलाव हो रहा है। प्रो. दयाल ने कहा कि शोध अभिकल्प शोध की आत्मा है। उन्होंने एक पत्रकार और शोधकर्ता के बीच अंतर के बारे में विस्तार से बात करते हुए मीडिया शोध के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हर जांचकर्ता शोधकर्ता नहीं हैं। अनुसंधान शब्द फ्रांसीसी शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ वैज्ञानिक जांच है और यदि किसी चीज में तार्किक निष्पक्षता और तुलनीयता शामिल नहीं है तो वह शोध नहीं है। उन्होंने कहा कि जो शोधार्थी अपने मार्गदर्शक पर कम से कम निर्भर होता है, वह एक अच्छा शोधार्थी होता है। इससे पूर्व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि उनके उदबोधन से विभाग के शोधार्थी लाभांवित होंगे। विभाग से अच्छे मीडिया व्यवसायी तैयार होने के साथ साथ मीडिया शोधार्थी भी तैयार हों उसी दिशा में विभाग प्रयास कर रहा है। कार्यक्रम के अंत में विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भारती बत्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, आलेख सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष पर जागरूकता कार्यक्रम

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) इकाई 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी द्वारा अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को यूनिट के एएनओ डॉ. रमेश कुमार ने संबोधित किया। डॉ. रमेश कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि हमारे देश में किसानों के लिए किस तरह से यह वर्ष अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में महत्वपूर्ण है। उन्होंने मोटा आनाज जैसे बाजरा, इत्यादि से मिलने वाले प्रोटीन, फाइबर, विटामिन बी, कैल्शियम, आयरन, जिंक आदि पोषक तत्वों की जानकारी भी प्रतिभागियों को दी। डॉ. रमेश कुमार ने कहा कि इनका नियमित सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत बनता है, यह वजन एवं डायबिटीज को कंट्रोल करता है और हृदय संबंधी बीमारियों से भी निजात मिलती है। इसलिए मोटा अनाज का ज्यादा से ज्यादा उत्पादन किसानों के लिए और सभी देशवासियों के लिए बहुत ही उपयोगी है। कार्यक्रम में एनसीसी यूनिट के डिप्टी एएनओ डॉ. नरेश कुमार के साथ 30 से अधिक एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डिप्टी एएनओ डॉ. नरेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। हरियाणा राज्य नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्युरो युनिट रेवाड़ी ने ऑपरेशन आक्रमण के तहत हरियाणा राजस्थान खेड़ा बॉर्डर पर जॉन डॉग के साथ सर्च अभियान चलाया गया ।

गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए कड़ी मेहनत करें शोधार्थी : प्रो. मनोज दयाल

हकेवि में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शोध संरचना पर विशेष व्याख्यान का आयोजन।

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में मीडिया शोध संरचना विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। गुरू जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के सामाजिक संकाय अधिष्ठाता प्रो. मनोज दयाल कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को संबोधित करते हुए प्रो. मनोज दयाल ने कहा कि मीडिया शोध के क्षेत्र में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए अपार संभावनाएं हैं। अगर शोधार्थी कड़ी मेहनत करें तो न केवल वे मीडिया शोध के क्षेत्र में अच्छा कॅरियर बना सकते हैं, बल्कि अपने शोध की गुणवत्ता से विषय में भी कुछ नया जोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया शोध के क्षेत्र में निरंतर बदलाव हो रहा है।

प्रो. दयाल ने कहा कि शोध अभिकल्प शोध की आत्मा है। उन्होंने एक पत्रकार और शोधकर्ता के बीच अंतर के बारे में विस्तार से बात करते हुए मीडिया शोध के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हर जांचकर्ता शोधकर्ता नहीं हैं। अनुसंधान शब्द फ्रांसीसी शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ वैज्ञानिक जांच है और यदि किसी चीज में तार्किक निष्पक्षता और तुलनीयता शामिल नहीं है तो वह शोध नहीं है।

उन्होंने कहा कि जो शोधार्थी अपने मार्गदर्शक पर कम से कम निर्भर होता है, वह एक अच्छा शोधार्थी होता है। इससे पूर्व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि उनके उदबोधन से विभाग के शोधार्थी लाभांवित होंगे। विभाग से अच्छे मीडिया व्यवसायी तैयार होने के साथ साथ मीडिया शोधार्थी भी तैयार हों उसी दिशा में विभाग प्रयास कर रहा है। कार्यक्रम के अंत में विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भारती बत्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, आलेख सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए कड़ी मेहनत करें शोधार्थी

महेंद्रगढ़। गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में मीडिया शोध संरचना विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि हिसार के सामाजिक संकाय अधिष्ठाता प्रो. मनोज दयाल कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने ने कहा कि मीडिया शोध के क्षेत्र में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए आपार संभावनाएं हैं।

हकेंवि में मोटे अनाज पर जागरूकता कार्यक्रम

- कर्यक्रम में मोटा अनाज से होने वाले फायदों को बताया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) इकाई 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को यूनिट के एएनओ डॉ. रमेश कुमार ने संबोधित किया। डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि हमारे देश में किसानों के लिए किस तरह से यह वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में महत्वपूर्ण है। उन्होंने मोटा आनाज जैसे बाजरा इत्यादि से मिलने वाले प्रोटीन, फाइबर, विटामिन बी, कैल्शियम, आयरन, जिंक आदि पोषक तत्वों की जानकारी भी प्रतिभागियों को दी। डॉ. रमेश कुमार ने कहा कि इनका नियमित सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत बनता है, यह वजन एवं डायबिटीज को कंट्रोल करता है और हृदय संबंधी बीमारियों से भी निजात मिलती है। इसलिए मोटा अनाज का ज्यादा से ज्यादा उत्पादन किसानों के लिए और सभी देशवासियों के लिए बहुत ही उपयोगी है। कार्यक्रम के अंत में डिप्टी एएनओ डॉ. नरेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता। फोटो : हरिभूमि

गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए कड़ी मेहनत करें शोधार्थी : प्रो. मनोज दयाल

● पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शोध संरचना पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में मीडिया शोध संरचना विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। गुरू जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के सामाजिक संकाय अधिष्ठाता प्रो. मनोज दयाल कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को संबोधित करते हुए प्रो. मनोज दयाल ने कहा कि मीडिया शोध के क्षेत्र में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए आपार संभावनाएं हैं। अगर शोधार्थी कड़ी मेहनत करें तो न केवल वे मीडिया शोध के क्षेत्र में अच्छा कॅरियर बना सकते हैं बल्कि अपने शोध की गुणवत्ता से विषय में भी कुछ नया जोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया शोध के क्षेत्र में निरंतर बदलाव हो रहा है।

प्रो. दयाल ने कहा कि शोध अभिकल्प शोध की आत्मा है। उन्होंने एक पत्रकार और शोधकर्ता के बीच अंतर के बारे में विस्तार से बात करते हुए मीडिया शोध के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हर जांचकर्ता शोधकर्ता नहीं हैं। अनुसंधान शब्द फ्रांसीसी शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ वैज्ञानिक जांच है और यदि किसी चीज में तार्किक निष्पक्षता और तुलनीयता शामिल नहीं है तो वह शोध नहीं है। उन्होंने कहा कि जो शोधार्थी अपने मार्गदर्शक पर कम से कम निर्भर होता है, वह एक अच्छा शोधार्थी होता है। इससे पूर्व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि उनके उदबोधन से विभाग के शोधार्थी लाभांवित होंगे। विभाग से अच्छे मीडिया व्यवसायी तैयार होने के साथ साथ मीडिया शोधार्थी भी तैयार हों उसी दिशा में विभाग प्रयास कर रहा है। कार्यक्रम के अंत में विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भारती बत्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, आलेख सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शोध संरचना पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

प्रो. मनोज दयाल के साथ विभाग के शिक्षक एवं शोधार्थी।

महेंद्रगढ़, 14 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में मीडिया शोध संरचना विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। गुरू जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के सामाजिक संकाय अधिष्ठाता प्रो. मनोज दयाल कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को संबोधित करते हुए प्रो. मनोज दयाल ने कहा कि मीडिया शोध के क्षेत्र में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए आपार संभावनाएं हैं। अगर शोधार्थी कड़ी मेहनत करें तो न केवल वे मीडिया शोध के क्षेत्र में अच्छा कॅरियर बना सकते हैं बल्कि अपने शोध की गुणवत्ता से विषय में भी कुछ नया जोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया शोध के क्षेत्र में निरंतर बदलाव हो रहा है।

प्रो. दयाल ने कहा कि शोध अभिकल्प शोध की आत्मा है। उन्होंने एक पत्रकार और शोधकर्ता के बीच अंतर के बारे में विस्तार से बात करते हुए मीडिया शोध के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हर जांचकर्ता शोधकर्ता नहीं हैं। अनुसंधान शब्द फ्रांसीसी शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ वैज्ञानिक जांच है और यदि किसी चीज में तार्किक निष्पक्षता और तुलनीयता शामिल नहीं है तो वह शोध नहीं है। इससे पूर्व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि उनके उदबोधन से विभाग के शोधार्थी लाभांवित होंगे। कार्यक्रम के अंत में विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भारती बत्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र, डा. नीरज कर्ण सिंह, आलेख सहित शोधार्थी उपस्थित रहे।

नवोदय टाइम्स Fri, 15 December 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/7411632

हकेवि में अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 14 दिसम्बर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) इकाई 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी द्वारा अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को यूनिट के एएनओ डॉ. रमेश कुमार ने संबोधित किया। डॉ. रमेश कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि हमारे देश में किसानों के लिए किस तरह से यह वर्ष अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में महत्वपूर्ण है। उन्होंने मोटा आनाज जैसे बाजरा, इत्यादि से मिलने वाले प्रोटीन, फाइबर, विटामिन बी, कैल्शियम, आयरन, जिंक आदि पोषक तत्वों की जानकारी भी प्रतिभागियों को दी। डॉ. रमेश कुमार ने कहा कि इनका नियमित सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत बनता है, यह वजन एवं डायबिटीज को कंट्रोल करता है और हृदय संबंधी बीमारियों से भी निजात मिलती है। इसलिए मोटा अनाज का ज्यादा से ज्यादा उत्पादन किसानों के लिए और सभी देशवासियों के लिए बहुत ही उपयोगी है। कार्यक्रम में एनसीसी यूनिट के डिप्टी एएनओ डॉ. नरेश कुमार के साथ 30 से अधिक एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डिप्टी एएनओ डॉ. नरेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते डॉ. रमेश कुमार।

नवोदय टाइम्स Fri, 15 December 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/74116310

हकेंवि में विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में रविवार 17 दिसंबर को विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा प्रदेश के विभिन्न स्कूलों से कक्षा छह से ग्यारहवीं के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षिणक खंड एक में आयोजित इस कार्यक्रम के समापन सत्र को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से यह आयोजन बेहद महत्वपूर्ण है। कुलपति ने कहा कि आयोजन में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थियों की उपस्थिति आयोजन की सफलता की परिचायक है। कुलपति ने विकसित भारत एट 2047 का उल्लेख करते हुए कहा कि विकसित भारत के

निर्माण में युवाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने व्यक्ति निर्माण पर जोर देते हुए विकसित भारत के निर्माण में युवाओं को उनकी भूमिका से अवगत कराने का भी शिक्षण संस्थानों से आह्वान किया। कुलपति ने इस सफल आयोजन के लिए सभी आयोजन समिति के सदस्यों की सराहना की। विज्ञान भारती, हरियाणा की उपाध्यक्ष व हकेवि के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन (वीवीएम) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के सहयोग से विज्ञान भारती (वीआईबीएचए) की एक पहल है। वीवीएम छठी से ग्यारहवीं कक्षा के स्कूली विद्यार्थियों के बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसके अंतर्गत वैज्ञानिक योग्यता रखने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान की जाती है। इसी क्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन किया गया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि हमें तकनीकी मोर्चे पर बहुत तेजी से आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन की राज्य संयोजिका डॉ. रश्मि पुंडीर ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शिक्षकों व स्वयंसेवको का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। समापन सत्र में विद्यार्थी विज्ञान मंथन की शैक्षणिक समिति के सदस्य श्री मनोरंजन कुमार ने भी विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। कार्यक्रम का आयोजन विभा के सहयोग से किया गया। इस आयोजन में विभा, हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, विद्यार्थी विज्ञान मंथन की राज्य संयोजिका डॉ. रश्मि पुंडीर और सह संयोजक प्रो.विनोद कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

विज्ञान मंथन में विद्यार्थियों ने की दिमाग की कसरत

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुआ प्रतियोगिता का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में रविवार को विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन किया गया। हरियाणा प्रदेश के विभिन्न स्कूलों से छठी से 11वीं के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक में आयोजित इस कार्यक्रम के समापन सत्र को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से यह आयोजन बेहद महत्वपूर्ण है।

आयोजन में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थियों की उपस्थिति आयोजन की सफलता की परिचायक है। कुलपति ने विकसित भारत एट 2047 का उल्लेख करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने व्यक्ति निर्माण पर जोर देते हुए विकसित भारत के निर्माण में युवाओं को उनकी भूमिका से अवगत कराने का भी शिक्षण संस्थानों से आह्वान किया। कुलपति ने इस सफल आयोजन के लिए सभी आयोजन समिति के सदस्यों की सराहना की। विज्ञान भारती, हरियाणा की उपाध्यक्ष व हकेंवि के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन (वीवीएम) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के सहयोग से विज्ञान भारती (वीआईबीएचए) की एक पहल है। वीवीएम छठी से ग्यारहवीं कक्षा के स्कूली विद्यार्थियों के बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है।

इसके अंतर्गत वैज्ञानिक योग्यता रखने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान की जाती है। इसी क्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन किया गया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि हमें तकनीकी मोर्चे पर बहुत तेजी से आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन की राज्य संयोजिका डॉ. रश्मि पुंडीर ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शिक्षकों व स्वयंसेवकों का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस आयोजन में विभा, हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, विद्यार्थी विज्ञान मंथन की राज्य संयोजिका डॉ. रश्मि पुंडीर और सह संयोजक प्रो. विनोद कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

विजेता विद्यार्थियों के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और आयोजक। स्रोत : विवि

हकेंवि में विज्ञान के प्रति रूचि बढ़ाने पर हुआ मंथन

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेन्द्रगढ़ में रविवार को विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन किया गया। प्रदेश के विभिन्न स्कूलों से कक्षा छह से ग्यारहवीं के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रूचि विकसित करने के उद्देश्य से यह आयोजन बेहद महत्वपूर्ण है। कुलपति ने विकसित भारत एट 2047 का उल्लेख करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी।

विज्ञान भारती, हरियाणा की उपाध्यक्ष व हकेंवि के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के सहयोग से विज्ञान भारती (वीआईबीएचए) की एक पहल है।

राज्य संयोजिका डॉ. रश्मि पुंडीर ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शिक्षकों व स्वयंसेवकों का आभार जताया। मनोरंजन कुमार ने भी विद्यार्थियों के साथ संवाद किया।

'विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), में रविवार को विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा प्रदेश के विभिन्न स्कूलों से कक्षा छह से ग्यारहवीं के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से यह आयोजन बेहद महत्वपूर्ण है। कुलपति ने कहा कि आयोजन में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थियों की उपस्थिति आयोजन की सफलता की परिचायक है।

कुलपति ने विकसित भारत एट 2047 का उल्लेख करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने व्यक्ति निर्माण पर जोर देते हुए विकसित भारत के निर्माण में युवाओं को उनकी भूमिका से अवगत कराने का भी शिक्षण संस्थानों से आह्वान किया। कुलपति ने इस सफल आयोजन के लिए सभी आयोजन समिति के सदस्यों की सराहना की।

- आयोजन के लिए सभी ने समिति के सदस्यों की सराहना की
- विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया

कार्यक्रम मुख्य अतिथि प्रो . टंकेश्वर को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए • सौ. प्रवक्ता

विज्ञान भारती, हरियाणा की उपाध्यक्ष व हकेवि के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन (वीवीएम) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के सहयोग से विज्ञान भारती (वीआइबीएचए) की एक पहल है।

वीवीएम छठी से ग्यारहवीं कक्षा के स्कूली विद्यार्थियों के बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसके अंतर्गत वैज्ञानिक योग्यता रखने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान की जाती है। इसी क्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन किया गया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि हमें तकनीकी मोर्चे पर बहुत तेजी से आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन की राज्य संयोजिका डा. रश्मि पुंडीर ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शिक्षकों व स्वयंसेवको का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। समापन सत्र में विद्यार्थी विज्ञान मंथन की शैक्षणिक समिति के सदस्य श्री मनोरंजन कुमार ने भी विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। कार्यक्रम का आयोजन विभा के सहयोग से किया गया। इस आयोजन में विभा, हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, विद्यार्थी विज्ञान मंथन की राज्य संयोजिका डा. रश्मि पुंडीर और सह संयोजक प्रो.विनोद कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

हरियाणा केंद्रीय विवि में हुआ विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेन्द्रगढ़ में रविवार 17 दिसंबर को विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा प्रदेश के विभिन्न स्कूलों से कक्षा छह से ग्यारहवीं के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षिणक खंड एक में आयोजित इस कार्यक्रम के समापन सत्र को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। प्रो.टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से यह आयोजन बेहद महत्वपूर्ण है। कुलपति ने कहा कि आयोजन में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थियों की उपस्थिति आयोजन की सफलता की परिचायक है। कुलपति ने विकसित भारत एट 2047 का उल्लेख करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने व्यक्ति निर्माण पर जोर देते हुए विकसित भारत के निर्माण में युवाओं को उनकी भूमिका से अवगत कराने का भी शिक्षण संस्थानों से आह्वान किया। कुलपति ने इस सफल आयोजन के लिए सभी आयोजन समिति के सदस्यों की सराहना की।

विज्ञान भारती, हरियाणा की उपाध्यक्ष व हकेवि के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन (वीवीएम) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के सहयोग से विज्ञान भारती (वीआईबीएचए) की एक पहल है। वीवीएम छठी से ग्यारहवीं कक्षा के स्कूली विद्यार्थियों के बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसके अंतर्गत वैज्ञानिक योग्यता रखने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान की जाती है। इसी क्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन किया गया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि हमें तकनीकी मोर्चे पर बहुत तेजी से आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन की राज्य संयोजिका डॉ. रश्मि पुंडीर ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शिक्षकों व स्वयंसेवको का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। समापन सत्र में विद्यार्थी विज्ञान मंथन की शैक्षणिक समिति के सदस्य श्री मनोरंजन कुमार ने भी विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। कार्यक्रम का आयोजन विभा के सहयोग से किया गया। इस आयोजन में विभा, हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, विद्यार्थी विज्ञान मंथन की राज्य संयोजिका डॉ. रश्मि पुंडीर और सह संयोजक प्रो.विनोद कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

19 Dec 2023

स्कूली विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

हकेंवि में विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रविवार को विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा प्रदेश के विभिन्न स्कूलों से कक्षा छह से 11वीं के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षिणक खंड एक में आयोजित इस कार्यक्रम के समापन सत्र को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में संबोधित किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से यह आयोजन बेहद महत्वपूर्ण है। कुलपति ने कहा कि आयोजन में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थियों की उपस्थिति आयोजन की सफलता की परिचायक है। कुलपति ने विकसित भारत एट 2047 का उल्लेख करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

महेंद्रगढ़। विजेता विद्यार्थियों के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व आयोजक।

युवाओं को उनकी भूमिका से करवाएं अवगत

उन्होंने व्यक्ति निर्माण पर जोर देते हुए विकसित भारत के निर्माण में युवाओं को उनकी भूमिका से अवगत कराने का भी शिक्षण संस्थानों से आह्वान किया। कुलपति ने इस सफल आयोजन के लिए सभी आयोजन समिति के सदस्यों की सराहना की। विज्ञान भारती, हरियाणा की उपाध्यक्ष व हकेवि के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन (वीवीएम) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के सहयोग से विज्ञान भारती (वीआईबीएचए) की एक पहल है। वीवीएम छठी से 11वीं कक्षा के स्कूली विद्यार्थियों के बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसके अंतर्गत वैज्ञानिक योग्यता रखने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान की जाती है। इसी क्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन किया गया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि हमें तकनीकी मोर्चे पर बहुत तेजी से आगे बढ़ने की आवश्यकता है। विद्यार्थी विज्ञान मंथन की राज्य संयोजिका डॉ. रश्मि पुंडीर ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शिक्षकों व स्वयंसेवकों का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

केवी में हुआ विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन

■ **स्कूली विद्यार्थियों के लिए किया गया विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन**

महेंद्रगढ़, 17 दिसम्बर (विजय कौशिक): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ में आज विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा प्रदेश के विभिन्न स्कूलों से कक्षा छह से ग्यारहवीं के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के शैक्षिणक खंड एक में आयोजित इस कार्यक्रम के समापन सत्र को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। प्रो.टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से यह आयोजन बेहद महत्वपूर्ण है। कुलपति ने कहा कि आयोजन में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थियों की उपस्थिति आयोजन की सफलता की परिचायक है। कुलपति ने विकसित भारत एट 2047 का उल्लेख करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने व्यक्ति निर्माण पर जोर देते हुए विकसित भारत के निर्माण में युवाओं को उनकी भूमिका से अवगत कराने का भी शिक्षण संस्थानों से आह्वान किया। कुलपति ने इस सफल आयोजन के लिए सभी आयोजन समिति के सदस्यों की सराहना की।

विज्ञान भारती, हरियाणा की उपाध्यक्ष व हकेवि के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन (वीवीएम) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के सहयोग से विज्ञान भारती (वीआईबीएचए) की एक पहल है।

वीवीएम छठी से ग्यारहवीं कक्षा के स्कूली विद्यार्थियों के बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसके अंतर्गत वैज्ञानिक योग्यता रखने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान की जाती है। इसी क्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन किया गया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि हमें तकनीकी मोर्चे पर बहुत तेजी से आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन की राज्य संयोजिका डॉ. रश्मि पुंडीर ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शिक्षकों व स्वयंसेवको का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। समापन सत्र में विद्यार्थी विज्ञान मंथन की शैक्षणिक समिति के सदस्य श्री मनोरंजन कुमार ने भी विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। कार्यक्रम का आयोजन विभा के सहयोग से किया गया। इस आयोजन में विभा, हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, विद्यार्थी विज्ञान मंथन की राज्य संयोजिका डॉ. रश्मि पुंडीर और सह संयोजक प्रो. विनोद कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेगी हकेवि की छात्रा काजल

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की स्वयंसेविका काजल का चयन आगामी 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंस से काजल के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि काजल ने अपनी इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है व उनके चयन से अन्य स्वयंसेवकों को भी जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। बता दें कि काजल गणतंत्र दिवस परेड में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को सलामी देगी।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए लंबी चयन परीक्षा से गुजरना होता है, जिसके तहत स्वयंसेवक को परेड, शारीरिक कौशल व सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। उन्होंने बताया कि काजल का प्री-रिपब्लिक डे परेड कैंप 24 अक्टूबर से 3 नवंबर 2023 तक मनोहर मेमोरियल कॉलेज फतेहाबाद, हरियाणा में लिए चयन हुआ था, जिसके बाद उनका चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है।

काजल ने विश्वविद्यालय में आयोजित हुए रक्तदान शिविर व वृक्षारोपण जैसे बहुत सारे अभियानों में अहम भागीदारी निभाई है। प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेना हर स्वयंसेवक का सपना होता है। काजल के पिता श्री सत्यवीर ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि काजल अपनी परिवार की पहली व्यक्ति है, जिसे कर्त्तव्य पथ पर परेड करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है और महेंद्रगढ़ से किसी छात्रा का राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत गणतंत्र दिवस परेड शिविर में चयन पहली बार हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, माता पिता, शिक्षकगणों के आशीर्वाद व साथियों के सहयोग से यह सपना साकार होने जा रहा है। हकेवि एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, डॉ. रेणु ने काजल को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी।

गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रपति को सलामी देगी छात्रा काजल

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ छात्रा काजल। स्रोत : विवि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की स्वयंसेविका काजल का चयन 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बीवॉक बायोमेडिकल साइंस से काजल के चयन पर कहा कि काजल ने अपनी इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है व उनके चयन से अन्य स्वयंसेवकों को भी जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।

काजल गणतंत्र दिवस परेड में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सलामी देगी। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए लंबी चयन परीक्षा से गुजरना होता है, जिसके तहत स्वयंसेवक को परेड, शारीरिक कौशल व सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। उन्होंने बताया कि काजल का गणतंत्र दिवस परेड कैंप 24 अक्तूबर से 3 नवंबर 2023 तक मनोहर मेमोरियल कॉलेज फतेहाबाद, हरियाणा में लिए चयन हुआ था, जिसके बाद उनका चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है।

प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेना हर स्वयंसेवक का सपना होता है। काजल के पिता सत्यवीर ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि काजल अपनी परिवार की पहली व्यक्ति है, जिसे कर्त्तव्य पथ पर परेड करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेगी हकेवि की छात्रा काजल

भेदी नजर/ अशोक कुमार कौशिक नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की स्वयंसेविका काजल का चयन आगामी 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंस से काजल के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि काजल ने अपनी इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है व उनके चयन से अन्य स्वयंसेवकों को भी जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। बता दें कि काजल गणतंत्र दिवस परेड में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को सलामी देगी।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए लंबी चयन परीक्षा से गुजरना होता है, जिसके तहत स्वयंसेवक को परेड, शारीरिक कौशल व सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। उन्होंने बताया कि काजल का प्री-रिपब्लिक डे परेड कैंप 24 अक्टूबर से 3 नवंबर 2023 तक मनोहर मेमोरियल कॉलेज फतेहाबाद, हरियाणा में लिए चयन हुआ था, जिसके बाद उनका चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। काजल ने विश्वविद्यालय में आयोजित हुए रक्तदान शिविर व वृक्षारोपण जैसे बहुत सारे अभियानों में अहम भागीदारी निभाई है। प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेना हर स्वयंसेवक का सपना होता है। काजल के पिता श्री सत्यवीर ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि काजल अपनी परिवार की पहली व्यक्ति है, जिसे कर्तव्य पथ पर परेड करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है और महेंद्रगढ़ से किसी छात्रा का राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत गणतंत्र दिवस परेड शिविर में चयन पहली बार हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, माता पिता, शिक्षकगणों के आशीर्वाद व साथियों के सहयोग से यह सपना साकार होने जा रहा है। हकेवि एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, डॉ. रेणु ने काजल को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी।

गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेगी काजल

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ की एनएसएस स्वयंसेविका काजल का चयन 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंस से काजल के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि काजल ने अपनी इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है व उनके चयन से अन्य स्वयंसेवकों को भी जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। बता दें कि काजल गणतंत्र दिवस परेड में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सलामी देगी। एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए लंबी चयन परीक्षा से गुजरना होता है, जिसके तहत स्वयंसेवक को परेड, शारीरिक कौशल व सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है।

काजल के पिता सत्यवीर, हकेंवि एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम, प्रो. दिनेश चहल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, डॉ. रेणु ने इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी।

गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा बनेगी छात्रा काजल

- काजल गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को देगी सलामी
- परेड में हिस्सा लेने के लिए लंबी चयन परीक्षा से गुजरना होता है

गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयन होने के बाद कुलपति से मिलती छात्रा काजल • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की स्वयंसेविका काजल का चयन आगामी 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बीवाक बायोमेडिकल साइंस से काजल के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि काजल ने अपनी इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है व उनके चयन से अन्य स्वयंसेवकों को भी जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। बता दें कि काजल गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सलामी देगी।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक डा. प्रदीप कुमार ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए लंबी चयन परीक्षा से गुजरना होता है, जिसके तहत स्वयंसेवक को परेड, शारीरिक कौशल व सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। उन्होंने बताया कि काजल का प्री-रिपब्लिक डे परेड कैंप 24 अक्टूबर से तीन नवंबर तक मनोहर मेमोरियल कालेज फतेहाबाद, हरियाणा में लिए चयन हुआ था, जिसके बाद उनका चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। काजल ने विश्वविद्यालय में आयोजित हुए रक्तदान शिविर व पौधारोपण जैसे बहुत सारे अभियानों में अहम भागीदारी निभाई है। प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि इस परेड में हिस्सा लेना हर स्वयंसेवक का सपना होता है।

काजल के पिता सत्यवीर ने कहा कि काजल अपनी परिवार की पहली व्यक्ति है, जिसे कर्त्तव्य पथ पर परेड करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है और महेंद्रगढ़ से किसी छात्रा का राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत गणतंत्र दिवस परेड शिविर में चयन पहली बार हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, माता पिता, शिक्षकगणों के आशीर्वाद व साथियों के सहयोग से यह सपना साकार होने जा रहा है। हकेंवि एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डा. नीलम, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, डा. रेणु ने काजल को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं।

गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेगी हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा काजल

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे/ नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की स्वयंसेविका काजल का चयन आगामी 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंस से काजल के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि काजल ने अपनी इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है व उनके चयन से अन्य स्वयंसेवकों को भी जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।

गौरतलब है कि काजल गणतंत्र दिवस परेड में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सलामी देगी।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए लंबी चयन परीक्षा से गुजरना होता है, जिसके तहत स्वयंसेवक को परेड, शारीरिक कौशल व सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। उन्होंने बताया कि काजल का प्री-रिपब्लिक डे परेड कैंप 24 अक्टूबर से 3 नवंबर 2023 तक मनोहर मेमोरियल कॉलेज फतेहाबाद, हरियाणा में लिए चयन हुआ था, जिसके बाद उनका चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। काजल ने विश्वविद्यालय में आयोजित हुए रक्तदान शिविर व वृक्षारोपण जैसे बहुत सारे अभियानों में अहम भागीदारी निभाई है। प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेना हर स्वयंसेवक का सपना होता है।

CUH student Kajal will participate in the Republic Day Parade

Dipesh Kumar
info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH : Kajal, a volunteer of National Service Scheme (NSS) of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, has been selected for the Republic Day Parade to be held on 26th January. Expressing happiness over Kajal's selection from B.Voc Biomedical Sciences, the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar said that Kajal has brought glory to the University with her achievement and her selection will also inspire other volunteers to perform better in life. Dr. Pradeep Kumar, coordinator of the NSS unit of the University, said that to participate in the Republic Day parade, one has to go through a long selection examination, under which the volunteer has to

perform best in parade, physical skills and cultural activities. He told that Kajal was selected for the Pre-Republic Day Parade Camp from 24 October to 3 November 2023 at Manohar Memorial College, Fatehabad, Haryana, after which she has been selected for the Republic Day Parade. Kajal has played an important role in many campaigns organized in the University like blood donation camp and tree plantation. Prof. Dinesh Chahal said that it is the dream of every volunteer to participate in the Republic Day Parade. Expressing happiness over this achievement, Kajal's father Mr. Satyaveer said that Kajal is the first person in his family who has got the privilege of parading on the duty path and for the first time any girl student from Mahendragarh has been included in the Republic Day Parade Camp under the National Service Scheme. This dream is going to come true with the blessings of the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar, parents, teachers and support of colleagues. Program Officer of CUH NSS Unit, Dr. Neelam, Dean Student Welfare, Prof. Anand Sharma, Dr. Renu congratulated Kajal on this achievement.

गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेगी छात्रा काजल

महेंद्रगढ़, 18 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविका काजल का चयन आगामी 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंस से काजल के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि काजल ने अपनी इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है व उनके चयन से अन्य स्वयंसेवकों को भी जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। बता दें कि काजल गणतंत्र दिवस परेड में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को सलामी देगी। एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए लंबी चयन परीक्षा से गुजरना होता है, जिसके तहत स्वयंसेवक को परेड, शारीरिक कौशल व सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। उन्होंने बताया कि काजल का प्री-रिपब्लिक डे परेड कैंप 24 अक्टूबर से 3 नवंबर 2023 तक मनोहर मेमोरियल कॉलेज फतेहाबाद, हरियाणा में लिए चयन हुआ था, जिसके बाद उनका चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। काजल ने विश्वविद्यालय में आयोजित हुए रक्तदान शिविर व वृक्षारोपण जैसे बहुत सारे अभियानों में अहम भागीदारी निभाई है। प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेना हर स्वयंसेवक का सपना होता है।

गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयन होने के बाद काजल कुलपति टंकेश्वर कुमार के साथ।

काजल के पिता सत्यवीर ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि काजल अपनी परिवार की पहली व्यक्ति है, जिसे कर्त्तव्य पथ पर परेड करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है और महेंद्रगढ़ से किसी छात्रा का राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत गणतंत्र दिवस परेड शिविर में चयन पहली बार हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, माता पिता, शिक्षकगणों के आशीर्वाद व साथियों के सहयोग से यह सपना साकार होने जा रहा है। हकेवि एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, डॉ. रेणु ने काजल को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी।

नवोदय टाइम्स Tue, 19 December 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/74144846

हकेंवि में संकाय संवर्धन कार्यक्रम शुरू

कौशल विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित होगा कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र द्वारा कौशल विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर संकाय संवर्धन कार्यक्रम किया गया। 28 दिसंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

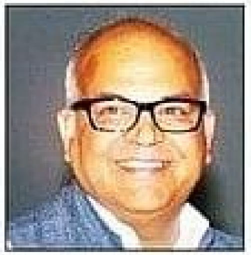

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता है। भारतीय ज्ञान परंपरा अपनी मूल धारणा में वैज्ञानिकता और कौशल विकास के विभिन्न चरणों की प्रतिपूर्ति करती है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के प्रो. आशीष त्रिपाठी ने कहा कि भक्ति आंदोलन ने ज्ञान का लोकतंत्रीकरण करते हुए ज्ञान का मार्ग सबके लिए प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान की कोई एक परंपरा नहीं होती, बल्कि परंपराएं होती हैं। ज्ञान अपने आप में ही बहुलतावाद का सूचक है। हकेंवि में पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार ने मुख्य अतिथि और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और संस्थाओं के 200 शिक्षक भागीदारी कर रहे हैं। केंद्र के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया और इस कार्यक्रम की संकल्पना से अवगत कराया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नितिन, डॉ. सिद्धार्थ राय, डॉ. युद्धवीर और डॉ. आलेख एस. नायक ने किया।

विद्यार्थियों को बताए साक्षात्कार कौशल निर्माण के तरीके

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ विद्यार्थियों को अध्ययन व शोध के साथ-साथ करियर निर्माण के लिए आवश्यक विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के माध्यम से इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में साक्षात्कार कौशल व रिज्यूम निर्माण पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आयोजन में इंडस बिजनेस एकेडमी, बंगलूरू की निदेशक प्रो. अनिथा रामचंद्र उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थी बदलते समय के अनुरूप आवश्यक कौशल से अवगत होंगे। कार्यशाला में विशेषज्ञ प्रो. अनिथा रामचंद्र ने प्रतिभागियों को रिज्यूमे निर्माण और इससे संबंधित विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से विद्यार्थी मौजूदा इंडस्ट्री की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खुद को तैयार कर सकते हैं। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को कार्यक्षेत्र के विभिन्न बदलावों को समझते हुए खुद को तैयार करने का अवसर प्रदान करना था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यशाला रोजगार के लिए प्रयासरत विद्यार्थियों हेतु मददगार साबित होगी। संवाद

सशक्त भारत के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान करें : टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र द्वारा 'कौशल विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर संकाय संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आगामी कौशल विकास और भारतीय ज्ञान परम्परा पर केंद्रित संकाय संवर्धन कार्यक्रम आयोजित 28 दिसंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता है। भारतीय ज्ञान परंपरा अपनी मूल धारणा में वैज्ञानिकता और कौशल विकास के विभिन्न चरणों की प्रतिपूर्ति करती है। इस बात की आवश्यकता है कि शिक्षक इन सोपानों की खोज करें। एक सक्षम और सशक्त भारत के निर्माण में अमूल्य योगदान करें। भारतीय ज्ञान परंपरा में दार्शनिकता और वैज्ञानिक विचार पद्धति के साथ साथ जीवन कौशल के आधारभूत तत्व विद्यमान हैं।

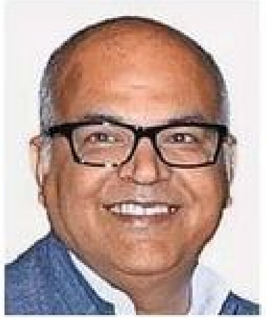
प्रो . टंकेश्वर कुमार

यह उचित समय है जब हम अपनी परंपरा के प्रगतिशील तत्वों को विश्व के समक्ष लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सभी शिक्षकों को दायित्व है कि समाज और राष्ट्र हित में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दिशा-निर्देशों के अनुरूप समृद्ध विरासत का उत्खनन करें। इस कार्यक्रम में आप सबकी भागीदारी एक सुखद संकेत है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के प्रो. आशीष त्रिपाठी ने भारतीय ज्ञान परंपरा और भक्ति आंदोलन विषय पर वक्तव्य दिया।

प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि भक्ति आंदोलन ने ज्ञान का लोकतंत्रीकरण करते हुए ज्ञान का मार्ग सबके लिए प्रशस्त किया।

हकेंवि के विद्यार्थियों को सिखाए साक्षात्कार कौशल के गुर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ विद्यार्थियों को अध्ययन व शोध के साथ-साथ करियर निर्माण के लिए आवश्यक विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के माध्यम से इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में साक्षात्कार कौशल व रिज्यूमे निर्माण पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन में इंडस बिजनेस एकेडमी, बैंगलुरु की निदेशक प्रो. अनिथा रामचंद्र उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थी बदलते समय के अनुरूप आवश्यक कौशल से अवगत होंगे। आनलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ प्रो. अनिथा रामचंद्र ने प्रतिभागियों को रिज्यूमे निर्माण और इससे संबंधित विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से विद्यार्थी मौजूदा इंडस्ट्री की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खुद को तैयार कर सकते हैं। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को कार्यक्षेत्र के विभिन्न बदलावों को समझते हुए खुद को तैयार करने का अवसर प्रदान करना था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यशाला अवश्य ही रोजगार के लिए प्रयासरत विद्यार्थियों के लिए मददगार साबित होगी।

हकेवि में कार्यशाला का हुआ आयोजन

-विद्यार्थियों को सिखाया गया साक्षात्कार कौशल व रिज्यूमे निर्माण के गुण

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ विद्यार्थियों को अध्ययन व शोध के साथ-साथ करियर निर्माण हेतु आवश्यक विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के माध्यम से इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में साक्षात्कार कौशल व रिज्यूम निर्माण पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन में इंडस बिजनेस एकेडमी, बैंगलुरु की निदेशक प्रो. अनिथा रामचंद्र उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थी बदलते समय के अनुरूप आवश्यक कौशल से अवगत होंगे।ऑनलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ प्रो. अनिथा रामचंद्र ने प्रतिभागियों को रिज्यूमे निर्माण और इससे संबंधित विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से विद्यार्थी मौजूदा इंडस्ट्री की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खुद को तैयार कर सकते हैं। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को कार्यक्षेत्र के विभिन्न बदलावों को समझते हुए खुद को तैयार करने का अवसर प्रदान करना था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यशाला अवश्य ही रोजगार के लिए प्रयासरत विद्यार्थियों हेतु मददगार साबित होगी।

हकेंवि में कौशल विकास व भारतीय ज्ञान परंपरा पर कार्यक्रम

ऐसे आयोजनों से ही लक्ष्यों की प्राप्ति संभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र द्वारा 'कौशल विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर संकाय संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आगामी 28 दिसंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता है। भारतीय ज्ञान परंपरा अपनी मूल धारणा में वैज्ञानिकता और कौशल विकास के विभिन्न चरणों की प्रतिपूर्ति करती है। शिक्षक इन सोपानों की खोज करें और एक सक्षम और सशक्त भारत के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान करें। भारतीय ज्ञान परंपरा में दार्शनिकता और वैज्ञानिक विचार पद्धति के साथ-साथ जीवन कौशल के आधारभूत तत्व मौजूद हैं। जब हम अपनी परंपरा के प्रगतिशील तत्वों को विश्व के समक्ष लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। शिक्षकों को दायित्व है कि समाज व राष्ट्रहित में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप अपनी समृद्ध विरासत का उत्खनन करें।

महेंद्रगढ़। संकाय संवर्धन कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

200 से अधिक शिक्षकों ने लिया हिस्सा

प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि भक्ति आंदोलन ने ज्ञान का लोकतंत्रीकरण करते हुए ज्ञान का मार्ग सबके लिए प्रशस्त किया। ज्ञान की कोई एक परंपरा नहीं होती, बल्कि परंपराएं होती हैं। ज्ञान अपने आप में ही बहुलतावाद का सूचक है। हकेंवि में पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और संस्थाओं के 200 शिक्षक भागीदारी कर रहे हैं। केंद्र संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने मुख्यातिथि का परिचय दिया और इस कार्यक्रम की संकल्पना से अवगत कराया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नितिन, डॉ. सिद्धार्थ राय, डॉ. युद्धवीर और डॉ. आलेख एस. नायक ने किया।

हकेंवि में कौशल विकास पर कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। जाट पाली स्थित हकेंवि में विद्यार्थियों को अध्ययन व शोध के साथ-साथ करियर निर्माण हेतु आवश्यक विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के माध्यम से इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में साक्षात्कार कौशल व रिज्यूम निर्माण पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन में इंडस बिजनेस एकेडमी, बैंगलुरु की निदेशक प्रो. अनिथा रामचंद्र उपस्थित रही।

कौशल विकास व भारतीय ज्ञान परम्परा पर केंद्रित संकाय संवर्धन कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 19 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र द्वारा 'कौशल विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर संकाय संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आगामी 28 दिसंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

संकाय संवर्धन कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति टंकेश्वर कुमार।

कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता है। भारतीय ज्ञान परंपरा अपनी मूल धारणा में वैज्ञानिकता और कौशल विकास के विभिन्न चरणों की प्रतिपूर्ति करती है। इस बात की आवश्यकता है कि शिक्षक इन सोपानों की खोज करें और एक सक्षम और सशक्त भारत के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान करें। भारतीय ज्ञान परंपरा में दार्शनिकता और वैज्ञानिक विचार पद्धति के साथ साथ जीवन कौशल के आधारभूत तत्व विद्यमान हैं।

कुलपति ने कहा कि यह उचित समय है जब हम अपनी परंपरा के प्रगतिशील तत्वों को विश्व के समक्ष लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सभी शिक्षकों को दायित्व है कि समाज और राष्ट्र हित में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दिशा-निर्देशों के अनुरूप अपनी समृद्ध विरासत का उत्खनन करें। कुलपति ने आगे कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा से आबद्ध इस कार्यक्रम में आप सबकी भागीदारी एक सुखद संकेत है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के प्रो. आशीष त्रिपाठी ने भारतीय ज्ञान परंपरा और भक्ति आंदोलन विषय पर वक्तव्य दिया। प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि भक्ति आंदोलन ने ज्ञान का लोकतंत्रीकरण करते हुए ज्ञान का मार्ग सबके लिए प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान की कोई एक परंपरा नहीं होती, बल्कि परंपराएँ होती हैं। ज्ञान अपने आप में ही बहुलतावाद का सूचक है। हकेवि में पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र के निदेशक प्रोफ़ेसर प्रमोद कुमार ने मुख्य अतिथि और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और संस्थाओं के 200 शिक्षक भागीदारी कर रहे हैं। केंद्र के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया और इस कार्यक्रम की संकल्पना से अवगत कराया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नितिन, डॉ. सिद्धार्थ राय, डॉ. युद्धवीर और डॉ. आलेख एस. नायक ने किया।

नवोदय टाइम्स Wed, 20 December 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/74153053

छात्रों को सिखाए साक्षात्कार कौशल व रिज्यूमे निर्माण के गुर

महेंद्रगढ़, 19 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ विद्यार्थियों को अध्ययन व शोध के साथ-साथ करियर निर्माण हेतु आवश्यक विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के माध्यम से इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला मंर साक्षात्कार कौशल व रिज्यूम निर्माण पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन में इंडस बिजनेस एकेडमी, बैंगलुरु की निदेशक प्रो. अनिथा रामचंद्र उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थी बदलते समय के अनुरूप आवश्यक कौशल से अवगत होंगे।

ऑनलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ प्रो. अनिथा रामचंद्र ने प्रतिभागियों को रिज्यूमे निर्माण और इससे संबंधित विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से विद्यार्थी मौजूदा इंडस्ट्री की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खुद को तैयार कर सकते हैं। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को कार्यक्षेत्र के विभिन्न बदलावों को समझते हुए खुद को तैयार करने का अवसर प्रदान करना था। उन्होंने कहा कि कुलपति के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यशाला अवश्य ही रोजगार के लिए प्रयासरत विद्यार्थियों हेतु मददगार साबित होगी।

नवोदय टाइम्स
Wed, 20 December 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/74153837

हकेवि में कार्यशाला का हुआ आयोजन

- **विद्यार्थियों को सिखाया गया साक्षात्कार कौशल व रिज्यूम निर्माण के गुण**

महेंद्रगढ़, प्रताप सिंह शास्त्री (पंजाबी केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ विद्यार्थियों को अध्ययन व शोध के साथ-साथ करियर निर्माण हेतु आवश्यक विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के माध्यम से इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में साक्षात्कार कौशल व रिज्यूम निर्माण पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन में इंडस बिजनेस एकेडमी, बैंगलुरु की निदेशक प्रो. अनिथा रामचंद्र उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थी बदलते समय के अनुरूप आवश्यक कौशल से अवगत होंगे। ऑनलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ प्रो. अनिथा रामचंद्र ने प्रतिभागियों को रिज्यूमे निर्माण और इससे संबंधित विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से विद्यार्थी मौजूदा इंडस्ट्री की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खुद को तैयार कर सकते हैं। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को कार्यक्षेत्र के विभिन्न बदलावों को समझते हुए खुद को तैयार करने का अवसर प्रदान करना था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यशाला अवश्य ही रोजगार के लिए प्रयासरत विद्यार्थियों हेतु मददगार साबित होगी।

डॉ. अमित कुमार की पुस्तक का विमोचन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार की पुस्तक का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। लीगल एस्पेक्ट ऑफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी नामक इस पुस्तक के संबंध में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह पुस्तक इस क्षेत्र में कार्यरत युवाओं के लिए उपयोगी साबित होगी। डॉ. अमित कुमार ने कुलपति को बताया कि उन्हें हाल ही में 8वीं अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस अतिथि 2023 जोकि स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ द्वारा आयोजित की गई थी में ग्लोबल हॉस्पिटेलिटी एवं टूरिज्म लीडरशिप अवॉर्ड 2023 से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी डॉ. अमित कुमार को उनकी पुस्तक व अवॉर्ड के लिए सरहाना की। संवाद

हकेंवि प्रतिनिधि ने एआईयू की बैठक में लिया हिस्सा

एआईयू की बैठक में प्रतिभागिता करते डॉ. खेराज। स्रोत : हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित बैठक में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भाग लिया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह बैठक भारतीय विद्यार्थियों के अमेरिका के विश्वविद्यालय में एक साल की स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में दाखिला लेने एवं नए अनुभव प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन हेतु आयोजित की गई। बैठक में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय मामलों के कार्यालय बोर्ड के सदस्य डॉ. खेराज ने प्रतिभागिता की।

हकेंवि के अंतरराष्ट्रीय मामलों के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने बताया की विश्वविद्यालय लगातार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए प्रयासरत है। डॉ. खेराज ने एआईयू नई दिल्ली में आयोजित बैठक के संदर्भ में बताया कि इस बैठक को संघ के अध्यक्ष डॉ. जीडी शर्मा एवं संघ के महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने संबोधित किया।

इस बैठक के मुख्य वार्ताकार के रूप में इवान पुग विश्वविद्यालय के प्रो. ए लखटकिया, स्कूल एवं इंजीनियरिंग साइंस एवं मैकेनिक्स पेनेसल्वेनिया स्टेट विश्वविद्यालय यूएसए के प्रो. चार्ल्स गोडफे वाइनडर उपस्थित रहे।

हकेंवि प्रतिनिधि ने एआईयू की बैठक में लिया हिस्सा

महेंद्रगढ़| भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू), नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित बैठक में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भाग लिया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह बैठक भारतीय विद्यार्थियों के अमेरिका के विश्वविद्यालय मे एक साल की स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में दाखिला लेने एवं नए अनुभव प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन हेतु आयोजित की गई। बैठक में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय बोर्ड के सदस्य डॉ. खेराज ने प्रतिभागिता की। हकेंवि के अन्तर्राष्ट्रीय मामलों के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय लगातार राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के क्रियान्वयन के लिए प्रयासरत है। डॉ. खेराज ने एआईयू, नईदिल्ली में आयोजित बैठक के संदर्भ में बताया कि इस बैठक को संघ के अध्यक्ष डॉ. जी.डी. शर्मा एवं संघ के महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने सम्बोधित किया। बैठक के मुख्य वार्ताकार के रूप में इवान पुग विश्वविद्यालय के प्रो. ए. लखटकिया, स्कूल एवं इंजीनियरिंग साइंस एवं मैकेनिक्स पेनेसल्वेनिया स्टेट विश्वविद्यालय यूएसए के प्रो. चार्ल्स गोडफे वाइनडर उपस्थित रहे।

कुलपति ने किया डॉ. अमित की पुस्तक का विमोचन

महेन्द्रगढ़। चेतना संवाददाता।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार की पुस्तक का विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। 'लीगल एस्पेक्ट ऑफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी' नामक इस पुस्तक के संबंध में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह पुस्तक इस क्षेत्र में कार्यरत युवाओं के लिए उपयोगी साबित होगी। डॉ. अमित कुमार ने बताया कि पुस्तक में विशेष रूप से पर्यटन एवं आतिथ्य से संबंधित विभिन्न कानूनी पहलुओं और उनकी उपयोगिता व आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है। इस अवसर डॉ. अमित कुमार ने कुलपति को बताया कि उन्हें हाल ही में 8वीं अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस 'अतिथि 2023', जो कि स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा आयोजित की गई थी, में 'ग्लोबल हॉस्पिटेलिटी एवं टूरिज्म लीडरशिप अवॉर्ड 2023 से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी डॉ. अमित कुमार को उनकी पुस्तक व अवॉर्ड के लिए बधाई दी।

अमित की पुस्तक का टंकेश्वर ने किया विमोचन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग में सहायक आचार्य डा. अमित कुमार की पुस्तक का विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। 'लीगल एस्पेक्ट ऑफ टूरिज्म एंड हास्पिटेलिटी' नामक इस पुस्तक के संबंध में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह पुस्तक इस क्षेत्र में कार्यरत युवाओं के लिए उपयोगी साबित होगी। डा. अमित कुमार ने कुलपति को बताया कि उन्हें हाल ही में आठवीं अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस 'अतिथि 2023', जो कि स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा आयोजित की गई थी।

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार • सौ. प्रवक्ता

हकेंवि प्रतिनिधि ने एआइयू की बैठक में लिया हिस्सा

एआइयू की बैठक में प्रतिभागिता करते डा. खेराज ● सौ. हकेंवि

संस, महेंद्रगढ़ : भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआइयू), नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित बैठक में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भाग लिया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह बैठक भारतीय विद्यार्थियों के अमेरिका के विश्वविद्यालय में एक साल की स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में दाखिला लेने व नए अनुभव प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन के लिए आयोजित की गई। बैठक में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय मामलों के कार्यालय बोर्ड के सदस्य डा. खेराज ने प्रतिभागिता की। हकेंवि के अंतरराष्ट्रीय मामलों के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय लगातार राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के क्रियान्वयन के लिए प्रयासरत है।

महेंद्रगढ़। पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

वीसी ने किया डॉ. अमित की पुस्तक का विमोचन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार की पुस्तक का विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। 'लीगल एस्पेक्ट ऑफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी' नामक इस पुस्तक के संबंध में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह पुस्तक इस क्षेत्र में कार्यरत युवाओं के लिए उपयोगी साबित होगी।

हकेंवि प्रतिनिधि एआईयू बैठक में शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। एआईयू की बैठक में प्रतिभागिता करते डॉ. खेराज। फोटो : हरिभूमि

भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) नई दिल्ली के तत्वाधान में आयोजित बैठक में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भाग लिया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह बैठक भारतीय विद्यार्थियों के अमेरिका के विश्वविद्यालय मे एक साल की स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में दाखिला लेने एवं नए अनुभव प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन हेतु आयोजित की गई। बैठक में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय बोर्ड के सदस्य डॉ. खेराज ने प्रतिभागिता की। हकेंवि के अन्तर्राष्ट्रीय मामलो के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने बताया की विश्वविद्यालय लगातार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए प्रयासरत है। कुलपति के नेतृत्व में इस कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। डॉ. खेराज ने एआईयू नईदिल्ली में आयोजित बैठक के संदर्भ में बताया कि इस बैठक को संघ के अध्यक्ष डॉ. जीडी शर्मा एवं संघ के महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने संबोधित किया। विवि के प्रो. ए. लखटकिया, स्कूल एवं इंजीनियरिंग साइंस एवं मैकेनिक्स पेनेसल्वेनिया स्टेट विवि यूएसए के प्रो. चार्ल्स गोडफे वाइनडर उपस्थित रहे। डॉ. खेराज, प्रो. ए लखटकिया ने भारतीय विवि को विश्व के विवि के साथ मिलकर नए आयामों पर कार्य करने पर जोर दिया।

हकेवि प्रतिनिधि ने एआईयू की बैठक में लिया हिस्सा

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू), नई दिल्ली के तत्वाधान में आयोजित बैठक में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भाग लिया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह बैठक भारतीय विद्यार्थियों के अमेरिका के विश्वविद्यालय मे एक साल की स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में दाखिला लेने एवं नए अनुभव प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन हेतु आयोजित की गई। बैठक में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय बोर्ड के सदस्य डॉ. खेराज ने प्रतिभागिता की।

हकेवि के अन्तर्राष्ट्रीय मामलो के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने बताया की विश्वविद्यालय लगातार राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के क्रियान्वयन के लिए प्रयासरत है। इसी कड़ी में कुलपति के नेतृत्व में इस कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। डॉ. खेराज ने एआईयू, नईदिल्ली में आयोजित बैठक के संदर्भ में बताया कि इस बैठक को संघ के अध्यक्ष डॉ. जी.डी. शर्मा एवं संघ के महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने सम्बोधित किया। इस बैठक के मुख्य वार्ताकार के रूप में इवान पुग विश्वविद्यालय के प्रो. ए. लखटकिया, स्कूल एवं इंजीनियरिंग साइंस एवं मैकेनिक्स पेनेसल्वेनिया स्टेट विश्वविद्यालय यूएसए के प्रो. चार्ल्स गोडफे वाइनडर उपसथित रहे। डॉ. खेराज के अनुसार विशेषज्ञ वक्ता प्रो. ए. लखटकिया ने अपने संबोधन में भारतीय विश्वविद्यालयों को विश्व के अन्य विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर नए आयामों पर कार्य करने पर जोर दिया। साथ ही साथ उन्होंने भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा उल्लेखनीय कार्यों को विश्व पटल पर प्रस्तुत कर उनकी जानकारी विद्यार्थियों तक पहुँचाने पर भी जोर दिया।

डॉ. अमित कुमार की पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

महेंद्रगढ़, 20 दिसम्बर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार की पुस्तक का कुलपति टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। 'लीगल एस्पेक्ट ऑफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी' नामक इस पुस्तक के संबंध में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही यह पुस्तक इस क्षेत्र में कार्यरत युवाओं के लिए उपयोगी साबित होगी। डॉ. अमित कुमार ने बताया कि पुस्तक में विशेष रूप से पर्यटन एवं आतिथ्य से संबंधित विभिन्न कानूनी पहलुओं और उनकी उपयोगिता व आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है। इस अवसर डॉ. अमित कुमार ने कुलपति को बताया कि उन्हें हाल ही में 8वीं अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस 'अतिथि 2023', जो कि स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा आयोजित की गई थी, में 'ग्लोबल हॉस्पिटेलिटी एवं टूरिज्म लीडरशिप अवॉर्ड 2023 से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी डॉ. अमित कुमार को उनकी पुस्तक व अवॉर्ड के लिए बधाई दी।

नवोदय टाइम्स Thu, 21 December 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/7

हकेवि प्रतिनिधि ने एआईयू की बैठक में लिया हिस्सा

महेंद्रगढ़, 20 दिसम्बर (ब्यूरो): भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू), नई दिल्ली के तत्वाधान में आयोजित बैठक में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भाग लिया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह बैठक भारतीय विद्यार्थियों के अमेरिका के विश्वविद्यालय मे एक साल की स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में दाखिला लेने एवं नए अनुभव प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन हेतु आयोजित की गई। बैठक में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय बोर्ड के सदस्य डॉ. खेराज ने प्रतिभागिता की।

हकेवि के अन्तर्राष्ट्रीय मामलो के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने बताया की विश्वविद्यालय लगातार राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के क्रियान्वयन के लिए प्रयासरत है। इसी कड़ी में कुलपति के नेतृत्व में इस कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। डॉ. खेराज ने एआईयू, नईदिल्ली में आयोजित बैठक के संदर्भ में बताया कि इस बैठक को संघ के अध्यक्ष डॉ. जी. डी. शर्मा एवं संघ के महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने सम्बोधित किया। इस बैठक के मुख्य वार्ताकार के रूप में इवान पुग विश्वविद्यालय के प्रो. ए. लखटकिया, स्कूल एवं इंजीनियरिंग साइंस एवं मैकेनिक्स पेनेसल्वेनिया स्टेट विश्वविद्यालय यूएसए के प्रो. चार्ल्स गोडफे वाइनडर उपस्थित रहे। डॉ. खेराज के अनुसार विशेषज्ञ वक्ता प्रो. ए. लखटकिया ने अपने संबोधन में भारतीय विश्व विद्यालयों को विश्व के अन्य विश्व विद्यालयों के साथ मिलकर नए आयामों पर कार्य करने पर जोर दिया। साथ ही साथ उन्होंने भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा उल्लेखनीय कार्यों को विश्व पटल पर प्रस्तुत कर उनकी जानकारी विद्यार्थियों तक पहुँचाने पर भी जोर दिया।

एआईयू की बैठक में प्रतिभागिता करते डॉ. खेराज।

नवोदय टाइम्स
Thu, 21 December 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/74159803

सरिता को डाल्टन ट्रांजेक्शन पोस्टर पुरस्कार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग में पीएचडी की शोधार्थी सरिता कुमारी को प्रतिष्ठित डाल्टन ट्रांजेक्शन पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उन्हें यह पुरस्कार अकार्बनिक रसायन विज्ञान में आधुनिक रुझानों पर आयोजित 20वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (एमटीआईसी 20) में प्रदान किया गया। भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु में आयोजित इस सम्मेलन में सरिता कुमारी ने अपने शोध निर्देशक व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य डॉ. प्रकाश कानू, विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अनंदिता चक्रवर्ती व छात्रा ज्योति शर्मा के साथ हिस्सा लिया। डॉ. प्रकाश कानू ने बताया कि सरिता ने सम्मेलन में हरित रसायन विज्ञान से जुड़े उत्प्रेरण पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया। सम्मेलन में निर्णायक मंडल के सदस्यों ने हकेंवि शोधार्थी सरिता के काम की सराहना की। उन्हें आयोजन में उनकी प्रस्तुति के लिए डाल्टन ट्रांजेक्शन पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया। रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने शोधार्थी सरिता कुमारी की इस उपलब्धि को उल्लेखनीय बताया। संवाद

सरिता कुमारी

स्रोत : हकेंवि

हकेंवि में गीता जयंती पर अष्टादश श्लोकी गीता का हुआ वाचन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में गीता जयंती पर अष्टादश श्लोकी गीता के वाचन का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा लघु सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। उन्होंने अपने संबोधन में मानव जीवन में गीता के महत्त्व पर प्रकाश डाला और कहा कि गीता सदैव ही जीवन में सही राह दिखाने का कार्य करती है। कुलपति ने गीता के नियमों को जीवन में शामिल करने का भी आह्वान किया।

गीता जीवन में सही राह दिखाने का कार्य करती है : कुलपति

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस आयोजन में विश्वविद्यालय के मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम श्रीमद्भगवत गीता से जीवन कौशल के विद्यार्थियों सहित शिक्षकों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया और अष्टादश श्लोकी गीता का वाचन किया। उन्होंने कहा कि गीता हमें जीने की कला सीखाती है और कर्म करते रहने की प्रेरणा देती है।

गीता जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक और विद्यार्थी। स्रोत : हकेंविवि

सरिता को मिला डाल्टन ट्रांजेक्शन पोस्टर पुरस्कार

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग में पीएच.डी. की शोधार्थी

सरिता कुमारी को प्रतिष्ठित डाल्टन ट्रांजेक्शन पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उन्हें यह पुरस्कार अकार्बनिक रसायन विज्ञान में आधुनिक रुझानों पर आयोजित 20वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एमटीआईसी20) में प्रदान किया गया।

भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु में आयोजित इस सम्मेलन में सरिता कुमारी ने अपने शोध निर्देशक व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य डॉ. प्रकाश कानू, विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अनंदिता चक्रवर्ती व छात्रा ज्योति शर्मा के साथ हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने रसायन विज्ञान विभाग की शोधार्थी व उनकी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

हकेंवि में अष्टादश श्लोकी गीता का वाचन

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में गीता जयंती के अवसर पर अष्टादश श्लोकी गीता वाचन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा लघु सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। उन्होंने मानव जीवन में गीता का महत्त्व बताते हुए कहा कि गीता सदैव ही जीवन में सही राह दिखाने का कार्य करती है। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस आयोजन में विश्वविद्यालय के मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम श्रीमद्भगवत गीता से जीवन कौशल के विद्यार्थियों सहित शिक्षकों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया और अष्टादश श्लोकी गीता का वाचन किया। उन्होंने कहा कि गीता हमें जीने की कला सिखाती है और कर्म करते रहने की प्रेरणा देती है।

छात्रा को मिला डाल्टन ट्रांजेक्शन पोस्टर पुरस्कार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के रसायन विज्ञान विभाग में पीएचडी की शोधार्थी सरिता कुमारी को प्रतिष्ठित डाल्टन ट्रांजेक्शन पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उन्हें यह पुरस्कार अकार्बनिक रसायन विज्ञान में आधुनिक रुझानों पर आयोजित 20वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एमटीआईसी20) में प्रदान किया गया। भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु में आयोजित इस सम्मेलन में सरिता कुमारी ने अपने शोध निर्देशक व हकेंवि में सहायक आचार्य डा. प्रकाश कानू, सहायक आचार्य डा. अनंदिता चक्रवर्ती व छात्रा ज्योति शर्मा के साथ हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने रसायन विज्ञान विभाग की शोधार्थी व उनकी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। एमटीआईसी रसायन विज्ञान के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध सम्मेलन है, जो रसायन विज्ञान के विशेषज्ञों को रसायन विज्ञान के क्षेत्रों में हुए विकास पर चर्चा और विचारों का आदान-प्रदान का उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। एमटीआईसी के 2023 संस्करण में अकार्बनिक रसायन विज्ञान के सभी पहलुओं को शामिल किया गया और इसमें दुनिया भर के 500 से अधिक वैज्ञानिकों और शोधार्थियों के व्याख्यान, फ्लैश और पोस्टर प्रस्तुतियों को शामिल किया गया। रसायन विज्ञान विभाग के डा. प्रकाश कानू, डा. अनंदिता चक्रवर्ती, शोधार्थी सरिता कुमारी व ज्योति शर्मा ने हिस्सा लिया।

पीएचडी की शोधार्थी सरिता कुमारी ●

सम्मेलन में निर्णायक मंडल के सदस्यों ने हकेंवि शोधार्थी सरिता के काम की खूब सराहना की और उन्हें आयोजन में उनकी प्रस्तुति के लिए डाल्टन ट्रांजेक्शन पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया। रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने शोधार्थी सरिता कुमारी की इस उपलब्धि को उल्लेखनीय बताया।

अष्टादश श्लोकी गीता का हुआ वाचन

गीता जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी ● जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में गीता जयंती के अवसर पर अष्टादश श्लोकी गीता वाचन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा लघु सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार आनलाइन माध्यम से जुड़े। उन्होंने अपने संबोधन में मानव जीवन में गीता के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि गीता सदैव ही जीवन में सही राह दिखाने का कार्य करती है। कुलपति ने गीता के नियमों को जीवन में शामिल करने की भी अपील की।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस आयोजन में विश्वविद्यालय के मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम श्रीमद्भगवत गीता से जीवन कौशल के विद्यार्थियों सहित शिक्षकों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया और अष्टादश श्लोकी गीता का वाचन किया।

दिवस के अवसर पर बधाई दी।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हकेवि छात्रा को मिला डाल्टन ट्रांजेक्शन पोस्टर पुरस्कार

महेंद्रगढ़, 22 दिसम्बर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग में पीएच.डी. की शोधार्थी

सरिता कुमारी को प्रतिष्ठित डाल्टन ट्रांजेक्शन पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उन्हें यह पुरस्कार अकार्बनिक रसायन विज्ञान में आधुनिक रुझानों पर आयोजित 20वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एमटीआईसी20) में प्रदान किया गया। भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु में आयोजित इस सम्मेलन में सरिता कुमारी ने अपने शोध निर्देशक व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य डॉ. प्रकाश कानू, विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अनंदिता चक्रवर्ती व छात्रा ज्योति शर्मा के साथ हिस्सा लिया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने रसायन विज्ञान विभाग की शोधार्थी व उनकी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

बता दें कि एमटीआईसी रसायन विज्ञान के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध सम्मेलन है, जो रसायन विज्ञान के विशेषज्ञों को रसायन विज्ञान के क्षेत्रों में हुए विकास पर चर्चा और विचारों का आदान-प्रदान का उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। एमटीआईसी के 2023 संस्करण में अकार्बनिक रसायन विज्ञान के सभी पहलुओं को शामिल किया गया और इसमें दुनिया भर के 500 से अधिक वैज्ञानिकों और शोधार्थियों के व्याख्यान, फ्लैश और पोस्टर प्रस्तुतियों को शामिल किया गया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रकाश कानू, डॉ. अनंदिता चक्रवर्ती, शोधार्थी सरिता कुमारी व ज्योति शर्मा ने हिस्सा लिया। डॉ. प्रकाश कानू ने बताया कि सरिता ने सम्मेलन में हरित रसायन विज्ञान से जुड़े उत्प्रेरण पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया। निर्णायक मंडल के सदस्यों ने सरिता को प्रस्तुति के लिए डाल्टन ट्रांजेक्शन पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया। रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने शोधार्थी सरिता कुमारी को बधाई दी।

हकेवि में गीता जयंती पर अष्टादश श्लोकी गीता का हुआ वाचन

गीता जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़, 22 दिसम्बर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गीता जयंती के अवसर पर अष्टादश श्लोकी गीता वाचन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा लघु सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ऑनलाइन माध्यम से जुड़ें। उन्होंने अपने संबोधन में मानव जीवन में गीता के महत्त्व पर प्रकाश डाला और कहा कि गीता सदैव ही जीवन में सही राह दिखाने का कार्य करती है। कुलपति ने गीता के नियमों को जीवन में शामिल करने का भी आह्वान किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस आयोजन में विश्वविद्यालय के मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम श्रीमद्भगवत गीता से जीवन कौशल के विद्यार्थियों सहित शिक्षकों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया और अष्टादश श्लोकी गीता का वाचन किया। उन्होंने कहा कि गीता हमें जीने की कला सीखाती है और कर्म करते रहने की प्रेरणा देती है।

मोटे अनाज की उपयोगिता पर हुआ मंथन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा बाजरा-अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर ऑनलाइन जागरूकता विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया। अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत तकनीकी संस्थानों और खाद्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञता न रखने वाले संस्थानों के बीच जागरूकता के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भोजन में मोटे अनाज की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. अनिता कुमारी सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। संवाद

'बाजरा- अतीत, वर्तमान और भविष्य' पर विशेषज्ञ वार्ता

बाजरे की उपयोगिता और स्वास्थ्य की वर्तमान प्रासंगिकता पर डाला प्रकाश

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेवि के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा 'बाजरा- अतीत, वर्तमान और भविष्य' विषय पर ऑनलाइन जागरूकता विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत तकनीकी संस्थानों और खाद्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञता न रखने वाले संस्थानों के बीच जागरूकता के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भोजन में मोटे अनाज की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बाजरा उपभोग और मानव स्वास्थ्य की वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए देश के सतत विकास में भोजन की भूमिका पर भी जोर दिया। इससे पूर्व में कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। तत्पश्चात पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा और इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. तेजपाल ढेवा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रतिष्ठित पोषण चिकित्सक डॉ. निलांजना सिंह ने पोषण और स्वास्थ्य लाभ के साथ ऐतिहासिक संबंध, आंत माइक्रोबायोम और बाजरा परस्पर क्रिया, लैक्टिक कल्चर और पोषण-विरोधी कारक तथा मोटे अनाज की कार्यक्षमता और इसकी लोकप्रियता सहित विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. सुषमा यादव ने मोटे अनाज के विशेष गुणों, इतिहास एवं सामाजिक व सांस्कृतिक महत्त्व का उल्लेख करते हुए प्रतिभागियों को मोटे अनाज के उपयोग के लिए प्रेरित किया। प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की डीन एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान का परिचय प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. अनिता कुमारी सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रतिभागियों को मोटे अनाज के उपयोग के लिए किया प्रेरित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा बाजरा-अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर आनलाइन जागरूकता विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत तकनीकी संस्थानों और खाद्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञता न रखने वाले संस्थानों के बीच जागरूकता के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भोजन में मोटे अनाज की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

प्रो. कुमार ने बाजरा उपभोग और मानव स्वास्थ्य की वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए देश के सतत विकास में भोजन की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को कौशल विकास की आवश्यकता के साथ-साथ इस क्षेत्र में और अधिक शोध करने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। इससे पूर्व में कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। तत्पश्चात पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा और इस कार्यक्रम के संयोजक डा. तेजपाल ढेवा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने विभाग द्वारा बाजरा पर अनुसंधान और तकनीकी विकास में संकाय सदस्यों की उपलब्धियों को साझा किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रतिष्ठित पोषण चिकित्सक डा. निलांजना सिंह ने पोषण और स्वास्थ्य लाभ के साथ ऐतिहासिक संबंध, आंत माइक्रोबायोम और बाजरा परस्पर क्रिया, लैक्टिक कल्चर और पोषण-विरोधी कारक तथा मोटे अनाज की कार्यक्षमता और इसकी लोकप्रियता सहित विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. सुषमा यादव ने मोटे अनाज के विशेष गुणों, इतिहास एवं सामाजिक व सांस्कृतिक महत्व का उल्लेख करते हुए प्रतिभागियों को मोटे अनाज के उपयोग के लिए प्रेरित किया। स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की डीन एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने मोटे अनाज के महत्व एवं उपयोग पर प्रकाश डाला और विभाग को भविष्य में भी और अधिक गतिविधियां आयोजित करने के लिए प्रेरित किया।

हकेवि में बाजराः अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर विशेषज्ञ वार्ता

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा बाजरा-अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर ऑनलाइन जागरूकता विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत तकनीकी संस्थानों और खाद्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञता न रखने वाले संस्थानों के बीच जागरूकता के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भोजन में मोटे अनाज की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बाजरा उपभोग और मानव स्वास्थ्य की वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए देश के सतत विकास में भोजन की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को कौशल विकास की आवश्यकता के साथ-साथ इस क्षेत्र में और अधिक शोध करने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। इससे पूर्व में कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। तत्पश्चात पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा और इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. तेजपाल ढेवा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने विभाग द्वारा बाजरा पर अनुसंधान और तकनीकी विकास में संकाय सदस्यों की उपलब्धियों को साझा किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रतिष्ठित पोषण चिकित्सक डॉ. निलांजना सिंह ने पोषण और स्वास्थ्य लाभ के साथ ऐतिहासिक संबंध, आंत माइक्रोबायोम और बाजरा परस्पर क्रिया, लैक्टिक कल्चर और पोषण-विरोधी कारक तथा मोटे अनाज की कार्यक्षमता और इसकी लोकप्रियता सहित विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। पोषण जीवविज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अनीता कुमारी ने विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव का परिचय प्रस्तुत किया। प्रो. सुषमा यादव ने मोटे अनाज के विशेष गुणों, इतिहास एवं सामाजिक व सांस्कृतिक महत्त्व का उल्लेख करते हुए प्रतिभागियों को मोटे अनाज के उपयोग के लिए प्रेरित किया। प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की डीन एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान का परिचय प्रस्तुत किया। प्रो. नीलम सांगवान ने मोटे अनाज के महत्त्व एवं उपयोग पर प्रकाश डाला और विभाग को भविष्य में भी और अधिक गतिविधियाँ आयोजित करने के लिए प्रेरित किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. अनिता कुमारी सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में बाजरा: अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत हुआ आयोजन।

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा बाजरा- अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर ऑनलाइन जागरूकता विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया।अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत तकनीकी संस्थानों और खाद्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञता न रखने वाले संस्थानों के बीच जागरूकता के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भोजन में मोटे अनाज की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। प्रो.टंकेश्वर कुमार ने बाजरा उपभोग और मानव स्वास्थ्य की वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए देश के सतत विकास में भोजन की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को कौशल विकास की आवश्यकता के साथ-साथ इस क्षेत्र में और अधिक शोध करने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। इससे पूर्व में कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई।

तत्पश्चात पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा और इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. तेजपाल ढेवा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने विभाग द्वारा बाजरा पर अनुसंधान और तकनीकी विकास में संकाय सदस्यों की उपलब्धियों को साझा किया।कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रतिष्ठित पोषण चिकित्सक डॉ. निलांजना सिंह ने पोषण और स्वास्थ्य लाभ के साथ ऐतिहासिक संबंध, आंत माइक्रोबायोम और बाजरा परस्पर क्रिया, लैक्टिक कल्चर और पोषण-विरोधी कारक तथा मोटे अनाज की कार्यक्षमता और इसकी लोकप्रियता सहित विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

पोषण जीवविज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अनीता कुमारी ने विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव का परिचय प्रस्तुत किया। प्रो. सुषमा यादव ने मोटे अनाज के विशेष गुणों, इतिहास एवं सामाजिक व सांस्कृतिक महत्त्व का उल्लेख करते हुए प्रतिभागियों को मोटे अनाज के उपयोग के लिए प्रेरित किया। प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की डीन एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान का परिचय प्रस्तुत किया। प्रो. नीलम सांगवान ने मोटे अनाज के महत्त्व एवं उपयोग पर प्रकाश डाला और विभाग को भविष्य में भी और अधिक गतिविधियाँ आयोजित करने के लिए प्रेरित किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. अनिता कुमारी सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

हरियाणा केंदीय विश्वविद्यालय में बाजरा अतीत वर्तमान और भविष्य पर विशेषज्ञ ऑनलाइन विशेषज्ञ वार्ता को संबोधित करते कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार और ऑनलाइन भाग लेते प्रतिभागी।

अतीत, वर्तमान और भविष्य पर विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

■ अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़, 23 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा बाजरा- अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर ऑनलाइन जागरूकता विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत तकनीकी संस्थानों और खाद्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञता न रखने वाले संस्थानों के बीच जागरूकता के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भोजन में मोटे अनाज की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बाजरा उपभोग और मानव स्वास्थ्य की वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए देश के सतत विकास में भोजन की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को कौशल विकास की आवश्यकता के साथ-साथ इस क्षेत्र में और अधिक शोध करने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। इससे पूर्व में कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा और इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. तेजपाल ढेवा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने विभाग द्वारा बाजरा पर अनुसंधान और तकनीकी विकास में संकाय सदस्यों की उपलब्धियों को साझा किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रतिष्ठित पोषण चिकित्सक डॉ. निलांजना सिंह ने पोषण और स्वास्थ्य लाभ के साथ ऐतिहासिक संबंध, आंत माइक्रोबायोम और बाजरा परस्पर क्रिया, लैक्टिक कल्चर और पोषण-विरोधी कारक तथा मोटे अनाज की कार्यक्षमता और इसकी लोकप्रियता सहित विभिन्न पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

पोषण जीवविज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अनीता कुमारी ने विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव का परिचय प्रस्तुत किया।। प्रो. सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को मोटे अनाज के उपयोग के लिए प्रेरित किया। प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की डीन एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान का परिचय प्रस्तुत किया। प्रो. नीलम सांगवान ने मोटे अनाज के महत्त्व एवं उपयोग पर प्रकाश डाला।

मंथन

बंगलूरू में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकुलपति ने लिया भाग

कोरोना महामारी के बाद विश्व के समक्ष चुनौतियों पर मंथन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। कोरोना महामारी के बाद विश्व पटल पर सामने आए महत्त्वपूर्ण विषयों और चुनौतियों को लेकर निरंतर चिंतन-मंथन का दौर जारी है।

आर्थिक विकास, शिक्षा व वैश्विक स्तर पर राजनैतिक व रणनीतिक बदलावों के इसी प्रभाव को जानने-समझने और उनके अनुरूप भविष्य की राह तलाशने हेतु जैन डिम्ड यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर रिसर्च इन सोशल साइंसेस एंड एजुकेशन द्वारा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस और कल्याणी विश्वविद्यालय पश्चिम बंगाल के संयुक्त तत्वावधान में बंगलूरू में

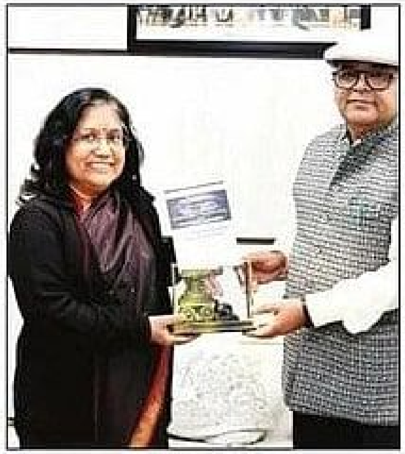

प्रो. सुषमा यादव को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : विवि

आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने मंथन किया। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक पटल पर बदली भारत

कोरोना और उसके समुदाय पर हुए प्रभाव को लेकर रखे विचार

की भूमिका, जी 20 के घोषणा पत्र, महामारी के बाद विश्व के लिए भारत के कदम, जियो पोलिटिक्स एंड ग्लोबल ऑर्डर, पेंडमिक एंड द स्टेट ऑफ डेमोक्रेसी, भारत व उसके पड़ोसियों के संदर्भ में, महामारी के बाद सामाजिक आर्थिक विकास की नीति, मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और जलवायु परिवर्तन, विस्थापन तथा कला व साहित्य सरीखे महत्त्वपूर्ण विषयों पर देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने सहसंरक्षक की भूमिका निभाई और आयोजन के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। प्रो. यादव ने सम्मेलन से लौटने के पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की और उन्हें इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में हुए विमर्श की जानकारी दी।

प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित सम्मेलन में वैश्विक महामारी कोरोना और उसके विश्व समुदाय पर हुए प्रभाव को लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चा हुई। इसके प्रभाव से बदली परिस्थितियों और भविष्य में आवश्यक बदलावों व निदान की दिशा में सभी प्रतिभागियों ने अपना मत व्यक्त किया। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि कोरोना महामारी के बाद बदली परिस्थितियों के मद्देनजर इस आयोजन में शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक व आर्थिक परिवर्तन, विश्व समुदाय के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर संवाद किया गया। उन्होंने बताया कि अवश्य ही यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महामारी के बाद बदली विश्व की परिस्थितियों को समझने और उससे जुड़ी चुनौतियों के निदान में मददगार साबित होगा।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में शिक्षण संस्थान होने के नाते शिक्षा व्यवस्था में सुधार से लेकर विभिन्न स्तर पर नीति निर्धारण में विश्वविद्यालय की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है। अवश्य ही इस तरह के आयोजन सकारात्मक समाधान में मददगार साबित होंगे।

आर्थिक विकास और शिक्षा पर बेंगलुरू में हुआ मंथन

महेंद्रगढ़| कोरोना महामारी के बाद विश्व पटल पर सामने आए महत्वपूर्ण विषयों और चुनौतियों को लेकर निरंतर चिंतन-मंथन का दौर जारी है। आर्थिक विकास, शिक्षा व वैश्विक स्तर पर राजनैतिक व रणनीतिक बदलावों के प्रभाव को समझने और उनके अनुरूप भविष्य की राह तलाशने हेतु जैन डिम्ड यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर रिसर्च इन सोशल साइंसेस एंड एजुकेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़; कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस और कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के संयुक्त तत्वावधान में बैंगलुरु में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने विस्तार से चिंतन-मंथन किया। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक पटल पर बदली भारत की भूमिका, जी20 के घोषणा पत्र, महामारी के बाद विश्व के लिए भारत के कदम, जियो पोलिटिक्स एंड ग्लोबल ऑर्डर, पेंडमिक एंड द स्टेट ऑफ डेमोक्रेसी विचार व्यक्त किए। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने सहसंरक्षक की भूमिका निभाई और आयोजन के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। प्रो. यादव ने लौटने के बाद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की।

कोरोना महामारी के बाद विश्व के समक्ष चुनौतियों पर हुआ मंथन

हकेवि समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने किया संबोधित

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

कोरोना महामारी के बाद विश्व पटल पर सामने आए महत्त्वपूर्ण विषयों और चुनौतियों को लेकर निरंतर चिंतन-मंथन का दौर जारी है। आर्थिक विकास, शिक्षा व वैश्विक स्तर पर राजनैतिक व रणनीतिक बदलावों के इसी प्रभाव को जानने- समझने और उनके अनुरूप भविष्य की राह तलाशने हेतु जैन डिम्ड यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर रिसर्च इन सोशल साइंसेस एंड एजुकेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़; कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस और कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के संयुक्त तत्वावधान में बैंगलुरु में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने विस्तार से चिंतन-मंथन किया। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक पटल पर बदली भारत की भूमिका, जी20 के घोषणा पत्र, महामारी के बाद विश्व के लिए भारत के कदम, जियो पोलिटिक्स एंड ग्लोबल ऑर्डर, पेंडमिक एंड द स्टेट ऑफ डेमोक्रेसी, भारत व उसके पड़ोसियों के संदर्भ में, महामारी के बाद सामाजिक आर्थिक विकास की नीति, मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और जलवायु परिवर्तन, विस्थापन तथा कला व साहित्य सरीखे महत्त्वपूर्ण विषयों पर देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने सहसंरक्षक की भूमिका निभाई और आयोजन के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। प्रो. यादव ने सम्मेलन से लौटने के पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की और उन्हें इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में हुए विमर्श की जानकारी दी। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित सम्मेलन में वैश्विक महामारी 'कोरोना' और उसके विश्व समुदाय पर हुए प्रभाव को लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चा हुई। जिसमें इसके प्रभाव से बदली परिस्थितियों और भविष्य में आवश्यक बदलावों व निदान की दिशा में सभी प्रतिभागियों ने अपना मत व्यक्त किया। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि कोरोना महामारी के बाद बदली परिस्थितियों के मद्देनजर इस आयोजन में शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक व आर्थिक परिवर्तन, विश्व समुदाय के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर संवाद किया गया।

कोरोना महामारी के बाद विश्व के समक्ष चुनौतियों पर हुआ मंथन

- उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में हिस्सा लिया
- बदलाव के लिए प्रतिभागियों ने अपना मत व्यक्त किया

बचपन की गलतियों से बने गुप्त रोगों के लिए

चेतन आयुर्वेदा
▸बदरपुर ▸दरियागंज
▸भजनपुरा ▸छतरपुर
E-2, Opp Petrol Pump Bhajanpura
9817469817

फीस नही इनाम लूंगा
गुरू रजा भारती

गोल्ड मेडलिस्ट
लाखों करोड़ों लोगो का काम करने वाले 31 चौकी के माहिर
घर बैठे सभी समाधान
स्पेशलिस्ट : वशीकरण, मुठकरनी
लवमैरिज, मनचाहा प्यार, गृह क्लेश, नौकरी, कारोबार में बाधा, पति-पत्नी में अनबन, सौतन, दुश्मन से छुटकारा, मुठकरनी। सभी जगह से निराश एक बार फोन करें।
97 60 90 12 82

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : कोरोना महामारी के बाद विश्व पटल पर सामने आए महत्वपूर्ण विषयों और चुनौतियों को लेकर निरंतर चिंतन-मंथन का दौर जारी है। आर्थिक विकास, शिक्षा व वैश्विक स्तर पर राजनैतिक व रणनीतिक बदलावों के इसी प्रभाव को जानने-समझने और उनके अनुरूप भविष्य की राह तलाशने के लिए जैन डीम्ड यूनिवर्सिटी के सेंटर फार रिसर्च इन सोशल साइंसेस एंड एजुकेशन द्वारा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कलिंगा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेस और कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के संयुक्त तत्वावधान में बैंगलुरु में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने विस्तार से चिंतन-मंथन किया।

कोरोना महामारी के बाद वैश्विक पटल पर बदली भारत की भूमिका, जी20 के घोषणा पत्र, महामारी के बाद विश्व के लिए भारत के कदम, जियो पोलिटिक्स एंड ग्लोबल आर्डर, पैंडेमिक एंड द स्टेट आफ डेमोक्रेसी, भारत व उसके पड़ोसियों के संदर्भ में, महामारी के बाद सामाजिक आर्थिक विकास की नीति, मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और जलवायु परिवर्तन, विस्थापन तथा कला व साहित्य सरीखे महत्वपूर्ण विषयों पर देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने सहसंरक्षक की भूमिका निभाई और आयोजन के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में हिस्सा लिया।

अंर्राष्ट्रीय सम्मेलन से लौटकर कुलपति से मुलाकात करतीं प्रो . सुषमा • जागरण

प्रो. यादव ने सम्मेलन से लौटने के पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की और उन्हें इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में हुए विमर्श की जानकारी दी। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित सम्मेलन में वैश्विक महामारी कोरोना और उसके विश्व समुदाय पर हुए प्रभाव को लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चा हुई। जिसमें इसके प्रभाव से बदली परिस्थितियों और भविष्य में आवश्यक बदलावों व निदान की दिशा में सभी प्रतिभागियों ने अपना मत व्यक्त किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में शिक्षण संस्थान होने के नाते शिक्षा व्यवस्था में सुधार से लेकर विभिन्न स्तर पर नीति निर्धारण में विश्वविद्यालय की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। अवश्य ही इस तरह के आयोजन सभी के लिए सकारात्मक समाधान में मददगार साबित होंगे।

कोरोना महामारी के बाद विश्व के समक्ष चुनौतियों पर हुए मंथन में हकेवि समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने किया संबोधित

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। कोरोना महामारी के बाद विश्व पटल पर सामने आए महत्त्वपूर्ण विषयों और चुनौतियों को लेकर निरंतर चिंतन-मंथन का दौर जारी है। आर्थिक विकास, शिक्षा व वैश्विक स्तर पर राजनैतिक व रणनीतिक बदलावों के इसी प्रभाव को जानने-समझने और उनके अनुरूप भविष्य की राह तलाशने हेतु जैन डिम्ड यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर रिसर्च इन सोशल साइंसेस एंड एजुकेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस और कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के संयुक्त तत्वावधान में बैंगलुरु में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने विस्तार से चिंतन-मंथन किया।

कोरोना महामारी के बाद वैश्विक पटल पर बदली भारत की भूमिका, जी20 के घोषणा पत्र, महामारी के बाद विश्व के लिए भारत के कदम, जियो पोलिटिक्स एंड ग्लोबल ऑर्डर, पेंडमिक एंड द स्टेट ऑफ डेमोक्रेसी, भारत व उसके पड़ोसियों के संदर्भ में, महामारी के बाद सामाजिक आर्थिक विकास की नीति, मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और जलवायु परिवर्तन, विस्थापन तथा कला व साहित्य सरीखे महत्त्वपूर्ण विषयों पर देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

बेंगलुरु में आयोजित अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय सम्मेलन से लौटकर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार से मुलाकात करती समकुलपति प्रो सुषमा यादव।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने सहसंरक्षक की भूमिका निभाई और आयोजन के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। प्रो. यादव ने सम्मेलन से लौटने के पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की और उन्हें इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में हुए विमर्श की जानकारी दी। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित सम्मेलन में वैश्विक महामारी 'कोरोना' और उसके विश्व समुदाय पर हुए प्रभाव को लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चा हुई। जिसमें इसके प्रभाव से बदली परिस्थितियों और भविष्य में आवश्यक बदलावों व निदान की दिशा में सभी प्रतिभागियों ने अपना मत व्यक्त किया। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि कोरोना महामारी के बाद बदली परिस्थितियों के मद्देनजर इस आयोजन में शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक व आर्थिक परिवर्तन, विश्व समुदाय के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर संवाद किया गया। प्रो. यादव ने बताया कि अवश्य ही यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महामारी के बाद बदली विश्व की परिस्थितियों को समझने और उससे जुड़ी चुनौतियों के निदान में मददगार साबित होगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में शिक्षण संस्थान होने के नाते शिक्षा व्यवस्था में सुधार से लेकर विभिन्न स्तर पर नीति निर्धारण में विश्वविद्यालय की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है। अवश्य ही इस तरह के आयोजन सकारात्मक समाधान में मददगार साबित होंगे।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कोरोना महामारी के बाद विश्व के समक्ष चुनौतियों पर हुआ मंथन

महेंद्रगढ़। कोरोना महामारी के बाद विश्व पटल पर सामने आए महत्वपूर्ण विषयों और चुनौतियों को लेकर निरंतर चिंतन-मंथन का दौर जारी है। आर्थिक विकास, शिक्षा व वैश्विक स्तर पर राजनैतिक व रणनीतिक बदलावों के इसी प्रभाव को जानने-समझने और उनके अनुरूप भविष्य की राह तलाशने हेतु जैन डिम्ड यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर रिसर्च इन सोशल साइंसेस एंड एजुकेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। हकेंवि कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस व कल्याणी विवि, पश्चिम बंगाल के बैंगलुरु में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने चिंतन-मंथन किया। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक पटल पर बदली भारत की भूमिका, जी20 के घोषणा पत्र, महामारी के बाद विश्व

महेंद्रगढ़। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात करती प्रो. सुषमा यादव।

के लिए भारत के कदम, जियो पोलिटिक्स एंड ग्लोबल ऑर्डर, पेंडमिक एंड द स्टेट ऑफ डेमोक्रेसी, भारत व उसके पड़ोसियों के संदर्भ में, महामारी के बाद सामाजिक आर्थिक विकास की नीति, मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और जलवायु परिवर्तन मौजूद रहे।

कोरोना महामारी के बाद विश्व के समक्ष चुनौतियों पर हुआ मंथन

हैलो रेवाड़ी संवाददाता

महेंद्रगढ़। कोरोना महामारी के बाद विश्व पटल पर सामने आए महत्त्वपूर्ण विषयों और चुनौतियों को लेकर निरंतर चिंतन-मंथन का दौर जारी है। आर्थिक विकास, शिक्षा व वैश्विक स्तर पर राजनैतिक व रणनीतिक बदलावों के इसी प्रभाव को जानने-समझने और उनके अनुरूप भविष्य की राह तलाशने हेतु जैन डिम्ड यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर रिसर्च इन सोशल साइंसेस एंड एजुकेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस और कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के संयुक्त तत्वावधान में बैंगलुरु में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने विस्तार से चिंतन-मंथन किया। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक पटल पर बदली भारत की भूमिका, जी-20 के घोषणा पत्र, महामारी के बाद विश्व के लिए भारत के कदम, जियो पोलिटिक्स एंड ग्लोबल ऑर्डर, पेंडमिक एंड द स्टेट ऑफ डेमोक्रेसी, भारत व उसके पड़ोसियों के संदर्भ में, महामारी के बाद सामाजिक आर्थिक विकास की नीति, मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और जलवायु परिवर्तन, विस्थापन तथा कला व साहित्य सरीखे महत्त्वपूर्ण विषयों पर देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने सहसंरक्षक की भूमिका निभाई और आयोजन के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। प्रो. यादव ने सम्मेलन से लौटने के पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की और उन्हें

इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में हुए विमर्श की जानकारी दी। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित सम्मेलन में वैश्विक महामारी 'कोरोना' और उसके विश्व समुदाय पर हुए प्रभाव को लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चा हुई। जिसमें इसके प्रभाव से बदली परिस्थितियों और भविष्य में आवश्यक बदलावों व निदान की दिशा में सभी प्रतिभागियों ने अपना मत व्यक्त किया।

Prof. Sushma Yadav addressed International Conference

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH: After the Corona Pandemic, a period of continuous reflection is going on regarding the important issues and challenges that have emerged on the world stage. An international conference was organized by the Center for Research in Social Sciences and Education of Jain Deemed University to understand the impact of economic development, education and political and strategic changes at the global level and to find the way for the future accordingly. Experts brainstormed in detail in a two-day conference on' Post-Pandemic World Order: Issues and Challenges organized in Bengaluru under the joint aegis of Central University of Haryana, Mahendragarh; Kalinga Institute of Social Sciences and Kalyani University, West Bengal. Representatives from prestigious institutions in the country and abroad expressed their views on important topics like Emerging India's Role in the Post-Pandemic World Order, G-20Delhi Declaration and India's Moment in the Post-Pandemic World, Geopolitics and Global Order, Pandemic and the State of Democracy: India and his Neighbours, Post-Pandemic Policy Approaches: A Path to Socio-Economic Recovery, Media and Infodemic and mental health, education, Science and climate change, Migration and Art & literature. Pro-Vice Chancellor of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, Prof. Sushma Yadav played the role of co-patron and participated as a guest of honour in the inaugural session of the event. After returning from the conference, Prof. Yadav met the Vice-Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar and informed him about the discussions held in this international event. Prof. Sushma Yadav said that in the conference organized in collaboration with Central University of Haryana, discussions were held at various levels regarding the global pandemic 'Corona' and its impact on the world community in which all the participants expressed their opinion regarding the changed circumstances due to its impact and the necessary changes in the future.

कोरोना महामारी के बाद विश्व के समक्ष चुनौतियों पर हुआ मंथन

■ समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने किया संबोधित

महेंद्रगढ़, 27 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): कोरोना महामारी के बाद विश्व पटल पर सामने आए महत्त्वपूर्ण विषयों और चुनौतियों को लेकर निरंतर चिंतन-मंथन का दौर जारी है।

आर्थिक विकास, शिक्षा व वैश्विक स्तर पर राजनैतिक व रणनीतिक बदलावों के इसी प्रभाव को जानने-समझने और उनके अनुरूप भविष्य की राह तलाशने हेतु जैन डिम्ड यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर रिसर्च इन सोशल साइंसेस एंड एजुकेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़; कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस और कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के संयुक्त तत्वावधान में बैंगलुरु में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने विस्तार से चिंतन-मंथन किया।

कोरोना महामारी के बाद वैश्विक पटल पर बदली भारत की भूमिका, जी20 के घोषणा पत्र, महामारी के बाद विश्व के लिए भारत के कदम,

कुलपति से मुलाकात करतीं प्रो. सुषमा यादव।

जियो पोलिटिक्स एंड ग्लोबल ऑर्डर, पेंडमिक एंड द स्टेट ऑफ डेमोक्रेसी, भारत व उसके पड़ोसियों के संदर्भ में, महामारी के बाद सामाजिक आर्थिक विकास की नीति, मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और जलवायु परिवर्तन, विस्थापन तथा कला व साहित्य सरीखे महत्त्वपूर्ण विषयों पर देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने सहसंरक्षक की भूमिका निभाई और आयोजन के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। प्रो. यादव ने सम्मेलन से लौटने के पश्चात विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात की और उन्हें इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में हुए विमर्श की जानकारी दी। प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित सम्मेलन में वैश्विक महामारी 'कोरोना' और उसके विश्व समुदाय पर हुए प्रभाव को लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चा हुई। जिसमें इसके प्रभाव से बदली परिस्थितियों और भविष्य में आवश्यक बदलावों व निदान की दिशा में सभी प्रतिभागियों ने अपना मत व्यक्त किया।

प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि कोरोना महामारी के बाद बदली परिस्थितियों के मद्देनजर इस आयोजन में शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक व आर्थिक परिवर्तन, विश्व समुदाय के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर संवाद किया गया। प्रो. यादव ने बताया कि अवश्य ही यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महामारी के बाद बदली विश्व की परिस्थितियों को समझने और उससे जुड़ी चुनौतियों के निदान में मददगार साबित होगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में शिक्षण संस्थान होने के नाते शिक्षा व्यवस्था में सुधार से लेकर विभिन्न स्तर पर नीति निर्धारण में विश्वविद्यालय की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है। अवश्य ही इस तरह के आयोजन सकारात्मक समाधान में मददगार साबित होंगे।

नवोदय टाइम्स Thu, 28 December 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/74210503

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरु

-24 जनवरी, 2024 तक अभ्यर्थी कर सकेंगे आवेदन
-सीयूईटी पीजी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होंगे दाखिले

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उपलब्ध स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी पीजी) के अंतर्गत ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 26 दिसंबर, 2023 से शुरु हो गई है। विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी इस प्रवेश परीक्षा के लिए आगामी 24 जनवरी, 2024 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नए सत्र में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास व रोजगार सृजन की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में सीयूईटी-2024 के नोडल ऑफिसर डॉ. केशव सिंह रावत ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 24 जनवरी, 2024 तक चलेगी। इस परीक्षा

के आधार पर ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले करेगा। डॉ. रावत ने बताया कि सत्र 2024-25 में कुल 41 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। जिनके दाखिले सीयूईटी 2024 (पीजी) परीक्षा के माध्यम से होंगे। ऑनलाइन आवेदन व अन्य विवरण के लिए https://pgcuet.samarth.ac.in पर लॉगइन करें।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरु

- **24 जनवरी, 2024 तक अभ्यर्थी कर सकेंगे आवेदन।**
- **सीयूईटी पीजी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होंगे दाखिले।**

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उपलब्ध स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी पीजी) के अंतर्गत ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 26 दिसंबर, 2023 से शुरु हो गई है। विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी इस प्रवेश परीक्षा के लिए आगामी 24 जनवरी, 2024 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नए सत्र में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास व रोजगार सृजन की दिशा में प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय में सीयूईटी-2024 के नोडल ऑफिसर डॉ. केशव सिंह रावत ने बताया कि

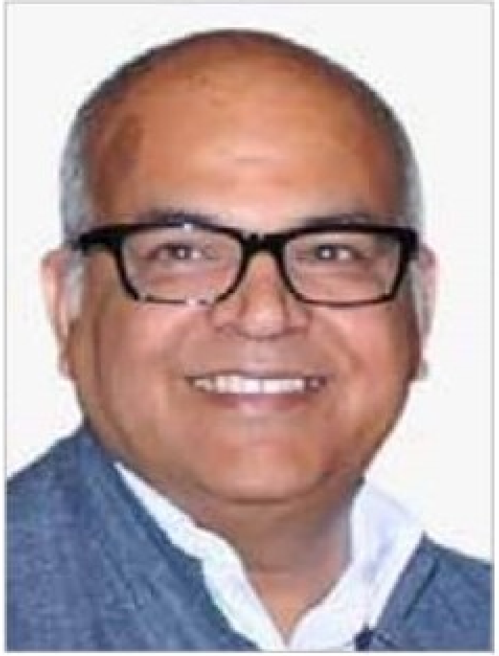

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 24 जनवरी, 2024 तक चलेगी। इस परीक्षा के आधार पर ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले करेगा। डॉ. रावत ने बताया कि सत्र 2024-25 में कुल 41 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। जिनके दाखिले सीयूईटी 2024 (पीजी) परीक्षा के माध्यम से होंगे। ऑनलाइन आवेदन व अन्य विवरण के लिए https://pgcuet.samarth.ac.in पर लॉगइन करें।

हकेंवि में दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उपलब्ध स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी पीजी) के अंतर्गत ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 26 दिसंबर से शुरु हो गई है। विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी इस प्रवेश परीक्षा के लिए आगामी 24 जनवरी 2024 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नए सत्र में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास व रोजगार सृजन की दिशा में प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय में सीयूईटी-2024 के नोडल ऑफिसर डॉ. केशव सिंह रावत ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 24 जनवरी, 2024 तक चलेगी। इस परीक्षा के आधार पर ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले करेगा। डॉ. रावत ने बताया कि सत्र 2024-25 में कुल 41 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। जिनके दाखिले सीयूईटी 2024 (पीजी) परीक्षा के माध्यम से होंगे। ऑनलाइन आवेदन व अन्य विवरण के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर लॉगइन करें।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

महेंद्रगढ़, 28 दिसम्बर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उपलब्ध स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी पीजी) के अंतर्गत आ ॅनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 26 दिसंबर, 2023 से शुरु हो गई है। विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी इस प्रवेश परीक्षा के लिए आगामी 24 जनवरी, 2024 तक आ ॅनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नए सत्र में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास व रोजगार सृजन की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में सीयूईटी-2024 के नोडल ऑफिसर डा. केशव सिंह रावत ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 24 जनवरी, 2024 तक चलेगी। इस परीक्षा के आधार पर ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले करेगा। डॉ. रावत ने बताया कि सत्र 2024-25 में कुल 41 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। जिनके दाखिले सीयूईटी 2024 (पीजी) परीक्षा के माध्यम से होंगे।

नवोदय टाइम्स Fri, 29 December 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/74219819

हकेवि में संकाय संवर्धन कार्यक्रम का हुआ समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित मदन मोहन मालवीय

टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र द्वारा 18 से 28 दिसंबर तक आयोजित ह्यकौशल विकास और भारतीय ज्ञान परंपराह्न विषयक तीसरे संकाय संवर्धन कार्यक्रम का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में संकाय संवर्धन कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजको को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे। समापन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रशिक्षित करने समर्थ होगा। भारतीय ज्ञान परंपरा के भीतर अनेक विषयों और अनुशासनों के उदाहरण के माध्यम से भारतीय ज्ञान मीमांसा के विविध पहलुओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल स्रोत लोकविद्या से आबद्ध है। लोकविद्या में अनेक कौशल विद्यमान हैं। हम शिक्षकों का दायित्व है कि अपनी इस विद्या और कौशल को क्रमबद्धता और अवधारणात्मक रूप में विकसित करें। प्रो. यादव ने इस कार्यक्रम में भागीदारी हेतु सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में पूरे देश के सौ से अधिक विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षकों ने भागीदारी की। प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम के संबंध में अपने विचारों से अवगत कराया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के उद्देश्य और इसके संचालन हेतु हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम में बीएचयू, हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय, उत्तराखंड, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, आईआईआईटी, भोपाल, अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय आदि के ख्यातिलब्ध विद्वानों ने अपने विचारों से कार्यक्रम को सफल बनाया। इस कार्यक्रम में केंद्र के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने स्वागत वक्तव्य दिया।पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र के निदेशक प्रोफेसर प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नितिन, डॉ. सिद्धार्थ राय, डॉ. युधवीर और डॉ. अलेख एस. नायक ने किया।

क्रमबद्धता में विकसित करें विद्या-कौशल

हकेंवि में कार्यक्रम का समापन, कौशल विकास व भारतीय ज्ञान पर मंथन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र द्वारा 18 से 28 दिसंबर तक आयोजित कौशल विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा विषयक तीसरे संकाय संवर्धन कार्यक्रम का समापन हुआ।

18

से 28 दिसंबर तक आयोजित होगा कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में संकाय संवर्धन कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे। समापन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रशिक्षित करने समर्थ होगा। भारतीय ज्ञान परंपरा के भीतर अनेक विषयों और अनुशासनों के उदाहरण के माध्यम से भारतीय ज्ञान मीमांसा के विविध पहलुओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल स्रोत लोकविद्या से आबद्ध है। लोकविद्या में अनेक कौशल विद्यमान हैं। हम शिक्षकों का दायित्व है कि अपनी इस विद्या-कौशल को क्रमबद्धता और अवधारणात्मक रूप में विकसित करें। प्रो. यादव ने इस कार्यक्रम में भागीदारी हेतु सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में पूरे देश के सौ से अधिक विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षकों ने भागीदारी की। प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम के संबंध में अपने विचारों से अवगत कराया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के उद्देश्य और इसके संचालन हेतु हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम में बीएचयू, हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय उत्तराखंड, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय गुरुग्राम, आईआईआईटी, भोपाल, आंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय आदि के ख्यातिलब्ध विद्वानों ने अपने विचारों से कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम में केंद्र के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने स्वागत वक्तव्य दिया। पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नितिन, डॉ. सिद्धार्थ राय, डॉ. युधवीर और डॉ. अलेख एस. नायक ने किया।

महेंद्रगढ़ भास्कर 30-12-2023

संकाय संवर्धन कार्यक्रम का समापन

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र द्वारा 18 से 28 दिसंबर तक आयोजित कौशल विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर तीसरे संकाय संवर्धन कार्यक्रम का समापन हुआ। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में संकाय संवर्धन कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। विवि की सम्कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रशिक्षित करने में समर्थ होगा। इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम में बीएचयू हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय उत्तराखंड, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय गुरुग्राम, आईआईटी भोपाल, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय आदि के ख्यातिप्राप्त विद्वानों ने अपने विचारों से कार्यक्रम को सफल बनाया। इस कार्यक्रम में संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने स्वागत वक्तव्य दिया तथा डॉ. नितिन, डॉ. सिद्धार्थ राय, डॉ. युद्धवीर और डॉ. अलेख एस नायक ने किया।

हकेवि में संकाय संवर्धन कार्यक्रम का हुआ समापन

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र द्वारा 18 से 28 दिसंबर तक आयोजित 'कौशल विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा' विषयक तीसरे संकाय संवर्धन कार्यक्रम का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में संकाय संवर्धन कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजको को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे। समापन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रशिक्षित करने समर्थ होगा। भारतीय ज्ञान परंपरा के भीतर अनेक विषयों

और अनुशासनों के उदाहरण के माध्यम से भारतीय ज्ञान मीमांसा के विविध पहलुओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल स्रोत लोकविद्या से आबद्ध है। लोकविद्या में अनेक कौशल विद्यमान हैं। हम शिक्षकों का दायित्व है कि अपनी इस विद्या और कौशल को क्रमबद्धता और अवधारणात्मक रूप में विकसित करें। प्रो. यादव ने इस कार्यक्रम में भागीदारी हेतु सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में पूरे देश के सौ से अधिक विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षकों ने भागीदारी की। प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम के संबंध में अपने विचारों से अवगत कराया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के उद्देश्य और इसके संचालन हेतु हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम में बीएचयू, हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय, उत्तराखंड, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, आईआईआईटी, भोपाल, अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय आदि के ख्यातिलब्ध विद्वानों ने अपने विचारों से कार्यक्रम को सफल बनाया। इस कार्यक्रम में केंद्र के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने स्वागत वक्तव्य दिया।पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र के निदेशक प्रोफ़ेसर प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

हकेंवि में संकाय संवर्धन कार्यक्रम का हुआ समापन

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र द्वारा 18 से 28 दिसंबर तक आयोजित 'कौशल विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा' विषयक तीसरे संकाय संवर्धन कार्यक्रम का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में संकाय संवर्धन कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे। समापन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

प्रो. टंकेश्वर कुमार •

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Mohindergarh - 30 D

हकेंवि में संकाय संवर्धन कार्यक्रम का समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र द्वारा 18 से 28 दिसंबर तक आयोजित कौशल विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा विषय के तीसरे संकाय संवर्धन कार्यक्रम का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में संकाय संवर्धन कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे। विवि की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रशिक्षित करने समर्थ होगा।

संकाय संवर्धन कार्यक्रम का हुआ समापन

महेंद्रगढ़, 29 दिसम्बर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग केंद्र द्वारा 18 से 28 दिसंबर तक आयोजित 'कौशल विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा' विषयक तीसरे संकाय संवर्धन कार्यक्रम का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में संकाय संवर्धन कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा में इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे। समापन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रशिक्षित करने समर्थ होगा। भारतीय ज्ञान परंपरा के भीतर अनेक विषयों और अनुशासनों के उदाहरण के माध्यम से भारतीय ज्ञान मीमांसा के विविध पहलुओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल स्रोत लोकविद्या से आबद्ध है। लोकविद्या में अनेक कौशल विद्यमान हैं। हम शिक्षकों का दायित्व है कि अपनी इस विद्या और कौशल को क्रमबद्धता और अवधारणात्मक रूप में विकसित करें। प्रो. यादव ने इस कार्यक्रम में भागीदारी हेतु सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में पूरे देश के सौ से अधिक विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षकों ने भागीदारी की। इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम में बीएचयू, हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय, उत्तराखंड, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, आईआईआईटी, भोपाल, अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

नवोदय टाइम्स Sat, 30 December 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/7422(